आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

■ रायपुर,सोमवार 07 अक्टूबर 2024 ■ आश्विन शुक्ल पक्ष-5 ■ वर्ष- 40 ■ अंक-190 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 08 अक्टूबर 2024 ■ मूल्य 1.00 रु.

phone: 0771-2543112

पंचमी पर मां दंतेश्वरी के भक्तों की ऐतिहासिक भीड़

मंदिर के प्रवेश द्वार से डंकनी नदी पुल तक श्रद्धालुओं की लगी लंबी कतार, सुबह 4 बजे पट खुलते ही माता की एक झलक पाने उमड़ा भक्तों का हुजूम

■ संतोष चौहान

दंतेवाड़ा 7 अक्टूबर। शारदीय नवरात्र की पंचमी पर आज तो आस्था का सैलाब ही उमड़ पड़ा। अल सुबह मंदिर का पट खुलते ही दर्शनार्थियों की भीड इस कदर उमड़ी कि देखने वाले भी दंग रह गए। जैसे जैसे दिन चढ़ता गया दर्शनार्थियों की भीड़ और भी ज्यादा बढ़ती चली गई। दर्शनार्थियों की कतारें कई लाइनों में लगी रही। देखते ही देखते मंदिर के प्रवेश द्वार से एक ओर डंकनी पुल तक तो दूसरी ओर नारायण मंदिर तक भक्तों की लंबी लंबी कई लाइनों की कतारें पहुंच गई थी। नवरात्र में दर्शनार्थियों की भीड़ का ऐसा नजारा आज से पहले कभी नहीं देखा गया था। पंचमी पर आज भीड़ की पिछली सारी रिकार्ड टूट गई । हालांकि श्रद्धालुओं की भीड़ नवरात्र के दूसरे दिन से ही लगनी शुरू हो गई थी वहीं चौथे दिन व पंचमी पर सबसे ज्यादा भीड़ रही। मंदिर परिसर से लेकर जयस्तंभ चौक, गायत्री मंदिर चौक तक की पूरी सड़कें भक्तों से अटी पड़ी रही। मंदिर समिति, जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के इंतजामात भी धरे के धरे रह गए आस्था के सैलाब के आगे। भीड़ बेकाबू होने से अव्यवस्था गडबड़ाई श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड रहा है। ईधर श्रद्धालुओं का जत्था आज भी सुबह से सैकड़ों की संख्या में लगातार दंतेवाड़ा पहुंच रहा है।

आश्विन शुक्ल पक्ष के पंचमी के खास मौके पर आज दंतेश्वरी मंदिर में देवी की पांचवी रूप स्कंदमाता रूप की विशेष पूजा हुई। सुबह मंदिर का पट खुलते ही सबसे पहले माता की आरती की गई जिसके बाद भक्तों को दर्शन के लिए अंदर जाने की अनुमति दी गई। दर्शनार्थियों की भीड़ चतुर्थी की रात से ही लगनी शुरू हो गई थी। दर्शनार्थी आधी रात 2 बजे से ही कतारों में लगने शुरू हो गए थे। सुबह जयस्तंभ चौक से लेकर मंदिर के सामने स्थित सिंहद्वार तक 6 से ज्यादा कतारों में दर्शनार्थी अपनी बारी का इंतजार करते रहे। एक अनुमान के मुताबिक आज पंचमी पर करीब डेढ़ लाख से ज्यादा भक्त पहुंचे थे। मंदिर कमेटी को एवं जिला प्रशासन को यह अंदाजा नहीं था कि पंचमी पर इतनी ज्यादा भीड़ उमडेगी और उन्हें सम्हालने में भारी दिक्कत आएगी। बेकाबू भीड़ के चलते मंदिर परिसर में सेवा दे रहे सेवादल, एवं पुलिस के जवानों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था।

- शेष पेज 5 पर

कोई घुटनों के बल, तो कोई लुढ़क-लुढ़क कर पहुंच रहा माता के दरबार

संक्षेप

रतन टाटा की तबीयत बिगड़ी

मुंबई 7 अक्टूबर। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा को सोमवार तड़के ब्रीच कैंडी अस्पताल ले जाया गया।

उद्योगपति को एक परोपकारी व्यक्ति के रूप में भी जाना जाता है, उन्हें नियमित चिकित्सा जांच के लिए ले जाया गया। हालाँकि, सभी अफवाहों को खारिज करते हुए, रतन टाटा ने भी एक्स को संबोधित किया और कहा कि मैं अपने स्वास्थ्य के संबंध में चल रही हालिया अफवाहों से अवगत हूं और सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि ये दावे निराधार हैं। मैं वर्तमान में अपनी उम्र और संबंधित चिकित्सीय स्थितियों के कारण चिकित्सा जांच से गुजर रहा हूं। रतन टाटा ने आगे कहा कि चिंता का कोई कारण नहीं है। मैं अच्छे मूड में हूं और अनुरोध करता हूं कि जनता और मीडिया सम्मानपूर्वक गलत सूचना फैलाने से बचें। हाल ही में रतन टाटा (86) को सोमवार को प्रतिष्ठित चढ्ढस्स ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड 2021 से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह मुंबई में उनके आवास पर आयोजित किया गया, जो सामाजिक विकास और अनुकरणीय कॉर्पोरेट नेतृत्व के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की एक महत्वपूर्ण मान्यता है।

पूर्व महापौर ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

रायगढ 7 अक्टूबर। रायगढ़ के पूर्व महापौर जेठूराम ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने अपना त्यागपत्र सीधे प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को भेजा है. हालांकि उनके इस्तीफे का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है. इस्तीफा पत्र में उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपनी व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दे रहे हैं.बताया जा रहा है जेठूराम पार्टी में लगातार हो रही उपेक्षा से परेशान थे. 2005 से 2010 तक रायगढ़ नगर निगम में बड़ी जीत हासिल कर महापौर बने थे. लेकिन हाल के वर्षों में पार्टी के भीतर उनकी अनदेखी से नाराज चल रहे थे. जिसके चलते आज उन्होंने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है.

जनपद अध्यक्ष सहित 6 सदस्य भाजपा में शामिल

सक्ती 7 अक्टूबर। पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है. सक्ती जिले के जैजैपुर में जनपद अध्यक्ष रोशनी चंद्रा सहित 6 जनपद सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं. जिला अध्यक्ष के के चंद्रा ने सभी नए सदस्यों को भाजपा में शामिल कराते हुए उनका स्वागत किया. भाजपा प्रवेश करने वाले जनप्रतिनिधियों में जनपद अध्यक्ष रोशनी चंद्रा के अलावा किशन साहू, नारायण निराला, रंभा भारद्वाज, अंजनी सिदार, कृष्ण कुमार चंद्रा और राधे श्याम चंद्रा शामिल हैं।

कार ने 6 लोगों को रौदा, दो गंभीर

जशपुर 7 अक्टूबर। ओमी वेन कार ने 6 लोगो रौंद दिया। दरअसल पामगढ़ से जांजगीर की ओर जा रहा गाड़ी ने 6 लोगो को टक्कर मार दी। जिससे की वह बुरी तरह घायल हो गए। दो घायलों को बिलासपुर रेफर कर दिया गया हैं। बाकि घायल का अभी इलाज जारी हैं। यह घटना पामगढ़ जांजगीर रोड की बताई जा रही हैं। फ़िलहाल ड्राइवर फरार हो गया हैं।

इस्लामिक कानूनों का पालन कर रही सोरेन सरकार: गिरिराज

नई दिल्ली 7 अक्टूबर। झारखंड में इस साल चुनाव होने है। भाजपा राज्य में अपनी पूरी ताकत लगा दी है। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बड़ा दावा किया है। गिरिराज सिंह ने हेमंत सोरेन सरकार पर इस्लामिक कानूनों को लागू करने का आरोप लगाया है। गिरिराज सिंह ने अपने बयान में कहा कि आपने देखा होगा झारखंड में एक मुद्दा उठा और उसके बाद कई राज्यों में वही मुद्दा देखने को मिला।

नक्सलियों के खात्मे पर शाह ने की साय सरकार की प्रशंसा

हमने डिफेंसिव नीति को छोड़कर आक्रामक नीति को अपनाया है

■ रायपुर 7 अक्टूबर

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आज नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उनकी टीम के साहसिक प्रयासों की प्रशंसा की. उन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नक्सल उन्मूलन के लिए उठाए गए प्रभावी कदमों को सराहते हुए मुख्यमंत्री और उनकी टीम को बधाई दी. उन्होंने कहा कि नक्सल मोर्चे पर छत्तीसगढ़ सरकार बेहतर कार्य कर रही है, जिससे नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियानों को अभूतपूर्व सफलता मिल रही है. उन्होंने कहा कि 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म कर देंगे।

शाह ने कहा कि हमने डिफेंसिव नीति को छोड़कर आक्रमक नीति को अपनाया है. उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के सहयोग से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्यों को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे वहां के लोग मुख्यधारा में लौट रहे हैं.

बैठक के दौरान गृह मंत्री शाह ने विशेष रूप से हाल ही में हुए नक्सली मुठभेड़ का उल्लेख किया, जिसमें छत्तीसगढ़ पुलिस ने 31 नक्सलियों को ढेर किया था. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पुलिस, डीआरजी, और बस्तर बटालियन के जवानों ने बेहतरीन तालमेल और खुफिया जानकारी के साथ इस ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया. यह नक्सल उन्मूलन अभियान राज्य सरकार की रणनीति, खुफिया तंत्र और केंद्रीय बलों के सहयोग का बेहतरीन उदाहरण है.

गृह मंत्री शाह ने आगे कहा, छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति की है. पिछले नौ महीनों में 194 से अधिक माओवादी मारे गए हैं, 800 से ज्यादा नक्सलियों की गिरफ्तारियां हुई है और 738 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है. यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. मुख्यमंत्री साय और उनकी टीम का प्रयास सराहना के योग्य है।

अमित शाह ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित सभी नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि इन क्षेत्रों में शांति और विकास को बढ़ावा दिया जा सके. उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सल प्रभावित गांवों में विकास का नया अभियान चलाया, जिससे गांवों में विकास पहुंचा है. सरकार ने नक्सलियों के वित्तीय पोषण को भी रोका है. अमित शाह ने कहा कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत, 2004 से 2014 तक इस योजना पर 1180 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि 2014-2024 तक हमने 3,006 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। विशेष केंद्रीय सहायता योजना के तहत हमने पिछले दस वर्षों में 3590 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। पिछले 10 वर्षों में 544 सुदृढ़ पुलिस स्टेशन बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पहले सड़क नेटवर्क 2,090 किमी था, पिछले 10 वर्षों में सड़क नेटवर्क बढ़कर 11,500 किमी हो गया है। पिछले 10 वर्षों में 15,300 मोबाइल टावर लगाए गए हैं और उनमें से 5139 टावरों को 4जी कनेक्शन दिए गए हैं।

शिवधाम में रात को होगा पंचमी का हवन

मां महाकाली (अघोरेश्वरी) का विशेष श्रृंगार

रायपुर 9 अक्टूबर। नवरात्रि की पंचमी के अवसर पर आज शिवधाम तुलसी में माता की भक्ति का अद्भुत ही दृश्य देखने को मिला। शिवधाम एक ऐसा तीर्थ स्थल है जहां एक ही परिसर में शिव और शक्ति विराजमान हैं। शिवधाम में नवरात्रि पूरे उल्लास व विधि विधान से मनाई जाती है। यहां मां धरती की गोद में मां महाकाली (अघोरेश्वरी) की दिव्य व जीवंत प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठित है। मां महाकाली (अघोरेवरी) के मंदिर में भक्तों के नाम से ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। आज पंचमी के अवसर पर माता रानी का विशेष श्रृंगार किया गया था। माता के दर्शन करने सुबह से ही भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। आज रात्रि 11.27 बजे हवन किया जाएगा। शिवधाम परिसर स्थित शिवालय में भोले भंडारी पारद निर्मित शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। यहां यह बताना जरूरी है कि नौ अक्टूबर सप्तमी पर रात 10.33 बजे से काल रात्रि पूजा होगी। 11 अक्टूबर को अष्टमी हवन प्रातः साढ़े दस बजे होगा। 12 अक्टूबर को नवमीं पर कन्या पूजन व भोज का आयोजन दोपहर 12.30 बजे से है। आज पंचमी पर राजधानी के सभी देवी मंदिरों व शक्ति केंद्रों में पंचमी पर माता का श्रृंगार किया गया था। आज दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। दंतेवाड़ा स्थित दंतेश्वरी व डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में तो पैर रखने की जगह नहीं थी।

बेघर महिला की याचिका पर हाईकोर्ट ने दिखाई संवेदनशीलता, समय से पहले खुला कोर्ट

■ बिलासपुर 7 अक्टूबर

हाईकोर्ट ने अर्जेंट हियरिंग के एक मामले में संवेदनशीलता दिखाई है. बेघर महिला की याचिका पर सुनवाई के लिए कोर्ट समय से पहले खुला. चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई. दुर्ग की महिला ने अर्जेंट हियरिंग की मांग की थी. क्योंकि थाने में एफआईआर दर्ज होने के बाद महिला का पति लापता है. दुर्ग पुलिस प्रशासन ने बिना चेतावनी महिला के घर को सील कर दिया है. महिला ने सील बंद घर को खुलवाने याचिका लगाई है. कोर्ट ने दुर्ग आईजी को नोटिस कर जल्द सुनवाई करने के निर्देश दिए हैं.

दुर्ग निवासी उषा कौर ने पुलिस द्वारा सीलबंद किए गए घर को खुलवाने की हाईकोर्ट से गुहार लगाई. याचिकाकर्ता ने कहा- जिस घर को पुलिस ने सील कर दिया है वहां वह अपने परिवार के साथ रहती हैं. घर सील होने के कारण वह और परिवार के सदस्य बेघर हो गए हैं. याचिकाकर्ता ने 30.09.2024 को पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग को आवास गृह का सील खोलने और गुमशुदा पति की खोजबीन करने के लिए अभ्यावेदन भी दिया था, लेकिनअब तक मामला लंबित है.

दरअसल, एक मामले में याचिकाकर्ता के पति का नाम अन्य व्यक्तियों के साथ एफआईआर में दर्ज है. एफआईआर दर्ज होने के बाद से वह लापता हैं. मामले की सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से कोर्ट को बताया गया, कि पुलिस ने याचिकाकर्ता के पति को गिरफ्तार नहीं किया है. जब याचिकाकर्ता के पति की एक मामले में संलिप्तता पाई गई तब पूछताछ करने के उद्देश्य से पुलिस याचिकाकर्ता के घर गई थी, तो घर में ताला लगा था, इसलिए पुलिस ने उसे सील कर दिया है.

अर्जेंट हियरिंग की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने आईजी दुर्ग को नोटिस जारी किया, और याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन का शीघ्र सुनवाई कर इस पर निर्णय देने कहा है. कोर्ट ने याचिकाकर्ता को दुर्ग आईजी से संपर्क कर अभ्यावेदन पेश करने कहा है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के केस में कहा

'आप टीचर हैं, सब कुछ जानती हैं, सहमति से ही संबंध बने थे'

■ बिलासपुर 7 अक्टूबर

एक शिक्षिका ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में दुष्कर्म के आरोपित को सजा देने की मांग की है। याचिकाकर्ता ने अपने आपको पीड़िता बताते हुए याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के दौरान झूठे मुकदमे को लेकर हाई कोर्ट की नाराजगी भी सामने आई। नाराज कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी के साथ याचिका को न केवल खारिज कर दिया है। साथ ही ट्रायल कोर्ट के फैसले को बरकरार भी रखा है।

ट्रायल कोर्ट से मुकदमा हारने के बाद शिक्षिका ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में आरोपित शिक्षक को

दोषमुक्त कर दिया है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा है कि पीड़िता अध्यापिका है वह सब कुछ समझती है। उसकी सहमति से ही संबंध बना था। इस पूरे मामले में याचिकाकर्ता शिक्षिका की कहानी अविश्वनीय है।

गवाहों के बयान और प्रतिपरीक्षण के दौरान ट्रायल कोर्ट ने पाया कि पीड़िता जिस मोहल्ले में किराए के मकान में रहती है आसपास के लोगों को इतनी बड़ी घटना की जानकारी ही नहीं लग पाई। घटना के बाद पीड़िता ने भी किसी से जिक्र ही नहीं किया। शिक्षक की और से पेश गवाहों ने बताया कि आरोपित के समाज में चूड़ी शादी का प्रचलन है। इसी प्रथा से शिक्षिका को चूड़ी पहना कर शादी की और उसे अपने घर भी लेकर गया था।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में लिखा है कि याचिकाकर्ता की तरफ से पेश किये गये सभी तर्क अविश्वसनीय है। यह जानते हुए भी कि वह अध्यापिका है। सब कुछ जानती समझती भी है। बिना सहमति संबध संभव नहीं है।

बलौदाबाजार जिले के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में पदस्थ शिक्षिका ने रिपोर्ट लिखाई थी कि वह अपने बच्चे के साथ किराए में कमरा लेकर रहती है। जुलाई 2018 की दोपहर को घर में थी। 12 बजे के करीब पास ही के गांव के मीडिल स्कूल का शिक्षक घर आया व पहले बच्चे को चाकलेट खाने 100 रु देकर बाहर भेजा दिया।

इसके बाद आरोपित ने शादी करने की बात कही और नहीं मानने पर बच्चे को मारने की धमकी देकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। इसके बाद वह उसके घर बार-बार आता था। रिपोर्ट पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपराध सिद्ध नहीं होने पर आरोपित को ट्रायल कोर्ट दोष मुक्त कर दिया था!

मुइज्जू के सामने मोदी ने गिनवा दिए मालदीव पर किए सारे एहसान

नई दिल्ली 9 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव में हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और घनिष्ठ मित्र देश है। हमारी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी और सागर विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। हमने रक्षा और सुरक्षा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। एकथा हार्बर प्रोजेक्ट पर काम तेजी से चल रहा है। इंडियन ओसियन रीजन में स्थिरता और समृद्धि के लिए हम मिलकर काम करेंगे। कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव में फाउंडिंग मेंबर के रूप में जुड़ने के लिए मालदीव का स्वागत है।

भारत ने सदैव मालदीव के लिए फर्स्ट रिसपॉन्डर की भूमिका निभाई है। चाहे मालदीव के लोगों के लिए जरूरी वस्तुएँ की जरूरत पूरा करना हो, प्राकृतिक आपदा के समय पीने का पानी उपलब्ध कराना हो, कोविड के समय वैक्सीन देने की बात हो, भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी होने के दायित्व को निभाया है।

हमने मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करने का निर्णय लिया है। हम स्थानीय मुद्रा में व्यापार निपटाने पर भी काम करेंगे। इसके अतिरिक्त, हमने डिजिटल कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित किया है। हम सब मिलकर एक उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए काम करेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि चाहे मालदीव के लोगों की आवश्यक जरूरतों को पूरा करना हो, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान पीने का पानी उपलब्ध कराना हो, या कोविड के दौरान टीके पहुंचाना हो, भारत ने हमेशा एक पड़ोसी के रूप में अपना कर्तव्य निभाया है। आज हमने अपने आपसी सहयोग को रणनीतिक दिशा देने के लिए एक व्यापक, आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी दृष्टिकोण अपनाया है।

भारत की सुरक्षा को कभी भी नुकसान नहीं पहुंचने देंगे: मुइज्जू

भारत के साथ मालदीव की द्विपक्षीय प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पांच दिवसीय यात्रा पर आए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने कहा कि उनका देश भारत की सुरक्षा को कमजोर करने के लिए काम नहीं करेगा और नई दिल्ली को कई क्षेत्रों में सहयोग के साथ एक मूल्यवान भागीदार और मित्र के रूप में देखता है। हालाँकि मालदीव के राष्ट्रपति ने जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था, लेकिन यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। दिल्ली के अलावा, वह मुंबई और बेंगलुरु भी जाएंगे जहां वह व्यावसायिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुइज्जू ने कहा कि मालदीव कभी भी भारत की सुरक्षा को कमजोर करने वाला कोई काम नहीं करेगा। जबकि हम विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ सहयोग बढ़ाते हैं, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हमारे कार्यों से हमारे क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता से समझौता न हो। उन्होंने अपनी मालदीव फर्स्ट नीति का जिक्र करते हुए कहा कि यह आवश्यक है मालदीव अंतरराष्ट्रीय संबंधों में विविधता लाएगा और किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता को कम करेगा। मालदीव और भारत के बीच संबंध हमेशा मजबूत रहे हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भारत-मालदीव के विशेष संबंधों को आगे बढ़ाते हुए! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति एम.एम. मुइज्जू का हैदराबाद हाउस में गर्मजोशी से स्वागत किया।

कोच छोड़कर आधा किमी तक चल पड़ा कामायनी एक्सप्रेस का इंजन

■ जबलपुर 7 अक्टूबर

जबलपुर रेल मंडल में लगातार हो रही लापरवाही से रेल हादसे बढ़ गए हैं। एक बार फिर मंडल की सीमा में आने वाली जैतवारा स्टेशन पर एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। जैतवारा स्टेशन में मुंबई होकर बनारस जाने वाली कामायनी एक्सप्रेस के इंजन से कोच को जोड़ने वाली कपलिंग खुल गई और इंजन, रैक छोड़कर 500 मीटर तक आगे बढ़ गया। जब ट्रेन के ड्राइवर को इसका पता चला तो उसने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका गया। इस लापरवाही से हादसा तो नहीं हुआ, लेकिन यात्रियों का तनाव बढ़ गया। तत्काल ड्राइवर ने ट्रेन के इंजन को वापस आधा किलोमीटर वापस लाकर रैक से उसे जोड़ा। इससे यात्रियों के बीच भी हड़कंप कीं स्थति बन गई। मुंबई से चलकर सतना जैतवारा होते हुए बनारस जाने वाली कामायनी एक्सप्रेस की जैतवारा व हाटी स्टेशन के पास कपलिंग खुल गई थी, जिससे इंजन के आगे बढ़ जाने से हड़कंप मच गया। प्लेटफार्म और ट्रेन के यात्रियों को जैसे ही इसकी खबर लगी, उन्होंन तत्काल टीटीई और अन्य स्टाफ को इसकी जानकारी दी।कामायनी एक्सप्रेस रात को हाटी और जैतवारा के बीच किलोमीटर नंबर 1195/05 पर पहुंची ही थी कि गाड़ी में लगे पावर कार की कपलिंग अचानक खुल गई और पायलट को इसकी भनक भी नहीं लगी।

एक नजर

लूट का आरोपी गिरफ्तार

भिलाई, 7 अक्टूबर। कुम्हारी थाना क्षेत्र ट्रक ड्राइवर धर्मेंद्र भारद्वाज को रास्ते में रोककर उसकी बाइक और मोबाइल लूटने वाले आरोपित मनोज कुर्रे उर्फ बड़े गोलू (33 साल) को कुम्हारी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित ने सप्ताहभर पहले उरला रोड जैन मंदिर के पास रात में लूटपाट की थी घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपित से बाइक और मोबाइल बरामद की है। सामान की कुल कीमत करीब 90 हजार रुपये आकी गई है कुम्हारी टीआई जनकराम कुर्रे ने बताया कि ग्राम धारासी लवण जिला बलौदा बाजार निवासी शिकायतकर्ता धर्मेंद्र (31 साल) उरला में ट्रक ड्राइवर का काम करता है वह 30 सितंबर की रात करीब नौ बजे बाइक से घर जा रहा था रास्ते में जैन मंदिर रोड उरला के पास आरोपित मनोज ने उसे रुकवाया और मारपीट कर बाइक व मोबाइल लूटकर फरार हो गया पीड़ित रात में वहां से पैदल कुम्हारी थाने पहुंचा और पुलिस से इसकी शिकायत की पुलिस ने बताया कि आरोपित आदतन बदमाश है आरोपित के हुलिये पर पुलिस ने किया गिरफ्तार बाइक व मोबाइल जब्त सप्ताहभर पहले उरला जैन मंदिर के पास आरोपित की थी लूटपाट।

रंगदारी मामले में जुर्म दर्ज

भिलाई, 7 अक्टूबर। भिलाई दुर्ग जेल के भीतर रहकर रंगदारी वसूलने वाले अपराधी सहित उसके सहयोगियों पर अपराध दर्ज किया गया है रिपोर्ट पर सुपेला पुलिस मामले में चार लोगों के खिलाफ धारा 384, 506, 34 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है सुपेला पुलिस ने बताया कि अभिषेक पाण्डेय ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि केम्प - 1निवासी रवि विठ्ठल विशाल सोनी परबदीप सिह उर्फ मन्नू, गुरमीत कौर ने जान से मारने की धमकी देकर रकम का डिमांड कर परेशान किया जा रहा है पीड़ित ने पुलिस को बताया कि जेल में रह रहे लोकेश पाण्डेय को रवि विठ्ठल विशाल ने जान से मारने की धमकी देकर परिजनों से 7 लाख 95 हजार रुपए अब तक लिया जा चुका है पीड़ित ने पुलिस को बताया कि भाई लोकेश पाण्डेय विगत दो वर्ष से विचाराधीनबंदी के रूप में दुर्ग जेल में है। दुर्ग जेल में सजायाफ्ता अपराधी रवि विठ्ठल नवीन जेल खण्ड 1, बैरक 4 में हत्या के आरोप में 7 वर्ष से सजा काट रहा है। सजा याफ्ता अपराधी रवि ने विशाल को कॉल कर पीड़ित को रुपए का डिमांड करता था नहीं देने पर विचाराधीन बंदी लोकेश पाण्डेय को जेल में जान से खत्म कर देने की धमकी दिया रवि विठ्ठल की धमकी से डरकर लोकेश पाण्डेय के जान को बचाने रवि विठ्ठल, बल्खार सिंह के द्वारा विशाल के माध्यम से नगद पहले 5 लाख रुपए और ऑन लाइन 2 लाख 95 हजार रुपए दिया गया है सुपेला पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ अपराध किया दर्ज।

रिसाली सेक्टर एकता मंच में दुर्गा पूजा पर होंगे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम

उतई, 7 अक्टूबर। एकता नवयुवक दुर्गोत्सव समिति एकता मंच बी.एस.एफ. हेड क्वाटर के सामने रिसाली सेक्टर में माँ दुर्गा पूजा का आयोजन एकता मंच में 3 अक्टूबर से शुरू हुआ।आयोजन समिति के अध्यक्ष बलराम साहू , सदस्य मानसिह साहू ने बताया की यहां पर 55 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित की गई है। पहले दिन 3 अक्टूबर को मनोकामना ज्योति कलश स्थापना व माता दुर्गा मूर्ति स्थापना (शाम 7 बजे) से हुआ।4 अक्टूबर को जय महामाया बालिका निर्मल की रंगारंग प्रस्तुति हुई। 5 अक्टूबर माता सेवा व 6 अक्टुबर को जस परिवार-सगनी माता सेवा जय बाबा रूक्खड़नाथ शीतला पूरन जस झांकी परिवार-नारधा ,7 अक्टूबर को संगीत कथा-जगदम्बा विवाह 8 अक्टूबर को आदर्श श्रीराम धुनी मंडली ग्राम-परसाडीह ,9 अक्टूबर को माता सेवा की प्रस्तुति होगी। 10 अक्टूबर अष्टमी हवन (दोप. 3 बजे से), महाभोग शाम 5 बजे से और बुगी-बुगी (रात्रि 8 बजे से) कार्यक्रम होगा।

कवर्धा,7 अक्टूबर। छिरपानी कॉलोनी दुर्गा उत्सव समिति कवर्धा

कवर्धा। पोड़ी में काली मां की मूर्ति विराजित

रामायण के शाश्वत मूल्य कभी नहीं बदलने वाले:काशीराम

मांदर की थाप से रामलीला को जीवंत बनाते रहे काशी

भिलाई, 7 अक्टूबर। समय चाहे कितना भी बदल जाये लेकिन रामायण के आदर्श शाश्वत मूल्य कभी नहीं बदलने वाले। आज भी रामायण के पात्र जीवन-मूल्यों के प्रति हमारा मार्गदर्शन करते हैं। यही वजह है कि रामलीला के प्रति आत्मीय लगाव और उसे देखने की ललक आज भी हमारे हृदय में बचपन की तरह ही बनी हुयी है। यह कहना है कभी मांदर की थाप से रामलीला को जीवंत बनाने वाले काशीराम देवांगन की। रामायण के पात्रों को अपने हृदय में संजोकर रखने वाले काशीराम देवांगन जीई रोड के किनारे नारियल पानी और फलों का जूस बेचकर अपनी जीविका का निर्वाह करते हैं। जीविकोपार्जन के इस कार्य में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पार्वती देवी बराबर का साथ देती हैं। इस व्यस्त समय में भी वे अपने पूर्वजों के दिए रामायण को संजो कर रखे हैं और उसमें से सुन्दरकाण्ड अपने ठेले पर रखे हैं जिसे ग्राहक न हों तो समय मिलते ही पढ़ने लगते हैं। काशीराम देवांगन बीते समय के रामलीला मंचन को शिद्दत से याद करते हैं और कहते हैं कि भिलाई में रामनगर से लेके सिविक सेंटर, बोरिया गेट, कैंप आदि क्षेत्रों में रामलीला का मंचन हुआ करता था और बड़ी संख्या में लोग देखने जाते थे। काशीराम बताते-बताते भावुक हो जाते हैं कि वे स्वयं रामलीला में मांदर बजाया करते थे और राम-लक्ष्मण, सीता आदि के कारुणिक और वीरोचित भाव-प्रदर्शन के दौरान मांदर की थाप के आरोह-अवरोह का खूब आनंद उठाकर बजाया करते थे। गांव थान खम्हरिया से लेकर रायपुर के लवन तक रामलीला की धूम रही लेकिन अब वह दौर कहाँ ? अब तो लोग अपने स्वार्थ के लिए क्या नहीं कर रहे हैं लेकिन वह दौर भी था जब उनके पिताश्री भूखनलाल देवांगन और माताश्री तीजनबाई देवांगन रामायण के आदर्शों को अपने बच्चों में उतारने के लिए जान लड़ा देते थे। हालाँकि उनके पिताश्री भूखनलाल देवांगन पढ़े-लिखे नहीं थे लेकिन अद्भुत बात थी कि तुलसीकृत रामायण रामचरित मानस उन्हें मुखाग्र था ! किसी भी कांड के दोहा-चौपाई, सोरठा को पूछ लीजिये वे कंठस्थ कर लिए थे। वे पूर्वजों ले मिले रामायण को संजो को रखते थे और संयोग देखिये की जिस तिथि को राम-लक्ष्मण, सीता जी को वनवास हुआ था उसी दिन वे भी सदा के लिए चले गए लेकिन जाते-जाते हमें भी रामायण रूपी वह धरोहर दे गए। वह दिन है और आज, हम सभी भाई-बहिन उसे दिल से लगा कर रखते हैं और घर से लेकर दूकान तक रामायण के प्रति अनुराग ऐसा है कि पढ़ते ही रहते हैं । बदलते दौर में आज की पीढ़ी को रामायण की सबसे ज्यादा जरूरत है। इस ओर सभी को ध्यान देना चाहिए।

स्वच्छता अभियान पर हमेशा फोकस :मनहरण

कवर्धा,7 अक्टूबर। सुबह से ही कवर्धा में मां विंध्यासिनी मंदिर के आसपास कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष मनहरन कौशिक उपस्थित रहकर साफ सफाई की मॉनिटरिंग करते हुए दिखे और उन्होंने बताया की कवर्धा शहर में साफ सफाई को लेकर नगर पालिका पूरी तरह गंभीर है । डिप्टी सीएम विजय शर्मा के मार्गदर्शन ने कवर्धा शहर की साफ सफाई को लेकर पूरी तरह नगर पालिका अध्यक्ष मनहरण कौशिक गंभीर दिखते है । अध्यक्ष होने के बावजूद भी मनहरण का सादगी पूर्ण व्यवहार और विनम्रता की लोग तारीफ करते है । किसी का फोन आने पर फोन उठाते भी है जिसकी तारीफ होती है । ऐसी चर्चा है की आने वाले नगरीय निकाय चुनाव में अध्यक्ष के दावेदारों की लिस्ट में अच्छी पोजीशन में जगह दिख रही है लेकिन अध्यक्ष की रेस में बहुत लंबी लिस्ट है जिसकी भी चर्चा है ।

ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर चौकी प्रभारी ने कोटवारों की बैठक ली

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,7 अक्टूबर। कबीरधाम जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल (आईपीएस) के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल के मार्गदर्शन में पोड़ी पुलिस चौकी प्रभारी त्रिलोक प्रधान ने ग्राम कोटवारों की बैठक ली । इस बैठक का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को अपराध मुक्त बनाने एवं स्थानीय सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने और असामाजिक तत्वों पर नज़र रखने के लिए निर्देश दिए। कोटवारों को ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाली आपराधिक गतिविधियों, संदिग्ध व्यक्तियों के आवागमन, अवैध शराब की बिक्री, जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने और तुरंत पुलिस को सूचित करने के लिए कहा गया। ग्राम कोटवारों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे आपातकालीन परिस्थितियों जैसे आग, बाढ़ या किसी प्राकृतिक आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया दें और पुलिस या अन्य आपातकालीन सेवाओं से तुरंत संपर्क करें। गाँव में होने वाले किसी भी विवाद या झगड़े की स्थिति में शांति बनाए रखने के लिए कोटवारों से कहा गया कि वे विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने में सहायता करें और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।

ग्राम कोटवारों को यह भी सलाह दी गई कि वे प्रशासन और पुलिस की नियमित बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लें और बेझिझक स्थानीय समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा करें। बैठकों के दौरान बताया गया कि कोटवार ग्रामीण क्षेत्रों की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। । ग्राम कोटवारों को यह विश्वास दिलाया गया कि पुलिस प्रशासन हर समय उनके साथ खड़ा है और उनके कार्यों को सराहा जाता है।

कुंडा में पुलिस ने ग्रामीणों और छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन ठगी के प्रति जागरूक किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा,7 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल जिला कबीरधाम के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय पुष्पेंद्र बघेल एवं पंकज पटेल के पर्यवेक्षण मे *सायबर जन जागरूकता पखवाड़ा अभियान के तहत चलाए जा रहे जन जागरूकता कार्यक्रम ग्राम कुंडा के हाई स्कूल परिसर में आयोजित किया गया ।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कुंडा मे सामान्य औपचारिकता उपरांत थाना प्रभारी कुंडा महेश प्रधान निरीक्षक द्वारा सायबर जन जागरूकता अभियान के तहत सामान्य चर्चा बाद विभिन्न कानूनों , पास्को एक्ट, टोनही प्रताड़ना , बाल विवाह , गुड टच बैड टच अभिव्यक्ति ऐप , नशा मुक्ति,आदि की जानकारी दी गई , *उसके उपरांत विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसों में हो रहे साइबर अपराध विशेषकर साइबर फ्रॉड के बारे में एवं सोशल नेटवर्किंग साइट जैसे फेसबुक इंस्टाग्राम व्हाट्सएप एवं ट्विटर आदि के उपयोग मैं बरती जाने वाली सावधानी के बारे में विस्तार से जानकारी देकर उपस्थित ग्रामीणों , सिविरार्थी एवं छात्र छात्राओं को जागरुक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी लेते हुए जिज्ञासा वश विभिन्न सवाल किए जिनका थाना प्रभारी महेश प्रधान द्वारा विस्तार पूर्वक जानकारी देकर बच्चों के जिज्ञासा को शांत किया गया । कार्यक्रम में एस आई खांडे, आर 0 आलोक ,अजय, नेहा साव,प्राचार्य, जी एस मक्कड़, आर सी साहू, एम के चंद्राकर, एम आर चंद्रवंशी, ए मिश्रा, आर सी बंजारे, एम एस अलसरे एस त्रिपाठी, एल साहू, जी पात्र, एस डहरिए, एस तिवारी तथा कक्षा *09 वी से कक्षा 12 वी के लगभग 600 छात्र छात्राएं उपस्थित* रहे कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य जी एस मक्कड़ द्वारा *पुलिस विभाग द्वारा आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम के लिए पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल और थाना कुंडा टीम को धन्यवाद ज्ञापित करते आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया ।

गुल्लक में जमा किए पैसे को खनक ने मां अम्बे के चरणों में समर्पित किया

कवर्धा, 7 अक्टूबर। श्री आदर्श दुर्गा उत्सव समिति कवर्धा वार्ड 17 में एक अनूठा पहल और माता रानी के प्रति स्नेह देखने को मिला।

कु खनक पिता संतोष निषाद वार्ड नं 17 निवासी जो 14 वर्ष की बालिका है पिछले नौरात्री से आज तक अपने गुल्लक में पैसा जमा कर रही थी। जिसे अपने माता पिता के साथ मां अम्बे के चरणों में समर्पित किया। उनके श्रद्धा भक्ति को सादर प्रणाम।

सुबह-सुबह साइकिल चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

कवर्धा, 7 अक्टूबर। कवर्धा शहर में सुबह सुबह बहुत से लोग पैदल चलकर मॉर्निंग वॉकिंग करते है और कई लोग गाड़ी चलाते हुए दिखते है लेकिन कई लोग सायकल चलाते हुए दिखे । महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी आनंद तिवारी , , संभागीय लेखा अधिकारी संदीप बरनवाल , संभागीय लेखा अधिकारी अनिल कुमार सहित कई लोगो ने सायकल चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सुंदर स्वच्छता और बेहतर स्वास्थ्य का संदेश दिया ।

जिला खनिज न्यास डीएमएफ प्राधिकरण के सदस्य बने भाजपा उतई मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

उतई,7 अक्टूबर। ग्राम खोपली के पूर्व सरपंच एवं भाजपा उतई मंडल के लोकप्रिय नेता फत्तेलाल वर्मा को जिला खनिज न्यास डी एम एफ विभाग के सदस्य बनाया गया है।यह नियुक्ति जिला अध्यक्ष श्री जितेंद वर्मा,विधायक दुर्ग ग्रामीण श्री ललित चंद्राकर जी कि सहमति से एवं दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा की अनुशंसा पर की गई है।फत्तेलाल वर्मा ने कहा कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्त्ता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दिया है उसको पूरे ईमानदारी के साथ निभाऊंगा। भाजपा उतई मंडल का जताया आभार। ग्राम खोपली में हर्ष कि लहर हैं खुशियां मनाने वालो में प्रमुख रूप से जिला मंत्री रोहित साहू,मंडल महामंत्री सोनू राजपूत, पुकेश चंद्राकर, भाजयुमों अध्यक्ष प्रवीण यदु,किसान मोर्चा अध्यक्ष फलेंद्र सिंह राजपूत, महिला मोर्चा अध्यक्ष शीतला ठाकुर अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष देवेंद्र भारती, अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष योगेश ठाकुर,अन्य पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष पार्षद सतीश चंद्राकर,अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष नवाब खान,नगर भाजपा अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण साहू,किसान मोर्चा के जिला महामंत्री अजीत चंद्राकर, मनोज चंद्राकर,रूपेश पारख,चंदू देवांगन,आशीष साहू,डिलेश साहू,करण सेन,नरेंद्र साहू,नीलम गढ़े, तुलुराम साहू,कांति साहू,वैभव देवांगन,हरीश यादव, चंदू चेलक,चंद्रशेखर बंजारे, लेखुदास साहू,टीकाराम साहू,विजय यादव,खेमू देवांगन,लुकेश देवांगन, पोषण देवांगन,जितेंद साहू,शत्रुहन साहू,गजेंद्र साहू,चिंटू सिन्हा,संतोष साहू,सुभम वर्मा,रामकांत चंद्राकर,जगन्नाथ यादव,किसून चंद्राकर,दुष्यंत सपहा,रमेश साहू,घनश्याम चंद्राकर,राजू लाल साहू,अरुण चंद्राकर,थनेश साहू,पवन चंद्राकर,तोपशिह कोसरीया,अखिलेश चंद्राकर,सागर वर्मा,जितेन्द्र चंद्राकर,संतोष कौशिक,नंदकुमार सेन,मोहन पटेल,दिनेश देशलहरे,पुरण देशालहरे,भागचंद देशालहरे,लक्ष्मी बंजारे,बाबूलाल सपहा,बिन्दा सपहा,मंशा भारती टुमन चंद्राकर,करन देशमुख,दीपक साहू,दीपक सेन,भूपेंद्र साहू,चंदन ढहरिया,दीपक वर्मा,गौतम निर्मलकर,प्रमोद काकड़े,चंदन डहरिया,उर्वशी देशलहरे,हर्षा देशलहरे,डिकेश वर्मा,योगेश साहू,प्रमुख रूप से रहें।

कवर्धा में राजस्व शाखा आफिस में दिखी बेहतर स्वच्छता

कवर्धा, 7 अक्टूबर। बाबू प्रदीप ठाकुर ने स्वच्छता पर चर्चा करते हुए कहा की स्वच्छता बेहतर होगी तो तन और मन स्वस्थ रहेगा । नगर पालिका अध्यक्ष और सीएमओ के मार्गदर्शन में कर्मचारी साफ सफ़ाई के प्रति गंभीर है । सुबह से नगर पालिका के स्टाफ प्रत्येक वार्ड में सुबह सुबह सफाई की जाती है । बाबू प्रदीप ने लोगो से विनम्र अपील है घर का कचड़ा नाली में ना डाले लेकिन डस्ट बिन में अवश्य डाले । राजस्व शाखा में सुबह से ही अधिकारी स्टाफ वर्क करते दिखे ।

लूतरा शरीफ का सालाना उर्स 20 से, डीजे साउंड पर रहेगा प्रतिबंध

भिलाई, 7 अक्टूबर। शहंशाहे छत्तीसगढ़ के नाम से मशहूर सूफी-संत हुजूर बाबा सैय्यद इंसान अली शाह रहमतुल्लाह अलैह लुतरा शरीफ के लिए वक्फ बोर्ड द्वारा गठित इंतेजामिया कमेटी 6 दिवसीय सालाना उर्स की तैयारियों में जुटी हुई है। कमेटी के सदर इरशाद अली ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी हजरत बाबा सैय्यद इंसान अली शाह के 6 दिवसीय 66 वां सालाना उर्स पाक आगामी 20 से 25 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। अली ने जानकारी दी कि सालाना उर्स का आगाज़ 20 अक्टूबर की सुबह 11 बजे परचम कुशाई मटका पार्टी पप्पू नौशाही, कामठी नागपुर के साथ किया जाएगा। पहले दिन रात 9:00 बजे नात मनकबत तकरीर कारी अल्हाज हसन अशरफी व हाफिज मोहम्मद इजरायल मुदर्रिश दारुल उलूम फैजाने इंसान अली शाह के द्वारा कलामें पाक की तिलावत के साथ प्रोग्राम की शुरुआत करेंगे। इसके पहले दोपहर 3 बजे दरगाह से शाही संदल चादर निकाली जाएगी जिसे दादी अम्मा की दरगाह खम्हारिया में चढ़ाई जाएगी। उर्स के दूसरे दिन 21 अक्टूबर को दोपहर 12:40 बजे मजार ए पाक का गुस्ल, सलातो सलाम व शिजरा खानी होगी। शाम 3 बजे पुराने दरबार में संदल चादर व महफिले समा के साथ ही दरबारी कव्वाल यासीन शोला व उनके साथी सूफियाना कलाम पेश करेंगे। रात 9 बजे तकरीर का अजीमुशशान जलसा रखा गया है जिसमें किछौछा शरीफ (उप्र) से आए धर्म गुरु सैय्यद राशिद मक्की मियां साहब व कटिहार बिहार के मुफ्ती मोइनुद्दीन चतुर्वेदी साहब तकरीर करेंगे। उर्स के तीसरे दिन 22 अक्टूबर को दिल्ली के कव्वाल चांद अफजाल कादरी अपना कलाम पेश करेंगे। 23 को आल इंडिया नातियां मुशायरा कार्यक्रम रात 9 बजे किया जाएगा जिसमें जेरे सदारत फरजंदे गौसे आजम शहजादे शिमना हजरत अल्लामा वा मौलाना सैयद राशिद मक्की मियां साहब क़िब्ला किछौछा शरीफ की सदारत में जेरे नकाबत कफिल अंबर साहब कलकत्तवी, शायरे इस्लाम जैनुल आबदीन कानपुरी, नायाब व मंजर कलकत्तवी,गुलाम नूर ए मुजस्सम उन्नावी और अहमदुल फ़त्ताह फैजाबादी अपने-अपने अंदाज में खूबसूरत शायरी प्रस्तुत करेंगे।

कुम्हारी टोल नाका हटाने की मांग लोगों ने सांसद से की

भिलाई, 7 अक्टूबर। जनहित संघर्ष समिति के संयोजक शारदा गुप्ता के नेतृत्व में कुम्हारी टोल नाका हटाने सांसद से पहल करने मांग की है। संयोजक शारदा गुप्ता ने कहा कि कुम्हारी टोल नाका के कारण लोगों को कई बार 15 से 20 मिनट तक इंतजार करना पड़ता है देश के बहुमूल्य डीजल पेट्रोल का व्यर्थ में फूंका जाता है लोगों की बहुमूल्य समय जो परीक्षा देना जा रहे है नौकरी पेशा हॉस्पिटल जाना हो उन सब को भारी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। शाम को अक्सर बहुत जाम रहता है। टोल नाका यहां से तत्काल हटाया जाना चाहिए जिससे लोगों को सुगम यातायात व्यवस्था प्रदान हो सके। टोल नाका से वसूली के पैसे का कहां उपयोग किया जा रहा है भिलाई से लेकर रायपुर तक रोड की स्थिति बद से बदतर है। लोग हिचकोले खा रहे हैं। बेकसूर लोगों की इस जानलेवा सड़क से जान जा रही है। जगह-जगह गड्ढे बने हुए हैं। इसकी डामरीकरण नहीं हो पा रही है। जगह-जगह अमानक ब्रेकर बने हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री आवास भिलाई-3 सिरसा कला गेट के सामने स्पीड ब्रेकर और सिग्नल से गुजरने में भी 15 मिनट समय लग रहा है। रायपुर आना-जाना दूभर हो चुका है। कई बार शिकायत करने के बाद भी निवारण नहीं हो रहा है। इसी सड़क से रोज मंत्री से लेकर मुख्यमंत्री खुद आवागमन करते हैं। मगर उनके लिए आम जनमानस को रोककर रास्ता प्रदान कर दिया जाता है। आम जनमानस को होने वाली परेशानियों की कौन सुनेगा। आखिर असहाय जनता कहां किसके दरबार जाएँ । जनहित संघर्ष समिति के संयोजक शारदा गुप्ता ने सांसद से मिलकर निवेदन किया है कि टोल नाका को शीघ्र हटाया जाए। परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि 60 किलोमीटर के अंतर्गत केवल एक टोल प्लाजा होना चाहिए यहां 60 किलोमीटर के अंतर्गत तीन टोल प्लाजा अवैध रूप से निर्मित है टोल नाका में आवागमन में भारी तकलीफ का सामना से आमजन मानस में भारी आक्रोश व्याप्त है।

कवर्धा। कबीर चौक दुर्गोत्सव समिति नयापारा कुटेली

एक नजर

कलेक्टर ने की अपील, मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए श्रध्दालु जल्दबाजी न करें

राजनांदगांव 7 अक्टूबर। श्रद्धा एवं आस्था के केंद्र डोंगरगढ़ माँ बम्लेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिए दूरदराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पदयात्री पहुंच रहे हैं। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तजनों से आग्रह किया है कि उपवास, पैदल चलने एवं भीड़ के कारण घबराहट और बैचेनी हो सकती है। श्रद्धालु दर्शन के लिए जल्दबाजी न करें। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। बुजुर्ग, बच्चों, माताओं एवं दिव्यांगजनों को दिक्कत हो सकती है, उनका ध्यान रखते हुए सभी अपनी बारी आने पर दर्शन करें। भीड़ की अधिकता को देखते हुए उन्होंने श्रद्धालुओं से यह अपील की है कि भीड़ में बुजुर्ग, बच्चों, माताओं एवं दिव्यांगजनों को पहले जाने का अवसर दें और भीड़ अधिक होने के कारण व्यवस्था बनाए रखने में सभी सहयोग करें। श्रद्धालुओं एवं पदयात्रियों की सुविधा, स्वास्थ्य एवं विश्राम के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध किया है कि व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी सहयोग करें।

मुख्यमंत्री ने ई बाल तकनीक को सराहा

धमतरी 7 अक्टूबर। धमतरी में जल-जगार महा उत्सव के दौरान आयोजित अंतरास्ट्रीय जल सम्मेलन में छत्तीसगढ़ में बने जल शुद्धिकरण की जैविक तकनीक ई-बाल को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सराहा। उन्होंने जल शुद्धिकरण की इस अभिनव तकनीक को आज की आवश्यकता बताया। साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आये विदेशी जल विशेषज्ञों को खूब पसंद आया, उन्होंने इस तकनीक को बारीकी से समझा और इस पर काम करने में दिलचस्पी दिखाई। जल जगार महोत्सव में पानी शुद्धिकरण की इस तकनीक का जीवंत प्रदर्शन महोत्सव स्थल पर किया गया था जहां पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं अतिथियों ने भी इस तकनीक को समझा और सराहा। ई-बाल बैक्टीरिया और फंगस का मिश्रण है जिसे लाभदायक सूक्ष्मजीवों के द्वारा कैलिशयम कार्बोनेट के कैरियर के माध्यम से जैव-प्रौद्योगिकी वैज्ञानिक डॉ प्रशान्त कुमार शर्मा के द्वारा 13 वर्षों के अनुसंधान के बाद बनाया गया है। ई-बाल 4.0 से 9.5 पीएच और 10 से 45 डिग्री सेल्सियस तापमान पर सक्रिय होकर काम करता है। ई-बाल में मौजूद लाभदायक सूक्ष्मजीव नाली या तालाब के प्रदूषित पानी में जाते ही वहां उपलब्ध ऑर्गेनिक अवशिष्ट से पोषण लेना चालू कर अपनी संख्या में तेजी से वृद्धि करते है तथा पानी को साफ करने लगते है। एक ई-बाल करीब 100 से 150 मीटर लंबी नाली को साफ कर देती है औसतन एक एकड़ तालाब के जल सुधार के लिए 800 ई-बाल की आवश्यकता होती है। खास बात यह है कि ई-बाल के प्रयोग से पानी मे रह रहे जलीय जीवों पर इसका कोई भी साइड इफेक्ट नही होता है, इसके प्रयोग से पानी के पीएच मान, टीडीएस और बीओडी स्तर में तेजी से सुधार होता है।

जल ओलंपिक में प्रदेश के विभिन्न जगहों से पहुंचे प्रतिभागी और लोग

धमतरी 7 अक्टूबर। धमतरी के रविशंकर जलाशय गंगरेल में आयोजित दो दिवसीय जल जगार महा उत्सव के दूसरे दिन आज रायपुर सहित प्रदेश के अन्य जिलों से प्रतिभागी और लोग पहुँचे। इस दौरान सबमें जल ओलंपिक को लेकर भारी उत्साह देखने को मिला। यहाँ पहुँचे लोगों ने कयाकिंग, स्वीमिंग, बनाना राईड, फ्री स्टाईल स्वीमिंग, फ्लैग् रैस, थ्रो रो, रिवर क्रॉसिंग आदि का भरपूर आनंद लिया। इस अवसर पर रायपुर के श्री संजय बच्चानी, श्री अमित गोयल, श्री राकेश ने धमतरी में जल संरक्षण के लिए की गयी पहल विशेषकर सामुदायिक सहभागिता से किए गए प्रयास और उसके परिणाम को खूब सराहा। प्रतिभागियों का मानना है कि यह केवल शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है कि जल संरक्षण के लिए जागरूक हों और पानी की हर बूँद को बचाने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि गिरते भूजल स्तर, पेड़ों की कटाई, सॉइल इरोशन सब विषयों पर चिंता करते हुये भविष्य के लिए जल और पर्यावरण संरक्षण हेतु वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनायें, पौधारोपण की दिशा में काम करना चाहिए। यहाँ जल ओलंपिक में बिलासपुर से आए श्री वेदांत वर्मा ने बताया कि तैराकी उनका शौक है, इसलिए जल ओलंपिक में वे हिस्सा ले रहे साथ ही यह भी जानते और मानते हैं कि जल संरक्षण के लिए सभी को आगे आना चाहिए, क्योंकि जल है तो कल है।

कोटक म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया कोटक एमएनसी फंड

रायपुर 7 अक्टूबर। अगर आप म्यूचुअल फंड की किसी नई और इनोवेटिव थीम वाली स्कीम में निवेश करना चाहते हैं, तो आपके पास अच्छा मौका है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने मल्टीनेशनल कंपनीज थीम पर आधारित अपना न्यू फंड ऑफर लॉन्च किया है। यह नई स्कीम कोटक एमएनसी फंड के नाम से लॉन्च की गई है, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है। इस फंड के जरिए निवेशकों को ग्लोबल लेवल पर पहुंच वाली मल्टीनेशनल कंपनियों में एक्सपोजर मिलेगा। पोर्टफोलियो में अलग अलग सेक्टर और अलग अलग मार्केट कैप की मजबूत मल्टीनेशनल कंपनियों के स्टॉक होंगे, जिससे डाइवर्सिफिकेशन का भी लाभ मिलेगा। कोटक एमएनसी फंड सब्सक्रिप्शन के लिए 7अक्टूबर, 2024को खुल रही है और इसमें 21अक्टूबर, 2024 तक निवेश किया जा सकता है।

निधन

कुमारी बाई ताम्रकार

डोंगरगढ़। अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी माता श्रीमती कुमारी बाई ताम्रकार निवासी लाल बहादुर नगर पाथरी का रविवार दिनांक 6 अक्टूबर को निधन हो गया है जिनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम लाल बहादुर नगर मुक्धिाम में हुआ।

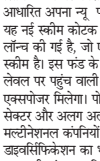

नगर निगम सेवा पंडाल में पदयात्रियों की अपार भीड़

आयुक्त सहित अधिकारी कर्मचारी एवं ठेकेदार कर रहे पदयात्रियों की सेवा

पदयात्रियों ने कहा शासकीय सेवा पंडाल में बहुत अच्छी व्यवस्था

राजनांदगांव 7 अक्टूबर। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ जाने वाले दर्शनार्थियों/पद यात्रियों की सुविधा के लिये महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल के पास नगर निगम द्वारा सेवा पंडाल लगाया गया है। सेवा पंडाल में माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिये डोंगरगढ़ जाने वाले पदयात्री बड़ी संख्या मे पहुँच सेवा का लाभ ले रहे है। पण्डाल में निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता सहित निगम के अधिकारी कर्मचारी एवं ठेकेदार पदयात्रियों की सेवा कर रहे है। सेवा पाकर पदयात्री मिल रही सुविधा से खुश होकर सराहना कर रहे है।

दूर दराज से माँ बम्लेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिये पहुचने वाले पदयात्री सेवा पण्डाल की व्यवस्था का लाभ लेकर सराहना करते हुये अपनी राय दे रहे है कि शासकीय पण्डाल में 24 घण्टे खाने पीने की व्यवस्था के साथ साथ चिकित्सीय सेवा का भी लाभ मिल रहा है, यह बहुत अच्छा कार्य है, क्योकि निजी सेवा पण्डालों में विभिन्न समाजिक संस्था के लोग सेवा करते है, किन्तु शासकीय कार्यो के साथ साथ 9 दिन अधिकारी कर्मचारी समय निकालकर पदयात्रियों की सेवा करना बहुत बडी बात है।

सेवा पण्डाल के संबंध में निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता ने बताया कि शारदीय नवरात्रि में माँ बम्लेश्वरी मंदिर में दर्शन के लिये प्रदेश भर से लाखों की तादात में दर्शनार्थी डोंगरगढ़ जाते है, जिनमें हजारों दर्शनार्थी पद यात्रा करते है, जो आस पास के शहर के अलावा दूर दराज के शहरों से भी आते है। उन्होने कहा कि पदयात्रियों की सुविधा के लिये महारानी लक्ष्मी बाई स्कूल के पास नगर निगम द्वार सेवा पंडाल लगाया गया है। सेवा पंडाल में पद यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिये तीन पालियों में अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गयी है। निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ चिकित्सा सेवा के लिये मेडिकल स्टॉफ की भी ड्यूटी लगी है। आयुक्त श्री गुप्ता ने कहा कि सेवा पण्डाल में भारी तादात में पदयात्री पहुँच रहे है, जिनकी 24 घण्टा सेवा की जा रही है। पदयात्रियों के लिये नाश्ता, चाय एवं खाना की सुविधा उपलब्ध है। इसके अलावा उनके आराम करने के लिये बिस्तर तथा मोबाईल चार्जर की भी व्यवस्था की गयी है। साथ ही मेडिकल स्टॉफ के द्वारा उनकी स्वास्थ्य जाँच के साथ साथ आवश्यक दवा तथा मलहम पट्टी की जा रही है। सेवा पण्डाल में निगम के अधिकारी कर्मचारी के साथ साथ ठेकेदार भी पदयात्रियों की सेवा कर रहे है।

दलेश्वर साहू के नेतृत्व में कांग्रेस ने किया धरना,प्रदर्शन

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगांव 7 अक्टूबर। विगत दिवस विधायक दलेश्वर साहू जी के निर्देशानुसार डोंगरगांव कांग्रेस ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन स्थानीय फौवारा चौक के सामने मुख्य मार्ग पर किया उक्त धरना प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य शहर के मध्य हो रहे सड़क निर्माण को शीघ्र पूर्ण करवाने को लेकर था विदित हो की विधायक दलेश्वर साहू के इस ड्रीम प्रोजेक्ट का काम बीजेपी की सरकार आते ही थम सा गया इस मार्ग को लेकर विधायक द्वारा लगातार अधिकारियों से चर्चा भी होती रही और इसी विषय को लेकर विधानसभा में प्रश्न भी उठाया गया था किंतु लोक निर्माण विभाग की लापरवाही के चलते ये निर्माण कार्य अपनी निर्धारित अवधि में भी पूरी नही हो सकी है ,इस अधूरे कार्य की वजह से सड़क किनारे रह रहे लोग स्थानीय व्यापारी गण आने जाने वाले लोग धूल और गड्ढों से लगातार परेशान हो रहे थे यहां ध्यान देने की बात ये भी है की इस अधूरे निर्माण की वजह से अनेक लोग दुर्घटना ग्रस्त हो चुके हैं और कई लोगों की इस वजह से मृत्यु भी हो चुकी है ,प्रशासन के इस ढुल मूल रवैए से त्रस्त जनता के हित के लिए विधायक जी के निर्देश पर धरना प्रदर्शन आहूत की गई,उक्त धरना प्रदर्शन में विधायक दलेश्वर साहू ने लोकनिर्माण के अधिकारियों को स्पष्ट रूप से समझाया देते हुए कहा कि अगर आप लोगों ने स्टीमेट से कोई छेड़छाड़ की तो ये बर्दास्त नही किया जाएगा और अब अगर लापरवाही से काम करोगे तो हम इसका कड़ा जवाब देंगे और इसका खामियाजा आप लोगो भुगतना पड़ेगा ,इस धरना प्रदर्शन स्थल से थोड़ी दूर एसडीओ लोकनिर्माण विभाग स्थानीय तहसील दार थाना प्रभारी इंजीनियर और ठेकेदार मौजूद रहे उनसे विधायक जी लिखित में जवाब मांगा की आप 7 दिनों के भीतर धूल मुक्त सड़क करें और शीघ्र सड़क के काम को पूर्ण करे अन्यथा हमारे सभी कांग्रेसी साथी इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे जिसके जिम्मेदार आप होंगे ,कार्यक्रम के पश्चात एसडीएम डोंगर गांव को विज्ञप्ति दी गई।

सिद्धिविनायक अंबेधाम में नवरात्रि की धूम

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 7 अक्टूबर। शहर के जनता कॉलोनी वार्ड क्रमांक 31 लखोली में सिध्दीविनायक अंबे धाम में आश्विन नवरात्रि पर्व की धूम मची हुई है। यहां समिति द्वारा पहले ही दिन से विविध रचनात्मक कार्यक्रम किया जा रहे हैं। मंदिरसमिति के संरक्षक व वार्ड पार्षद गप्पू सोनकर ने कहा कि प्रथम पूज्य गणेश शिव शक्ति इन तीनों का वास इस मंदिर में है। जो भी भक्त इस मंदिर में सच्चे मन से मनोकामना करते हैं। उनकी सारी मनोकामना पूर्ण होती है । इस बार मंदिर को अत्यंत आकर्षक ढंग से सजाया गया है। जिससे शहर के काफी दूर से लोग मंदिर के सौंदर्य को निहारते हैं। प्रतिदिन सुबह शाम मंत्रोच्चार से नियमित पूजा पाठ की जा रही है। मंत्रोच्चार के साथ आरती भी ब्राह्मण पंडितों द्वारा सामूहिक रूप से भक्तों के साथ की जा रही है। इस अवसर पर जस सेवा मंडलियों द्वारा भक्ति मय प्रस्तुति देर रात तक दी जा रही है। रोज व्रत उपवास रखने वालों के लिए फलाहार का वितरण किया जा रहा है। साथ ही मंदिर समिति के द्वारा सुबह शाम श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद का वितरण किया जाता है। उल्लेखनीय है कि नवरात्रि पर्व में पंचमी तिथि का विशेष महत्व होता है। और श्रद्धालु की भीड़ बढ़ती है। इसे ध्यान में रखते हुए मंदिर समिति ने विशेष व्यवस्था की है। पंचमी पर स्थापित प्रतिमाओं का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। साथ ही मंदिर समिति एवं श्रद्धालुओं द्वारा स्थापित सभी 58 मनोकामना ज्योति कलशो का श्रृंगार किया जाएगा। सभी ज्योति कलशो में और कलश चढ़ाई जाएंगे। मंदिर समिति ने क्षेत्र वासियों से और अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ उठाने की अपील की है। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष संजय सरोदे संरक्षक व पार्षद गप्पू सोनकर, सचिव मोहन सिंह राजपूत संरक्षणगण, महेश अग्रवाल, राजेंद्र लड्ढा, टी आर ठाकुर, राजेंद्र श्रीरंगे, मोहन सिंग राजपूत, नवीन जैन, दीपक जैन, अलोक श्रीवास्तव, तिलाराम ठाकुर, किशोरी पारख, मन्नू शुक्ला, ज्ञनक राजपूत, राकेश सरोदे, निक्कू पाण्डेय, गवरव सोनकर, सोनू सोनकर, उमेलाल सोनकर, हरिश श्रीरंगे, दिनेश साहू, बृजेश श्यामकर और उमेलाल सोनकर, शिव शंकर राठी समिति के पदाधिकारी सदस्य गण सहित समस्त वार्डवासी के लोग उपस्थित हैं।

जल जगार में जल सभा आयोजित

धमतरी 7 अक्टूबर। लोगों को जल से जोड़ने एवं सामुदायिक सहभागिता के उद्देश्य गंगरेल जहां दो दिवसीय जल जगार महा उत्सव मनाया जा रहा है । वहाँ समुदाय का हर वर्ग इसका अंग बने यह भी कोशिश है । इसी कोशिश का एक हिस्सा है जल सभा। धमतरी शहर से लगभग 14 किलोमीटर की दूरी पर गंगरेल में स्थित रविशंकर जलाशय गंगरेल में जल(डैम) के निकट जल सभा का भी आयोजन हो रहा है । कल भी जल सभा का आयोजन गंगरेल रेस्ट हाउस के परिसर में किया गया ।इसमें स्कूली बच्चों ने बढ़चढ़कर सहभागिता निभाई थी । जब शाम के वक्त प्रदेश के मुखिया श्री विष्णु देव साय पहुँचे तब बच्चों ने जीवंत ग्राम सभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने ग्राम सभा में आयोजित होने वाली विभिन्न कार्यवाही के साथ विभिन्न मुद्दों एवं जल संरक्षण के लिए पारित संकल्पों से अवगत कराया। यह भी बताया कि ग्राम सभा में गाँव में पेयजल और स्वच्छता समिति गठित की गई है और जल वाहिनी दीदियाँ नियुक्त की गयी हैं, जो जल और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और सुझावों से अवगत कराती हैं। उनके गाँव में गंदे पानी के उपचार के लिए भी कार्रवाही होती है । फ्लोराइडयुक्त पानी वाले हैंडपंप को लाल और आयरन अधिकता वाले हैंडपंप को काले रंग से चिह्नित किया गया है । ग्राम सभा अध्यक्ष जोकि कक्षा बारहवीं की छात्रा फाल्गुनी साहू बनी थीं , उन्होंने बताया ग्राम सभा में नल मरम्मत का कार्य, स्वच्छता गाड़ी की व्यवस्था, तालाब गहरीकरण एवं वर्षा जल संचयन के लिए संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव पारित किया गया है।

अमलीडीह जनपद पति पर लगाया गया आरोप निराधार पाया गया

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगांव 7 अक्टूबर। डोंगरगांव जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमलीडीह पंचायत इन दिनों काफी चर्चा मे है जँहा ग्राम पंचायत अमलीडीह के वार्ड क्रमांक 07 के पंच श्रीमती गीतांजली यादव पति टीकाराम यादव वार्ड क्रमांक 08 के पंच, श्रीमती चन्द्रकली साहू पति भुनेश्वर साहू, वार्ड क्रमांक 10 के पंच श्रीमती नीतू साहू पति हीरा लाल साहू एवं अन्य 02 शिकायतकर्ता द्वारा लिखित शिकायत के द्वारा माननीय अनुविभागीय दण्डाधिकारी - डोंगरगांव के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि स्थानीय जनपद सदस्य श्रीमती चन्द्रिका सोनकर के पति रोहित सोनकर द्वारा आरी धरसा से शमशान घाट रोड मुरमीकरण का कार्य मनमाने तरीके से मशीन का उपयोग कर कार्य स्टीमेंट के हिसाब से नही हुआ है के साथ साथ मुरूम 08 इंच के बजाय 04 इच डाला गया है कार्य बिना पंचायत पदाधिकारियों को जानकारी देकर या सहमति लेकर नही कराया गया है। जनपद पंचायत सदस्य का पति नेतागिरी का धौस देकर ठेकादारी का कार्य करने के साथ निम्नलिखित बिन्दुओ मे जांच कर उचित कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध मे शिकायत पत्र के अनुसार निम्नांकित बिंदु निर्धारित कर जांच करवाया गया। जनपद सदस्य श्रीमती चन्द्रिका सोनकर के पति रोहित सोनकर द्वारा राजनैतिक पद का दुरूपयोग कर जनपद विकास निधि% के स्वीकृत कार्य को स्वयं करना । 2. मुरमीकरण का कार्य मशीन से कराया जाना मजदूरो को कार्य पर नियोजित नही करना । 3. कार्य स्टीमेंट के हिसाब से नही कराया जा कर निर्धारित गुणवत्ता का पालन नहीं करना । 08 इंच के बजाय 04 इच की मोटाई में मुरूम डालना । 4. सड़क मरम्मत - मुरमीकरण का कार्य बिना पंचायत पदाधिकारियों सरपंच,सचिव को जानकारी दिये कराया जाना। जैसे अन्य शिकायतो को लेकर शिकायत की गयी थी जिसकी जाँच जनपद पंचायत द्वारा नियुक्त जांच दल द्वारा की गई। दिनांक 20/ 08/2024 के परिपालन में विषयांकित शिकायत की जांच जनपद पंचायत द्वारा नियुक्त जांच दल द्वारा किया गया शिकायत के संबंध में शिकायतकर्ताओं के बयान, मुरमीकरण कार्य के सम्बन्ध में जनपद पंचायत के फाईल , ग्राम पंचायत के अभिलेखों की जांच के आधार पर बिंदुवार एवं तकनीकी जांचकर्ता श्रीमती दीपा गोरखेड़े उपअभियंता ,वीरेन्द्र तिवारी सहायक आ. ले. परी .करा आधि ,व देवेन्द्र उईके सहायक वि.वि. अधिकारी द्वारा निम्नानुसार जांच कर वस्तु स्थिति पाया गया जनपद सदस्य श्रीमती चन्द्रिका सोनकर के पति रोहित राजनैतिक पद का दुरूपयोग कर जनपद विकास निधि के स्वीकृत कार्य को स्वयं रोहित सोनकर द्वारा पदीय है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने माता बम्लेश्वरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

डोंगरगढ़ 7 अक्टूबर। प्रदेष भाजपा के पूर्व षिक्षा मंत्री संसदीय क्षेत्र रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल अपने परिवार सहित डोंगरगढ़ पहुचकर माता बम्लेश्वरी उपर मंदिर एवं नीचे मंदिर पहुचकर विधि विधान से पूजा अर्चना कर आषीर्वाद लिया एवं छग प्रदेष की खुषहाली की कामना की। डोंगरगढ़ पहुचे भाजपा के कदावर नेता श्री अग्रवाल का ट्रस्ट समिति के पदाधिकारी सहित स्थानीय भाजपा नेताओं ने उनका स्वागत कर अगुवाई की। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर ने भी माता के दर्षन कर आषीर्वाद लिया। उक्त दर्षन कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल गट्टानी, प्रकाष बिंदल, संजीव गोमासता, भाजपा के वरिश्ठ नेता हरविंदर सिंग मंगे, विजेन्द्र सिंग ठाकुर, संतुराव अन्ना, प्रिंस ककड़, गिरिष साहू, मयंक डोंगरे, केषव नरेडी, अंष नरेडी, दुर्गा राव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने जिला साहू संघ के अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रयास को जमकर सराहा

राष्ट्र के विकास में साहू समाज का बहुत बड़ा योगदान:कलेक्टर

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजनांदगांव 7 अक्टूबर। शनिवार को शहर के साहू सदन में आयोजित निशुल्क रोजगार मेला को बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला है। इस अवसर पर खास तौर से उपस्थित जिलाधीश संजय अग्रवाल ने साहू समाज की संगठनात्मक एवं रचनात्मक गतिविधियों का जिक्र करते हुए राष्ट्र के विकास में समाज के योगदान की जमकर प्रशंसा की।

यहां साहू समाज 1936 से संगठित हुआ है। तब से विविध रचनात्मक कार्यक्रम करते आ रहा है और यह समाज को मजबूती प्रदान करने के साथ होता रहा है। ना सिर्फ राजनांदगांव जिले में अपितु सभी तरफ राष्ट्र के विकास में समाज की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन के समय से लेकर अब तक के योगदान का जिक्र किया। साहू सदन में जिला संघ के अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित निशुल्क रोजगार मेला को ना सिर्फ साहू समाज बल्कि सभी समाज के योग्यता रखने वाले बेरोजगारों को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए प्रशंसा की। इस रोजगार मेले में 1233 से अधिक बेरोजगारों का इस जिले सहित दूसरे क्षेत्रों से आना तथा बड़ी संख्या में देश-विदेश से 70 कंपनियों की भागीदारी मायने रखती है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि कंपनियों ने रोजगार के लिए जो शिक्षा मापदंड निर्धारित की है और जो इस मापदंड में खरे उतरे हैं। उनकी शॉर्ट लिस्ट तैयार पर उन्होंने अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि समाज और राष्ट्र के विकास में अन्य समाजों को भी इस तरह के आयोजन करने चाहिए। वहीं जिला साहू संघ के अध्यक्ष भागवत साहू ने कहा कि अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ सहित समाज के विभिन्न प्रकोष्ठों द्वारा समय-समय पर रचनात्मक आयोजन किए जाते रहे हैं। कुछ दिनों पहले समाज की ओर से कृषि को बढ़ावा देने के लिए भी यादगार किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। जिसमें बड़ी संख्या में प्रगतिशील कृषक एवं वैज्ञानिक अपना बहुमूल्य समय दिया था। आज के इस निशुल्क रोजगार मेले में रोजगार प्राप्त करने के 1233 इच्छुक लोगों का पंजीयन किया जा चुका है।इनमे से 285 युवक युवतियों को कलेक्टर के हाथो तत्काल नियुक्ति पत्र दिया गया। साथ ही इस मेले में रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 31 कंपनियों ने अवलोकन किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस मेले से बड़ी संख्या में बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध हो जाएगा जिससे कई परिवारों का जीवन स्तर ऊंचा उठ सकेगा। कार्यक्रम का संचालन जिला सलाहकार परदेशी राम साहू एवं संगठन सचिव लविंद्र साव ने किया। इस अवसर पर जिला साहू संघ के अध्यक्ष भागवत साहू, महामंत्री नीलमणि साहू, संरक्षक डॉ. नीरेन्द्र साहू, कमल किशोर साहू, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र साहू, नीरा साहू, संगठन सचिव चंदन साहू, तहसील अध्यक्ष अंजू साहू, तुलदास साहू, नगर अध्यक्ष कुलेश्वर साहू, अधिकारी कर्मचारी प्रकोष्ठ संयोजक यशवंत साहू, सचिव मिलनसाहू, संगठन सचिव माधव साहू, संभागीय सचिव रूपेश साहू, पूर्व जिला संयोजक जयंत साहू, प्रदेश सह संयोजक परदेशी राम साहू ,जिला सह संयोजक छबू लाल साहू, नरेन्द्र साहू,तिजेंद्र साहू, आदि उपस्थित थे ।

समाचार संक्षेप

24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

राजनांदगांव 7 अक्टूबर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024 के समापन समारोह का आयोजन आज अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में हुआ। प्रतियोगिता में मेजबान दुर्ग संभाग ने बॉस्केटबॉल, हॉकी के साथ ही शंतरंज, तैराकी, वाटर पोलो एवं बेशबॉल में पदक जीत कर ओवर ऑल चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद श्री संतोष पाण्डेय उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष छुरिया श्री रविन्द्र वैष्णव, श्री राजेन्द्र गोलछा, श्री लीलाधर साहू उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री शिव वर्मा, श्री आलोक श्रोती, श्री राजेश यादव, कलेक्टर एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री संजय अग्रवाल, आयोजन के संगठन सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रवास कुमार सिंह बघेल, एसडीएम राजनांदगांव श्री अतुल विश्वकर्मा, सहायक संचालक शिक्षा श्री आदित्य खरे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, प्रतिभागी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। सांसद श्री संतोष पाण्डेय ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ऐसे समय अपने खेल का प्रदर्शन कर रहे है, जब शक्ति का पर्व चल रहा है और आपने भी पूरी शक्ति लगाकर अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार भी शिक्षा के साथ ही खेल के प्रति गंभीर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी खेल व खिलाडियों के प्रति हमेशा सजग रहते है। खिलाडियों से चर्चा करते है और उनके साथ हमेशा खेलों के विकास के लिए भी सुझाव मांगते है। प्रधानमंत्री खिलाडियों का हौसला बढ़ाते रहते है, जिससे देश खेल क्षेत्र में भी पदक विजेता बनते जा रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू ने कहा कि खिलाड़ी को थकना, रूकना व झुकना नहीं चाहिए। खिलाड़ी को हमेशा अनुशासन में रहकर शिक्षा के साथ खेल में भी हिस्सा लेना चाहिए, जिससे उनका उत्साह दुगना हो सके। उन्होंने कहा कि मैं भी एक खिलाड़ी रही हूं और आज निरंतर आगे बढ़ रही हूं। यह खेल के अनुशासन से ही सीखा है। आप भी समी निरंतर उन्नति करें, अच्छी शिक्षा ग्रहण करें और अच्छा खेलें।

गंज लाइन में बनेगा अहिंसा प्रवेश द्वार

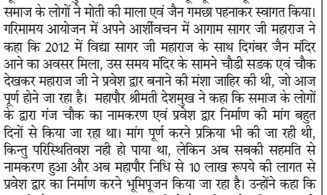

राजनांदगांव 7 अक्टूबर। नगर निगम द्वारा शहर के चौक चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है, इसी कड़ी में गंज लाईन में भव्य अहिंसा प्रवेश द्वार का निर्माण किया जाना है। प्रवेश द्वार निर्माण के लिये आज समाज द्वारा आयोजित गरिमामय आयोजन में महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में जैन मुनियों सर्वश्री आगम सागर जी महाराज, पुनित सागर जी महाराज एवं धैर्य सागर जी महाराज के सानिध्य में मंत्रोच्चारण के साथ पूजा अर्चनाकर भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर छग. बीस सूत्रीय क्रियान्वयन समिति के पूर्व उपाध्यक्ष श्री खूबचंद पारख, दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष श्री अशोक झाझरी, सकल जैन संघ के अध्यक्ष श्री मनोज बैद, नेता प्रतिपक्ष श्री किशुन यदु, महापौर परिषद के प्रभारी सदस्यगण सर्वश्री मधुकर वंजारी, संतोष पिल्ले, गणेश पवार व अमीन हुदा, वरिष्ठ पार्षद श्री कुलबीर छाबड़ा, पार्षद श्री राजेश जैन रानू,समाज के सचिव श्री रविकांत जैन, पूर्व अध्यक्ष पी.सी. जैन के अलावा समाज के वरिष्ठ श्री डी.सी. जैन, श्री पदम कोठारी, श्री सूर्यकांत जैन प्रमुख रूप से उपस्थित थे। भूमिपूजन के पूर्व अतिथियों का समाज के लोगों ने मोती की माला एवं जैन गमछा पहनाकर स्वागत किया। गरिमामय आयोजन में अपने आशीर्वचन में आगम सागर जी महाराज ने कहा कि 2012 में विद्या सागर जी महाराज के साथ दिगंबर जैन मंदिर आने का अवसर मिला, उस समय मंदिर के सामने चौड़ी सड़क एवं चौक देखकर महाराज जी ने प्रवेश द्वार बनाने की मंशा जाहिर की थी, जो आज पूर्ण होने जा रहा है। महापौर श्रीमती देशमुख ने कहा कि समाज के लोगों के द्वारा गंज चौक का नामकरण एवं प्रवेश द्वार निर्माण की मांग बहुत दिनों से किया जा रहा था। मांग पूर्ण करने प्रक्रिया भी की जा रही थी, किन्तु परिस्थितिवश नही हो पाया था, लेकिन अब सबकी सहमति से नामकरण हुआ और अब महापौर निधि से 10 लाख रूपये की लागत से प्रवेश द्वार का निर्माण करने भूमिपूजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज मुनियों के सानिध्य में भूमिपूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

संपादकीय

ऐसे बड़े आपरेशन की जरूरत भी है

जब भी बड़े लक्ष्य तय किए जाते हैं तो उसे पाने के लिए भी बड़ी तैयारी की जाती है और बड़ी मेहनत की जाती है तब जाकर हर बार से बड़ी सफलता मिलती है। जब कोई संस्था बड़ी से बड़ी सफलता पाने लगती है तो इसका मतलब होता है कि लक्ष्य को पाने के लिए उसकी तैयारी सही है। जब तैयारी अच्छी होती है तो हर और बड़ा लक्ष्य पाना कोई मुश्किल काम नहीं होता है। अमित शाह ने राज्य सरकार को नक्सलियों के सफाए के लिए मार्च-25 तक का समय दिया है। सरकार के पास इस लक्ष्य को पाने के लिए समय कम बचा है और वह निरंतर कम होता जा रहा है। ऐसे में सरकार को इस लक्ष्य को पाने के लिए जो कदम उठाए जाने चाहिए। साथ सरकार निरंतर उठा रही है। उसने नक्सलियों से साफ कह दिया है कि उनको बचना है, समाज की मुख्य धारा में शामिल होना है तो जल्द से जल्द सरेंडर करना होगा। वह सरेंडर नहीं करेंगे तो जवानों के हाथों मारे जाएंगे। जवान सरकार जैसा चाहती है, वैसा बखूबी कर रहे हैं, सरकार चाहती है कि नक्सलियों में मारे जाने का गहरा खौफ होना चाहिए, उनमें मारे जाने का जितना गहरा खौफ होगा, वह उतनी ही जल्दी व उतनी ही बड़ी संख्या में सरेंडर करेंगे। नक्सलियों में खौफ के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है कि उनका हर आपरेशन में बड़ी संख्या में मारा जाना और छोटे-छोटे आपरेशनों का चलते रहना ताकि नक्सलियों को लगे कि सरकार उनके सफाए के लिए अडिग है वह उनको और सरकारों की तरह अब मौका नहीं देने वाली है। सरकार की नक्सलियों के सफाए की रणनीति की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 14 आपरेशन में 9 महीने के भीतर 200 नक्सली मारे जा चुके हैं। इसमें दस से ज्यादा नक्सली पांच बार मारे जा चुके हैं। इनमें चार अक्टूबर का आपरेशन अब तक का सबसे बड़ा आपरेशन माना जा रहा है। यह आपरेशन नारायणपुर-दंतेवाडा सीमा पर थुलथुली के जंगल में चलाया गया। जवानों के सूचना मिली थी कि तीस से चालीस नक्सली थुलथुली के जंगल में अस्थायी कैंप बनाकर हैं। इस पर कई घंटों की बैठक के बाद पूरा प्लान बनाकर नक्सलियों को घेरा गया और इसका परिणाम यह हुआ कि इस आपरेशन में अब तक 36 नक्सलियों के मारे जाने की खबरहै तथा 28 नक्सलियों के शव भी बरामद किए जा चुके हैं। जवान पहले भी थे, हौसला भी यही था लेकिन जवानों को ऐसी सफलता कभी नहीं मिलती थी तो इसलिए कि नक्सलियों के सफाए के लिए कभी गंभीरता से सोचा नहीं जाता था। कल्पना तक नहीं की जाती थी कि जवान कभी 36 नक्सलियों को एक साथ मार सकते हैं। यह कल्पना साकार हो रही है तो इसका श्रेय अमित शाह के साथ सीएम साय को भी जाता है। दस से ज्यादा नक्सलियों के मारे जाने वाले आपरेशनों को बड़ा आपरेशन माना जाए तो पिछले 9 महीने में ऐसे पांच आपरेशन चलाए जा चुके हैं। सबसे पहले 2 अप्रैल 24 को बीजापुर में जवानों ने 13 नक्सलियों को मार गिराया था। इसके 13 दिन बाद यानी 15 अप्रैल को जवानों ने कांकेर में 29 नक्सलियों को मार गिराया। इतने ज्यादा नक्सली इससे पहले राज्य में कभी नहीं मारे गए थे। 10 मई को बीजापुर में 12 नक्सली मारे गए थे, 17 जुलाई को छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर 12 नक्सली मारे गए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को अबूझमाड़ के जंगल में 28 नक्सली मारे गए हैं। इतने ज्यादा नक्सली इससे पहले कभी मारे नहीं गए थे। देखा जाए तो बड़े पांच आपरेशन में ही सौ से नक्सलियों को मारा जा चुका है। नक्सलियों में मारे जाने के लिए खौफ के लिए हर एक दो महीने में इसी तरह के आपरेशन जरूरी हैं। मारे जाने के खौफ के कारण ही नक्सली ज्यादा सरेंडर कर रहे हैं। माना जाता है कि जितने ज्यादा नक्सली मारे जाएंगे उतने ही ज्यादा नक्सली सरेंडर भी करेंगे। छत्तीसगढ़ से नक्सलियों के सफाए के लिए एक तरफ नक्सलियों का मारा जाना जरूरी है दूसरी तरफ उनका बड़ी संख्या में सरेंडर करना भी उतना ही जरूरी है। अमित शाह के नेतृत्व में साय सरकार यह काम बड़ी कुशलता से कर रही है इसके लिए उसकी जितनी सराहना की जा सकती है, जरूर की जानी चाहिए। विपक्ष जानता है कि यह सरकार की बड़ी सफलता है और ऐसी सफलता है जो अब तक किसी सरकार को नहीं मिली थी।

विदेश

तनवीर जाफरी

मध्य पूर्व में होता 'समुद्र-मंथन '

पूरा विश्व गोया इस समय बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। सामने से तो यही नजर आ रहा है कि एक तरफ कल तक सोवियत संघ के रूप में साथ रहने वाले दो देश रूस व यूक्रेन युद्धरत हैं तो दूसरी तरफ इस्राईल बनाम ईरान-लेबनान व हूती के बीच युद्ध चल रहा है। परन्तु दरअसल इन दोनों ही खूनी संघर्षों के पीछे उसी अमेरिका की मुख्य भूमिका है जो दुनिया में सबसे अधिक अमन पसंदी, शांति, मानवाधिकार, लोकतंत्र और आतंकवाद को कुचलने जैसी बातें करता है। परन्तु जहाँ अमेरिका को अपने राजनैतिक हित साधने होते हैं वहां उसके यह सभी आदर्श धरे के धरे रह जाते हैं। इस समय अमेरिकी शह और उसी के भरोसे पर जहां यूक्रेन, रूस जैसी महाशक्ति से टकरा कर स्वयं को तबाह कर बैठा है वहीं इस्राईल भी अमेरिका की ही सरपरस्ती में खूनी खेल खेलने में लगा हुआ है। पश्चिमी देशों की शह पर ही वह इस्राईल जिसने कभी रहम की भीख मांगकर अरब की सरजमीं पर अपने अस्तित्व को बचाया था। वह इस्राईल जिसे लेकर पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने यह निर्णय दिया है कि फिलिस्तीनी कब्जे वाले क्षेत्रों में इस्राईल की उपस्थिति ग़ैर कानूनी ह्व है। जिसके बारे में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) ने कहा है कि इस्राइल ने पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में कब्जा करने, स्थायी नियंत्रण लगाने और बस्तियां बनाने की नीतियों को लागू करके, वहां कब्जा करने वाली शक्ति के रूप में अपनी स्थिति का दुरुपयोग किया है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने यह भी कहा है कि इस तरह की हरकतें ह्रकब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में इस्राईल की मौजूदगी को गैर कानूनी ह्व बनाती हैं। इस क्षेत्र में इस्राईल की निरंतर मौजूदगी ह्रअवैधह्व है और इसे ह्रजितनी जल्दी हो सकेह्व समाप्त किया जाना चाहिए।' वही अवैध राष्ट्र आज उन्हीं अरब क्षेत्र के लोगों की जान का न केवल दुश्मन बना हुआ है बल्कि अमेरिकी शह और अपनी सैन्य शक्ति के बल पर इसी धरती पर 'ग्रेटर इस्राईल ' के गठन का सपना भी संजोये बैठा है।

इन हालात को पैदा करने के लिये अमेरिका ने दशकों से एक बड़ी साजिश रची है। अमेरिका व इस्राईल ने शिया-सुन्नी विवाद का फायदा उठाकर अरब देशों के सामने ईरान का हौव्वा खड़ा करने का एक सफल चक्रव्यूह रचा। अरब देशों के सामने ईरान को विलेन के रूप में पेश किया और अमेरिकी संरक्षण में उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। इसके बदले में अमेरिका सऊदी अरब

सहित मध्य पूर्व के और भी कई तेल उत्पादक देशों से ईरान से सुरक्षा के नाम पर अपनी मर्जी की क़ीमत पर तथा मनचाही मात्रा में तेल दोहन किया करता है। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिका के इन पिछलग्गू अरब देशों को अपने अपने देश में लोकतंत्र का गला घोंटने, किसी भी तरह का दमन चक्र चलाने, मानवाधिकारों का हनन करने अपनी बादशाहत चलाने व तानाशाही की भी खुली छूट है। मध्य पूर्व के अनेक देश ऐसे भी हैं जिनकी पूरी अर्थव्यवस्था अमेरिका के हाथों गोया गिरवी रखी हुई।

अब इस क्षेत्र में कोई बड़ी ताकत सर न उठा सके अपने इसी षड्यंत्र के तहत अमेरिका ने पहले तो इराक को तबाह किया फिर ईरान को आतंकी देश और शैतान की धुरी तथा इसे समूचे अरब जगत के लिये खतरा बताना शुरू कर दिया। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों में आतंक की इबारत लिखने व करोड़ों बेगुनाहों की मौत का जिम्मेदार अमेरिका ही अब खुद यह तय करता है कि कौन सा देश आतंकी है, कहाँ की सेना आतंकी है, और कहाँ का शासक आतंकवाद का संरक्षक है। तेल खरीदने, हथियार बेचने और वर्चस्व के इसी घिनौने खेल में इस समय इस्राईल, अमेरिका का मोहरा बनकर गाजा से लेकर लेबनान तक कहर बरसा रहा है। क्या अस्पताल क्या स्कूल क्या रिहायशी इलाके तो क्या शरणार्थी कैम्प, बाजार, बच्चे, बूढ़े महिलायें कोई भी कहीं भी अमेरिकी शह पर होने वाली इस्राईली सैन्य कार्रवाई खासकर हवाई बमबारी से सुरक्षित नहीं है।

इसके बावजूद ईरान ने अपने जनरल कासिम सुलेमानी हमास प्रमुख इस्माईल हनिया व हिज्बुल्ला सुप्रीमो हसन नसरुल्लाह की हत्या के बाद पिछले दिनों इस्राईल पर रॉकेट की बौछार कर यह जता दिया कि ईरान की पृष्ठभूमि व इनकी नस्ल वह नहीं जो सांसारिक शक्तियों के आगे घुटने झुका दे। हजरत मुहम्मद,व उनके घराने के हजरत अली व हुसैन को मानने वाली ईरानी नस्ल का रिश्ता उस हुसैन के घराने से है जिसने 1450 वर्ष पूर्व अपने समय की महाशक्ति सीरियाई यजीदी सेना के आगे अपना सिर नहीं झुकाया था। जबकि निश्चित रूप से अमेरिका व इस्राईल की गोदी में खेलने वाले वही अरब शासक हैं जिनके पूर्वज जैसे आज अमेरिका की गुलामी में लगे हैं उसी तरह 1450 वर्ष पूर्व भी यही लोग यजीदी सेना के हिमायती थे और हुसैन के कत्ल व करबला की घटना के जिम्मेदार थे। यही ईरान उस समय तक अमेरिका की आँखों का तारा था जब तक यहाँ का शाह पहलवी अमेरिका की गोद में बैठा रहता था परन्तु इस्लामी क्रांति के बाद जब से ईरान ने अमेरिका नहीं बल्कि 'ईश्वर महान है ' की नीति पर चलना शुरू किया तब से ईरान, अमेरिका को शैतान व आतंकी नजर आने लगा ?

अलकायदा हो या आई एस आई एस,पूरी दुनिया जानती है कि आतंक के पर्याय समझे जाने वाले यह दोनों ही आतंकी संगठन अमेरिका की ही सरपरस्ती में खड़े किये गए। ओसामा बिन लाडेन व तालिबानी प्रमुख मुल्ला उम्र को तो सऊदी अरब का भी संरक्षण हासिल था। याद कीजिये इन आतंकी संगठनों की कैसे कैसी दिल दहलाने वाली विडिओ बाकायदा एक बड़ी साजिश के तहत टी वे पर दिखाई जाती थी जिसमें यह दुर्दांत आतंकी लोगों को लाइन में खड़ाकर कभी गोली मारते तो कभी सर कलम करते तो कभी जिंदा दफ़्न करते दिखाई देते थे। आतंकियों को यह छूट इसीलिये मिली थी ताकि उनकी इन वहशियाना हरकतों के चलते इस्लाम को बदनाम किया जा सके व इसे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले धर्म के रूप में प्रचारित किया जा सके। काफी हद तक अपने इस मिशन में अमेरिका व इस्राईल को सफलता भी मिली। दूसरी तरफ जनरल कासिम सुलेमानी व हिज्बुल्लाह सुप्रीमो हसन नसरुल्लाह जैसे निडर रहबर ही थे जिन्होंने अमेरिका व इस्राईल द्वारा पोषित आई एस आई एस की कमर तोड़ कर रख दी। इनके विरुद्ध जिहाद बोलकर सीरिया,इराक व आसपास के क्षेत्रों से इन्हें खदेड़ कर इनका वजूद ही समाप्त कर दिया।

इन परिस्थितियों में अरब जगत इस समय एक बड़े 'समुद्र मंथन' के दौर गुजर रहा है। अरब के चाटुकार शासक भले ही अवैध राष्ट्र इजराईल व अमेरिका की गोद में बैठकर अपनी बुजदिली का सुबूत क्यों न दे रहे हों परन्तु अरब की अवाम ईरान द्वारा फिलिस्तीनियों के हक में इस्राईल पर किये गये मिसाईल हमलों को बड़ी ही उम्मीद व हसरत भरी नजरों से देख रही है। इस 'समुद्र मंथन' के परिणाम स्वरूप अरब जगत में आने वाले दिनों में कोई बड़ी उथल पुथल भी दिखाई दे सकती है।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखना चाहिए। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। आज घरवालों के साथ कहीं बाहर घूमने जाना आपके लिए अच्छा रहेगा। कोर्ट-कचहरी के मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से ही सलाह लेनी चाहिए। छात्रों के लिए दिन ठीक रहेगा। मां कूष्मांडा को फूल अर्पित करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा।

वृष राशि- आज आपका दिन उत्तम रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा है। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से रिलेटिड शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बितायेंगे। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी। किसी खास व्यक्ति का सहयोग आपको मिलेगा। मां दुर्गा की आरती करें, आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी।

मिथुन राशि-आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है। थोड़ी मेहनत से किसी बड़े धन लाभ का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को आज किसी बड़ी कंपनी में जॉब मिलेगी। महिलाएं अगर कोई घरेलू उद्योग शुरू करना चाहती हैं, तो आज का दिन अच्छा रहेगा। मां कूष्मांडा के सामने घी का दीपक जलाये, जीवन में दूसरे लोगों का सहयोग मिलता रहेगा।

कर्क राशि-आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, जिससे आपको थोड़ी उलझन होगी। ऑफिस में आपको कुछ लोगों से मदद मिलेगी। इस राशि वाले छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको अच्छे फल पाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। मां दुर्गा का ध्यान करें सेहत अच्छी बनी रहेगी।

सिंह राशि-आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। माता-पिता आपको कोई बड़ा गिफ्ट देंगे इससे आप बड़े ही खुश नजर आएंगे। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है। आप किसी नई तकनीक को सीखने की भी कोशिश करेंगे। मां कूष्मांडा को किसी मीठे का भोग लगायें, आपको किस्मत का सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि-आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीत सकता है। परिवार वालों के साथ समय बितायेंगे। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक कोई बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। पैसों की स्थिति में बड़े बदलाव होने की संभावना है। आज आपके व्यवहार से आपके जीवनसाथी प्रसन्न होंगे। आज शाम तक कोई शुभ समाचार मिलने से घर में खुशियों का माहौल बनेगा। मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाए समाज के लोगों में आपका समान बढ़ेगा।

तुला राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किये गये काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नये प्रोजेक्ट पर काम करनेका मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। लंबे समय से रुके हुए सरकारी कामों का आज निपटारा हो जायेगा। अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे से निभायेंगे। दोस्तों की सलाह आज आपके बहुत काम आयेगी।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए आप नये कदम उठाएंगे, जिसमें आप सफल भी होंगे। आपकी सकारात्मक सोच आपको लाभ दिलायेगी। मां दुर्गा को लौंग अर्पित करें, आपके सभी रुके हुए काम बनेंगे।

धनु राशि-आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आने वाले समय में आपकी महत्वकांक्षाएं बढ़ भी सकती हैं। हर कोई आपकी बातों से प्रभावित होगा। जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां आपको मिलेगी। आपको अपनी मनपसंद कंपनी में इंटरव्यू के लिए बुलावा आयेगा। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। साथ ही किसी धार्मिक आयोजन का हिस्सा भी बनेंगे। मां कूष्मांडा के आगें हाथ जोडें, रूकें हुए काम पूरें होंगे।

मकर राशि-आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए कोई फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैंसिल हो जायेगा। आज आपका मन अध्यात्म की ओर रहेगा आप धार्मिक समारोह का आयोजन करवा सकते है।

कुंभ राशि-आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आएंगे। आपको किसी भी वाद-विवाद से बचने की जरूरत है। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। मेहनत के बल पर आपको काम में सफलता मिलेगी। बच्चों की सफलता से आपको गर्व की अनुभूति होगी। मां कूष्मांडा के आगे माथा ठेके, करोबार में बरकत होगी।

मीन राशि-आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है।

मुरझाती नहीं है बेटियां

विजय मिश्रा 'अमित'

पूरी दुनियां में भारत देश ही एक अकेला ऐसा देश है, जहां की एक वर्ष में दो बार नवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। क्वांर और चैत्र के माह में नौ-नौ दिन तक मां दुर्गा के नव रूपों की पूजा की जाती है। इस पर्व को छत्तीसगढ़ में भी धूमधाम से मनाने की परंपरा है।

छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है, जहां की डोंगरी-पहाड़, खेत-खार, तालाब-नदियों के किनारे घने जंगलों के बीच दंतेश्वरी, बम्लेश्वरी, महामाया, सतबहनिया, चंडी माई, मरही माता, शीतला माता, बंजारी, बिलई, चंद्रहासिनी माता, अंगारमोती जैसे अनेक नामों से मातृशक्ति के मंदिर हैं। इसीलिए समुचे देश में यह एक ऐसा अकेला राज्य जहां के निवासी छत्तीसगढ़ को महतारी कहते हैं। इस पर्व में 'कन्या भोजन' कराने का प्राचीन रिवाज है,दरअसल कुंवारी कन्याओं को देवी के रूप में पूजने की प्रथा है।कहा जाता है कि ह्रबेटी खाएगी उसे देवी पाएगी ह्रइसी मान्यता के परिपालन में नवरात्रि पर्व पर देवी भक्त नव कन्याओं को विविध पकवान फल खिलाते हैं। कन्याओं का चरण धोकर,चरण छू कर उन्हें अपनी श्रद्धा भक्ति सामर्थ के मुताबिक भेंट देकर आशीष मांगते हैं।

विछोह की वेदना भूल जाती हैं बेटियां:

बेटी जो जन्म के बीस पच्चीस बरस मायके में बिताती है। ए सुनते सुनते कि बेटियां तो पराया धन होती हैं, दुर्भाग्य है कि विवाह उपरांत उन्ही बेटियों को ससुराल में भी जीवन भर पराया कहा जाता है।स्मरण कीजिए एक पौधे को मिट्टी से गमले में या गमले से मिट्टी में जब रोपा जाता है तो वह स्थान परिवर्तन की पीड़ा में मुरझा जाता है। वहीं बीस पच्चीस वर्षों तक मायके में पली बढ़ी बेटियां अपनी मिट्टी,अपना घर- परिवार,गांव- शहर अपनी सखी सहेलियों को छोड़कर समस्त पुराने रिश्तों के विछोह की वेदना को भूलाकर सदा सदा के लिए ससुराल में जा बसती है। वहां भी अगर बेटी को माता-पिता की थोड़ी भी अकुशलता का समाचार मिलता है तो वह मायके जाने को मछली की भांति तड़फ उठती है हमारे वेद पुराण इतिहास,और चिंतक चीख चीख कर बता रहे हैं कि बेटों की तुलना में बेटियां कम ज्ञानी नहीं होती। हमारे हरेक पर्व हमारी परम्पराएं बेटियों पर केंद्रित हैं। बेटियों की घटती संख्या के कारण समाज में अनेक रिश्ते-नाते, त्योहार समाप्त प्राय हो चले है। इस विषय पर गंभीर चिंतन मनन करने नवरात्रि पर्व फिर आया है इस पर्व पर देवी की पूजा में लीन देवी भक्तों से यही कहना है कि रोते बिलखते परिवार को बिटिया हंसा देती है। इसीलिए वे देवी की वरदान होती हैं,अतः बेटियों का मान देवियों के मानिंद ही रखें। इसी में जगत की भलाई है। ऐसे ही भावनाओं की अभिव्यक्ति कविश्री ने दिल को छू लेने वाली पंक्तियों में व्यक्त किया है -- हल्दी-कुमकुम,मेंहदी-सिंदूर का अवतार न होता

न होती बहिन -बेटियां तो रक्षाबंधन-भाईदूज तीज का त्यौहार न होता।

जीती-जागती देवी हैं बेटी

आजकल बदलते वक्त के साथ इस प्राचीन परंपरा में बड़ी विकृति दिखाई दे रही है। समाज में बेटी- बेटा के मध्य बढ़ा ही भेदभाव का बोल बाला दिखाई दे रहा है। बेटे होने की खुशी में जश्न मनाते हैं,किंतु जब बेटी जन्म लेती है तो ज्यादातर लोगों का मुंह ऐसे लटक जाता है,जैसे उन्हें सांप ने सुंघ लिया हो।ऐसी भयावह घटना भी सामने आ रही है कि आधुनिकता के साथ चिकित्सा विज्ञान में हुई प्रगति का दुरुपयोग करते हुए अनेक चिकित्सक और दम्पति मिलकर कोख में पल रही कन्या भ्रूण की निर्मम हत्या कर दे रहे है। ऐसी क्रूरतापूर्ण हरकत करते समय इंसान भूल जाता है कि घर में आती हुई लक्ष्मी,सरस्वती और दुर्गा की जघन्य हत्या करके महापाप का भागीदार अपने ही हाथों अपने सिर मोल ले रहा है। ऐसे घृणित कृत्य को करने वाला इंसान ईमानदारी से अपने हृदय में हाथ रखकर अपनी आत्मा से पूछे कि स्वकन्या भ्रूण हत्या करने वाले मनुष्य की पूजा का मान क्या मां दुर्गा स्वीकार करेगी? इस सवाल का सीधा-सीधा उत्तर है कभी नहीं।

इसी तरह अनेक परिवारों में कम दहेज देने वाली दुल्हन को प्रताड़ित किया जाता है। उसे जलाकर मार डालने जैसा अकल्पनीय कृत्य किया जाता है। अनेक गांव में नारी जाति को डायन -टोनही कह कर मारा-पीटा जाता है ऐसी नासमझी और मूर्खतापूर्ण कदम उठाने वालों को यह सोचना चाहिए कि ऐसा करके वे लोग गांव घर की जीवित देवी का घोर अपमान कर रहे हैं। ऐसे ही कई अज्ञानी लोग अपना पाप धोने के लिए वर्ष में केवल दो बार नवरात्रि के पावन पर्व पर कन्या भोजन करवातें हैं। वे भूल जाते हैं कि घर परिवार की जीती जागती देवी का तिरस्कार करने वाले दुर्जनों को मां दुर्गा कभी भी क्षमा नहीं करेगी। हमारे समाज में कई ऐसी घटनाएं भी उजागर हुई हैं जब बेटों ने माता पिता की जमीन जायदाद को बांट लियाऔर फिर मुंह फेर लिया। इसके विपरीत फूटी कौड़ी की आस किए बिना भी बेटियों ने अपने माता-पिता के दुख दर्द को अपना दुख दर्द समझा। बेटियों की ऐसी महिमा को व्यक्त करते कविश्री ने लिखा है कि- फूल सी नाजुक होती है बेटियाँ,स्पर्श हो खुरदुरा तो रोती है बेटियां

रौशन करेगा बेटा तो एक ही कुल को,
पर दो दो कुल की लाज को सवांरती है बेटियाँ।

आस्था का केन्द्र

शिवजी की छाप का अनुपम स्थल छपोरा

स्वयंभू शिवलिंग का अद्भुत दर्शन, शिव और शक्ति एक ही स्थान पर

राजधानी के पास एक ऐसा गांव है जहां स्वयंभू शिवलिंग की कृपा बरसती है। रायपुर से लगभग 15 किलोमीटर दूर ग्राम छपोरा में (विधानसभा से मांदर रोड) में भोले भंडारी ने अपनी छाप छोड़ दी है। शांत-सुरम्य इस गांव में शिव जी स्वयं विराजमान हैं। जहां भोले शंकर का त्रिशूल गड़ा हो और डमरू बज रहा हो उस गांव के भाग्य की सराहना भला कौन नहीं करेगा। धर्म ग्रंथों के मुताबिक तालाब के किनारे पीपल पेड़ के पास भूगर्भ से अवतरित शिवलिंग इस बात का सबूत है कि शिवलिंग स्वयंभू हैं। यह संयोग छपोरा में हुआ है। ग्रामवासियों पर महादेव अपार कृपा बरसा रहे हैं। इतना ही नहीं छपोरा शिव और शक्ति का अनुपम स्थान है। मनीष दुबे बताते हैं कि छपोरा की आबादी आज करीब 2700 है। लेकिन वर्षों पूर्व जनसंख्या इतनी नहीं रही होगी। सैकड़ों वर्ष पूर्व ग्राम के चंडी तालाब के किनारे चट्टानों व पत्थरों के बीच शिवलिंग तब के ग्रामवासियों को नजर आए थे। पीपल पेड़ के नीचे महादेव लिंग स्वरूप में दर्शन दे रहे थे। धरती मां की गोद से अवतरित हुए शिवलिंग को देखकर गांववासी भावविभोर हो गए थे। गांव वालों ने स्वयंभू शिवलिंग के आसपास के चट्टानों को हटाकर स्थान की साफ-सफाई कर दी थी। गांव के बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि शिवलिंग कब प्रकट हुए इसकी जानकारी आज की पीढ़ी को तो है ही नहीं, पिछली कई पीढ़ियों को भी कुछ नहीं पता था। बस एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी शिवजी के छपोरा में प्रकट होने की कथा स्थानांतरित होती रही है। गांव के समाजसेवी तथा गणमान्य व्यक्ति मोतीलाल साहू कहते हैं कि हम लोगों का सौभाग्य है कि शिवजी ने निवास करने के लिए हमारे ही गांव को चुना है। मनीष दुबे ने बताया कि सन् 1984 में गांव के ही शिवभक्त वर्मा परिवार ने इस स्थान का कायाकल्प करने का संकल्प लिया और छोटा सा मंदिर बनवा दिया। इसका नाम रखा गया चंडीकेश्वर महादेव। नामकरण पंडित मनीष दुबे ने किया था। बाद में श्रम दान व गांव वालों के सहयोग से यहां भव्य मंदिर का निर्माण किया गया था। चंडी तालाब के किनारे इस शिवमंदिर में आने से मन शांत हो जाता है। यह बेहद ही मनोरम स्थल है। शिवलिंग अत्यंत ही आकर्षक है। इस शिवलिंग को किसी पत्थर को तराशकर इंसान ने आकार नहीं दिया है बल्कि प्रकृति ने संवारा है। शिवलिंग का दर्शन करने से ही हृदय संसार को अद्भुत अनुभूति होती है। अभी नवरात्रि में ही शिवलिंग पर एक बड़ा नाग देव लिपट गया था। इस शिवलिंग का उज्जैन के महाकाल की तरह श्रृंगार किया जाता है।

सावन में यहां शिवभक्तों का मेला लगता है। कहते हैं कि यहां जल चढ़ाने से शिवजी मनोकामना की पूर्ति करते हैं। शिवलिंग की लंबाई चमत्कारिक रूप से बढ़ रही है। चंडी तालाब का स्वरूप सरोवर की तरह है। शिवजी के समीप ही स्थित मंदिर में शक्ति स्वरूपा देवी माता भी विराजमान है। सावन में पूरे माह भक्तों का तांता लगा रहता है वहीं महाशिवरात्रि पर भव्य आयोजन होता है। मोतीलाल साहू कहते हैं कि ये भोले भंडारी ही हमारी सरकार व हमारे रक्षक हैं। यही वजह है कि गांव में समृद्धि, खुशहाली, शांति व भाईचारा बना हुआ है। सनातनियों को एक बार जरूर छपोरा जाकर भगवान शंकर के दर्शन करना चाहिए। राज्य सरकार को भी चाहिए कि इस स्थान को धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित करे। इस स्थान का विकास करने उच्चस्तरीय समीक्षा की जरूरत है। यह पुरातात्विक महत्व का स्थल है।

एक नजर

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का 20 हजार करोड़ हस्तांतरित

सुकमा,7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा, महाराष्ट्र से किसानों को डीबीटी के माध्यम से पी.एम. किसान सम्मान निधि की 18वी. किश्त की राशि 9.4 करोड़ लाभार्थी किसानों के खाते में कुल राशि करीब 20 हजार करोड़ रूपए का स्थानान्तरण किया। सुकमा जिले के लगभग 19,931 लाभार्थी किसानों के खाते में करीब 4.65 करोड़ की राशि का स्थानांतरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री जी ने कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र से जुडी कई परियोजनाओं का शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र सुकमा में किया गया। गौरतलब है कि पी.एम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत हर साल किसानों को 03 किश्त जारी की जाती हैं जिसमें पहली किश्त अप्रैल से जुलाई, द्वितीय किश्त अगस्त से नवम्बर एवं तृतीय किश्त दिसम्बर से मार्च माह के मध्य जारी की जाती हैं। हर एक किश्त में करीब 2000 रु. किसानों के खाते में हस्तांतरित किये जाते हैं। कार्यक्रम के अंत में कृषि एवं मत्स्य विभाग द्वारा विभागीय योजनाओ की जानकारी कृषकों को दी साथ ही कृषकों के समस्याओं के समाधान के लिए कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्रीमती रामबती नाग, सरपंच ग्राम पंचायत मुरतोण्डा के मुख्य अतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में श्री पी आर बघेल, उप संचालक कृषि, कृषि विज्ञान केन्द्र, सुकमा से श्री राजेंद्र प्रसाद कश्यप, विशेषज्ञ, पादप रोग, डॉ. परमानंद साहू, विशेषज्ञ, कृषि मशीनरी एवं डॉ. संजय सिंग राठौर, कार्यक्रम सहायक, तथा कृषि विभाग से श्री सुरेश बेक, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, श्री एल एन बघेल, श्रीमती ज्योति गावड़े व अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र में 60 से अधिक कृषक सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र एवं कृषि विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया जिसमें कृषि विभाग, मतस्य विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित हुए।

शीतला माता मंदिर में भक्तों ने जलाए आस्था के175 ज्योत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

चारामा,7 अक्टूबर। गुरूवार से शारदीय नवरात्र प्रारम्भ हो चुका है। इस नवरात्रि पर्व को लेकर हिन्दूओं में उत्साह देखा जा रहा है। मंदिरों को झालरों से सजाया जा रहा है। वही आज पंचमी का वार होने के कारण शितला माता मंदिर सहित अंचल के सभी मंदिर में भक्तों की भीड़ माता के दर्शन पूजन के लिए उमड रही है। नवरात्रि के इस पावन पर्व में मंदिरों में आस्था के दीप भी जलाई गयी है। नगर के शितला माता मंदिर में भी प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मनोकामना ज्योति प्रज्जवलित किया गया। इस बार शारदीय नवरात्रि पर्व में माता शितला मंदिर में कुल 174 ज्योति ज्योति प्रज्जवलित किया गया। जिसमें से घी ज्योति की संख्या 85 तथा तेल ज्योति की संख्या 89 है। इस नवरात्रि की अष्टमी पूजन 11 अक्टुबर शुक्रवार को मनाया जायेगा तथा 12 अक्टुबर शनिवार को ज्योति विसर्जन के पश्चात दशहरा पर्व मनाया जायेगा। उक्त जानकारी शितला माता मंदिर के पुजारी ठाकुर राम जी एवं सहयोगी शिवेन्द्र निर्मलकर से प्राप्त हुई हैं।

जेल से छूटे आदतन बदमाश की हत्या के मामले में 26 गिरफ्तार

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई,7 अक्टूबर। भिलाई महज दो दिन पहले जेल से छूटे आदतन बदमाश की हत्या कर दी गई है। बदमाश आशिक विश्वकर्मा उर्फ आशिक चोर (25 वर्ष) की नशा करने के बाद आतंक फैलाने के इरादे से बात बात पर मारपीट करने से परेशान ग्रामीणों ने लाठी - डंडे से उसे इतना पीटा की उसकी जान निकल गई। मामले में भिलाई-3 पुलिस 26 लोगों को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मामला भारी औद्योगिक क्षेत्र से लगे हथखोज गांव का है भिलाई - चरोदा निगम क्षेत्र के ग्रामीण वार्ड अकलोरडीह - हथखोज के शीतला पारा शिव मंदिर के पास बीती रात फिर एक हत्या की वारदात से सनसनी का आलम है। इस बार आशिक विश्वकर्मा उर्फ आशिक चोर की ग्रामीणों ने लाठी और डंडे से पीट पीटकर हत्या कर दी। आशिक विश्वकर्मा दो दिन पहले ही 4 अक्टूबर को जेल से बाहर आया था। उसके खिलाफ भिलाई-3 पुलिस ने धारा 327 के तहत कार्रवाई किया था। इसी मामले में उसे जेल भेजा गया था। उसके खिलाफ भिलाई-3 थाने में कई मामले दर्ज हैं। जेल से छूटकर आने के बाद वह हथखोज बस्ती में दहशत का माहौल बना रहा था। राह चलते किसी को मारना पीटना उसकी आदत बन चुकी थी। बताया जा रहा है कि शनिवार को आशिक विश्वकर्मा का गांव के ही प्रमोद गबेल के साथ शराब पीने के लिए पैसे मांगने पर झगड़ा हो गया था। रविवार की रात को गांव के कुछ वरिष्ठजनों ने विवाद खत्म करने समझौता का प्रयास किया। इस दौरान आशिक विश्वकर्मा ने तलवार निकालकर समझौता कराने वालों के साथ गाली-गलौच करने लगा। बात बढ़ने पर मौके पर मौजूद ग्रामीण आक्रोशित होकर आशिक विश्वकर्मा और उसके साथियों पर टूट पड़े। आशिक विश्वकर्मा के साथी भाग गए लेकिन वह लोगों की पकड़ में आ गया। लोगों ने मिलकर उसकी बुरी तरह से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल आशिक को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर घटना की सूचना के बाद भिलाई-3 टीआई महेश ध्रुव पुलिस बल के साथ रात भर संदेहियों की तलाश में लगे रहे। आखिरकार 26 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। फिलहाल मामले में पुलिस लोगों से पूछताछ कर रही है थाने पहुंचें ग्रामीणों ने गिनाई मृतक की बुराईयां आदतन बदमाश आशिक विश्वकर्मा उर्फ आशिक चोर की हत्या के बाद 26 ग्रामीणों को पुलिस हिरासत में लिए जाने पर नाराज हथखोज के सौ से भी अधिक महिला और पुरुष सुबह भिलाई-3 थाना पहुंच गए। ग्रामीणों के साथ वार्ड के पार्षद पति विनोद निषाद एक हथखोज बस्ती के पार्षद राकेश बंछोर भी थाना पहुंचे थे। यहां पर चर्चा में ग्रामीणों ने बताया कि आशिक विश्वकर्मा ने हथखोज के लोगों का जीना हराम कर डाला था। वह हमेशा नशे में रहता था। इसके लिए वह औद्योगिक क्षेत्र की इकाईयों में लोहा आदि की चोरी भी करता था। नशा करने के लिए किसी से भी पैसे मांगता था। नहीं देने पर तुरंत मारपीट करने लगता था। सीएसपी छावनी हरीश पाटिल ने बताया कि आशिक विश्वकर्मा के खिलाफ भिलाई-3 थाने में लगभग 15 मामले दर्ज हैं। लेकिन किसी को भी कानून को हाथ में लेने का अधिकार नहीं है।

एआईएसएफ ने छात्रावासों का दौरा कर समस्याओं की जानकारी ली

सुकमा,7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (ढ्ढस्स्न) के टीम दो दिवासीय बाईक गाड़ियों से दौरे पर गये थे। इस दौरान कोन्टा ब्लॉक के आश्रम , छात्रावास पोटाकेबिनों के छात्र - छात्राओ से एआईएसएफ के प्रदेश अध्यक्ष- महेश कुंजाम, जिला अध्यक्ष जितेश सोढ़ी, कलमू मुका, अरविंद कुंजाम,कट्टम जोगा, कट्टम गंगा, सरेश मिलकर समस्याओ को जाना।कोन्टा ब्लॉक के रुक्मणि बालक आश्रम जगरगुंडा, प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास जगरगुंडा, बालक आश्रम जगरगुंडा ,प्री मैट्रिक बालक छात्रावास जगरगुंडा, बालक पोटाकेबिन चिंतलनार, बालक पोटाकेबिन चिंतागुफा, कन्या आश्रम चिंतागुफा, बालक आश्रम किस्टाराम, बालक आश्रम गोलापल्ली, कन्या आश्रम गोलापल्ली, कन्या आश्रम मरईगुड़ा, बालक आश्रम गंगलेर, बालक आश्रम मरईगुड़ा, प्री मैट्रिक कन्या छात्रावास गोलापल्ली, पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास (क्क्रस्ञ्) गोलापल्ली एवं पोटाकेबिन मरईगुड़ा आदि आश्रम छात्रावासो के छात्र-छात्राओं से मुलाकात कर हाल चाल जाना। इस अवसर पर समस्त छात्र छात्राओ को पढ़ाई के सम्बन्ध मे विस्तार से समझाया गया। उच्च अधिकारी बनने का लक्ष्य रखने प्रेरित किया गया इस दौरान सुकमा जिले के होनहार छात्रो वर्तमान में एमबीबीएस करके सेवा दे रहे और भी पढ़ाई कर रहे जैसे डॉक्टर हरीश पोड़ियाम, भीमा बारसे, समीर नाग, माया कश्यप, गोविन्द, अभी पढ़ाई जारी है गंगा माड़वी आदि जो सुकमा जिले के आदिवासी गरीब बच्चे है जो आज एमबीबीएस करके डॉक्टर बने है इनका उदहारण देते हुए आगे पढ़ाई करने की सुझाव दी । आवासीय संस्थानों की समस्याओ के बारे में छात्रों से बात की, इस दौरान लगभग सभी छात्रावासों में शौचालय पूरी तरह खराब पड़ा है, छोटे छोटे बच्चे शौच करने जंगल जाना पड़ता है, खाट, गद्दा, चादर कम्बल अब तक नही मिला है बीना गद्दा के खाटों मे सोते हे, भवनों की जर्जर है, कुछ जगह भवन ही नही है, मरम्मत होने के बाद भी वह रह नही पा रहे है, ऐसा स्थिति बना है, भगवान भरोसे चल रहे है। पोटाकेबिन चिंतलनार में बच्चों को पढ़ाया नही जाता है, शिक्षक आते ही नही, प्राचार्य आते ही नही इस प्रकार का गभीर समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है, इस क्षेत्र के लगभग पुरे छात्रों को छात्रवृत्ति नही मिल पा रहा है। मीनू चार्ट अधिकांश जगह नही टांगा गया है, मध्याह्न भोजन मे गुणवत्ता नही है, सब्जी दाल ना के बराबर बनाया जाता है बच्चे खाना को फेक देते है सब्जी नही पुरने के वजह से ऐसे अन्य समस्याओ से जूझ रहे है छात्र शासन प्रशासन को ध्यान देने की अवश्यकता है।

फसलों में कीटों के जैविक नियंत्रण के लिए प्रशिक्षण देकर सामग्री वितरित की

सुकमा,7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कृषि विज्ञान केन्द्र सुकमा (मुरतोण्डा) में कृषि विज्ञान केंद्र, सुकमा में भा.कृ. अनु.प. राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बैंगलोर द्वारा प्रदत्त आदिवासी उप परियोजना अंतर्गत जैविक खेती एवं जागरूकता के लिए प्रशिक्षण एवं सामग्री वितरण का कार्यक्रम रखा गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। प्रशिक्षण में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, कृषि कीट विज्ञान विभाग से डॉ. योगेश कुमार मेश्राम, प्रमुख अन्वेषक, ए.सी.आई.आर.पी. जैविक नियंत्रण प्रयोगशाला ने कृषकों को खेती में जैव उत्पादों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया, डॉ. बी.पी. कतलम, प्रमुख वैज्ञानिक ने कृषक मित्र कीटों के सरंक्षण की बात बताई एवं डॉ. विकास सिंग ने रसायन मुक्त खेती करने की बात बताई। डॉ. प्रताप सिंह राठिया प्रभारी एवं प्रमुख आलू अनुसंधान केन्द्र मैनपाट ने आलू की उन्नत खेती के विषय में बताया। कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्र, सुकमा से श्री राजेंद्र प्रसाद कश्यप, विषय वस्तु विशेषज्ञ, पादप रोग, डॉ. परमानंद साहू विषय वस्तु विशेषज्ञ, कृषि मशीनरी एवं डॉ. संजय सिंग राठौर, कार्यक्रम सहायक, मछली पालन ने कृषकों को जैविक खेती करने हेतु प्रेरित किए। इस कार्यक्रम में कृषकों को नेपसेक स्प्रेयरइस, फसलों में जैविक नियंत्रण हेतु फेरोमेन ट्रैप व मित्र कीट व सब्जियों की नर्सरी का वितरण किया गया। प्रशिक्षण में जिले के कृषक मित्र के साथ साथ छिंदगढ़ व सुकमा विकासखण्ड के 65-70 कृषक गण प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित हुऐ।

दीपक लोक सेवा केन्द्र शुरू कर ग्रामीणों को सेवाएं दे रहे

जगदलपुर,7 अक्टूबर। जिले के बकावंड ब्लॉक अंतर्गत बड़े जिराखाल निवासी दीपक पाण्डेय मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजनांतर्गत लाभान्वित होकर क्षेत्र के ग्रामीणों को लोक सेवा केन्द्र एवं मोबाइल दुकान के जरिए विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करवा रहे हैं। अपनी लोक सेवा केंद्र के माध्यम से दीपक गत तीन वर्ष में अच्छी आमदनी अर्जित करने सहित अपनी बैंक ऋण राशि भी लगभग अदा कर चुके हैं। दीपक का गांव जिला मुख्यालय से लगभग 45 किलोमीटर और तहसील से लगभग 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। दीपक बताते हैं कि परिवार में माता-पिता एवं भैया-भाभी और मेरी स्वयं की पत्नी सहित कुल 10 सदस्य हैं।

परिवार के सभी सदस्यों के लिए 9 एकड़ की कृषि भूमि पर्याप्त थी, किन्तु बहुत बड़ा परिवार होने की स्थिति में अपना जीवन-निर्वाह करने के लिए अतिरिक्त आय की जरूरत हो रही थी।

नगरीय निकायों का विकास शासन की प्राथमिकता है :श्रद्धा त्रिवेदी

भिलाई,7 अक्टूबर। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) की भिलाई शाखा द्वारा विश्व आवास दिवस के अवसर पर रविवार दिनांक 6 अक्टूबर, 2024 को एक समूह परिचर्चा (श्वड्डठ्ठद्गद्य स्रद्बह्यष्ह्वह्यह्यद्बश्ठ्ठ) का आयोजन किया गया ।समूह चर्चा का विषय है नगरीय क्षेत्रों की समस्याएं और चुनौतियां। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्रीमती श्रद्धा त्रिवेदी, उपसचिव वित्त विभाग, छ. ग. शासन, श्री विनीत नायर, संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन, छ. ग. शासन, श्री सत्यप्रकाश तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर, श्री सतीश ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक यातायात दुर्ग भिलाई, श्री के प्रवीण, महाप्रबंधक, पर्यावरण प्रबंधन, भिलाई इस्पात संयंत्र, श्री चैतन्य वेंकटेश्वर, महाप्रबंधक सेट सेल, डा विवेक अग्निहोत्री, सहायक प्राध्यापक, एन आई टी, रायपुर, डा हर्षिता राजा, चिकित्सा अधिकारी सिम्हांस, उपस्थित थे। परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता श्री हृदय मोहन, पूर्व अधिशासी निदेशक सेल ने की। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्रीमती श्रद्धा त्रिवेदी, उपसचिव वित्त विभाग, छ. ग. शासन, ने बताया की नगरीय निकायों का विकास शासन की प्राथमिकता में है और केंद्र शासन एवम राज्य शासन द्वारा नगरीय निकाय को विभिन्न योजनाओं के तहत दी जा रही वित्तीय मदद की जानकारी दी। उन्होंने युवा वर्ग को केंद्र एवम राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं में स्टार्ट अप के तहत शहरी विकास के क्षेत्र में कार्य करने हेतु अनुरोध किया। श्री विनीत नायर, संयुक्त संचालक, नगरीय प्रशासन, छ. ग. शासन, ने क्षेत्रीय योजना एवम मास्टर प्लान एवम भविष्य के शहरों में उनकी उपयोगिता की चर्चा की। उन्होंने बताया की भिलाई, कमल विहार और नया रायपुर व्यवस्थित शहरी क्षेत्र हैं। श्री सत्यप्रकाश तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर, ने शहरों में नशे और सामाजिक मूल्यों के हास की वजह से बढ़ रहे अपराधों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने माता पिता से अनुरोध किया की शहर के माहौल में बच्चों के भटकने की संभावना अधिक है अतः उनपर विशेष ध्यान दें।श्री सतीश ठाकुर, उप पुलिस अधीक्षक यातायात दुर्ग भिलाई, ने रायपुर और भिलाई शहर के यातायात नियंत्रण पर अपने अनुभव और विचार साझा करते हुए कहा की टेक्नोलॉजी और विभिन्न प्रकार के कैमरा के उपयोग से ट्रैफिक व्यवस्था में और अधिक सुधार आएगा। उन्होंने सड़क सुरक्षा हेतु लोगों से यातायात नियमों के पालन का अनुरोध किया । श्री के प्रवीण, महाप्रबंधक, पर्यावरण प्रबंधन, भिलाई इस्पात संयंत्र, ने नगरीय भूमिगत जल में आने वाली कमी के बारे में चिंता जाहिर की। उन्होंने बताया की भविष्य में शहरों की ऊर्जा जरूरतें बढ़ेंगी जिनसे कार्बन उत्सर्जन बढ़ेगा। उन्होंने प्रति व्यक्ति कार्बन फूट प्रिंट में कमी लाने पर बल दिया।श्री चैतन्य वेंकटेश्वर, महाप्रबंधक सेट सेल ने अपने विचारों में वेस्ट वाटर के पुनरुपयोग और भविष्य की जल जरूरतों को पूरा करने में वेस्ट वाटर की भूमिका पर जोर दिया। इसके लिए उन्होंने भारत के सभी शहरों में सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम की आवश्यकता पर बल दिया। डा विवेक अग्निहोत्री, सहायक प्राध्यापक, एन आई टी, रायपुर, ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सस्टेनेबल विकास मानक के शहरी क्षेत्र में प्रभाव और उसके लागू करने पर चर्चा की। उन्होंने शहरों से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में अनियंत्रित विकास पर चिंता व्यक्त की और कहा की बाद में यह शहरों से जुड़ जाएंगे अतः शहरों से लगे ग्रामीण इलाकों में भी योजना बद्ध विकास हो।डा हर्षिता राजा, चिकित्सा अधिकारी सिम्हांस, ने बढ़ते शहरीकरण से उत्पन्न बीमारियों जैसे तनाव, शुगर, फैटी लीवर, मानसिक बीमारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने नगरों में फैलते वाली बीमारियों जैसे कोविद से निपटने हेतु ढांचा और ट्रेंड मैनपावर की आवश्यकता पर बल दिया। परिचर्चा सत्र की अध्यक्षता सेल के पूर्व ई डी श्री हृदय मोहन ने की। श्री हृदय मोहन ने स्वामी विवेकानंद से प्रेरणा लेकर युवा वर्ग को शहरों को भविष्य में बेहतर बनाने हेतु कार्य करने का आवाहन किया। उन्होंने बताया की नीति आयोग के अनुसार शहरीकरण ही भारत का भविष्य है। श्री मोहन ने कहा की शहर सिर्फ 3 प्रतिशत जमीन पर काबिज हैं जबकि वह देश की जीडीपी में 60 प्रतिशत योगदान देते हैं। स्वागत भाषण संस्था के अध्यक्ष श्री पुनीत चौबे ने दिया और धन्यवाद ज्ञापन श्री बसंत साहू, मानसेवी सचिव ने दिया। कार्यक्रम में राज्य शासन, भिलाई इस्पात संयंत्र, शैक्षणीक संस्थानों, इंडियन बिल्डिंग कांग्रेस के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

263 करोड़ रुपयों की सौगात पर भाजपा नेता श्रीनिवास रेड्डी ने मुख्यमंत्री का आभार जताया

बीजापुर, 7 अक्टूबर। बीजापुर जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि श्रीनिवास रेड्डी ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के बीजापुर दौरे के दौरान बीजापुर जिले को 263 करोड़ रुपयों की सौगात दिए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का आभार प्रकट किया है। श्रीनिवास रेड्डी ने जारी अपने विज्ञप्ति में कहा है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के बीजापुर जिले को दिए गए 263 करोड़ रुपये की सौग़ात से बीजापुर जिले का चौमुखी विकास होगा। इसके साथ ही भाजपा नेता श्रीनिवास रेड्डी ने अपने विज्ञप्ति में यह भी कहा कि बीजापुर में जिला अस्पताल को सौ बिस्तर से बढ़ाकर दो सौ बिस्तर की घोषणा, विशेषज्ञ चिकित्सकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जोड़ने, बीजापुर में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना, भोपालपटनम में 132 केव्ही की विद्युत सब स्टेशन की स्थापना, 33 नए स्कूल खोलने, केंद्रीय पुस्तकालय की घोषणा किए जाने के साथ ही प्रयास आवासीय विद्यालय और प्रतियोगिता परीक्षा के लिए कोचिंग की व्यवस्था करने की घोषणा करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी का बीजापुर जिले वासियों की ओर से आभार प्रकट किया है।

पंचमी पर मां दंतेश्वरी के भक्तों......

प्रथम पेज का शेष

इसी बीच कई वीआईपी भी दर्शन के लिए पहुंच रहे थे उन्हें भी देखना था लिहाजा डयूटी में तैनात पुलिसकर्मीयों को अच्छी खासी मशक्कत करनी पड़ रही थी। धूप में घंटों खड़े कई भक्त चक्कर आने से गिर रहे थे तो बहुत से महिला भक्तों को माता आ रही थी और वे चिल्ला चिल्लाकर जमीन पर गिर पड़ती थीं और सिर पटकने लगती थीं जिन्हें उठाकर किसी तरह मंदिर तक पहुंचाया जा रहा था। कई ऐसे भी भक्त दिखाई पड़े जो माता से मन्नत पूरी होने पर घुटनों के बल दर्शन के लिए पहुंच रहे थे तो कोई मन्नत मांगने के लिए हाथों में जलता दिया लेकर तो कोई लुढकते हुए माता के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहा था। पंचमी पर भक्तों की सैलाब का ऐसा नजारा आज से पहले कभी नही देखा गया था। पूरा शक्तिपीठ माता के जयकारे, जय माता दी शेरोवाली से गूंजायमान हो उठा था। हर ओर भक्ति का सैलाब ही सैलाब दिखाई पड़ रहा था। गीदम से लेकर दंतेवाड़ा 12 किमी तक सड़क पूरी तरह से पदयात्रियों से भर गया था। भीड इस कदर बढी कि जगह जगह बने पदयात्री सुविधा केंद्र में भी जगह कम पड़ गए। आलम यह था कि दंतेवाड़ा पहुंचने वाले पदयात्री बीती रात सड़क किनारे, तालाब के गार्डन में, शमशान घाट व नदी घाट में सोकर अपनी रात गुजारे। नगर के सारे धर्मशाला, पदयात्री सुविधा केंद्र, लॉज, रैन बसेरा सभी पहले ही हाउसफूल हो चुके थे

मंदिर परिसर में नहीं थी प्रसाद की व्यवस्था, भक्त भूख से होते रहे निढाल- पंचमी पर लाखों की संख्या में दर्शनार्थी माता के दर्शन पूजन के लिए दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे थे। घंटों कतार में धूप में खडे होकर भक्त अपनी बारी का इंतजार करते रहे। कई कई घंटों की तप के बाद भक्तों को माता के मंदिर के भीतर पहुंचने तथा माता के एक झलक देखने का सौभाग्य मिला। जो भक्त माता के दर्शन कर मंदिर से वापस निकल रहे थे वे भूख प्यास से निढाल हुए जा रहे थे। मंदिर परिसर के भीतर न तो पीने का साफ पानी ही कोई उपलब्ध करा रहा था ना ही परिसर में एक भी प्रसाद की व्यवस्था संबंधी स्टॉल व टेंट लगा था। सुबह 11 बजे तक प्रसाद की कोई व्यवस्था नहीं रही। भक्त घंटों लाइनों में खडे रहकर माता के दर्शन कर रहे थे लेकिन उन्हें प्रसादी भोजन एवं पानी तक के लिए कोई पूछ नहीं रहा था। इतने विख्यात शक्तिपीठ दंतेश्वरी मंदिर में आने वाले भक्तों में इस बात की नाराजगी थी कि उनके लिए माता के दरबार में भोजन प्रसादी एवं एवं पानी की व्यवस्था भी ढंग से नहीं की गई थी।

पंचमी पर पटसार पहुंची मांईजी की डोली को- शारदीय नवरात्र की पंचमी पर भैरवबाबा से अनुमति मिलने के बाद बस्तर दशहरा में शामिल होने मांई दंतेश्वरी की डोली अपना स्थान छोड़ पटसार पहुंची। मांई दंतेश्वरी की डोली व छत्र को पुजारियों द्वारा सुबह विशेष पूजा अर्चना के बाद चंदन घीसकर कपडे से बनी मूर्ति को डोली में विराजा गया तत्पश्चात डोली को मंदिर के गर्भगृह से निकालकर पटसार अर्थात मंदिर के प्रथम कक्ष में लाकर रखा गया। यह रस्म हर वर्ष पंचमी पर निभाई जाती है। तीसरे दिन अष्टमी तिथि को मांईजी की डोली बस्तर दशहरा में शामिल होने के लिए रवाना होती है। डोली को मंदिर के सिंहद्वार पर पुलिस के जवान परंपरानुसार हर्ष फायर कर सलामी देते हैं जिसके बाद डोली को मंदिर से लेकर डंकनी नदी पुल के उस पार स्थित माता चबूतरा तक पहुंचाया जाता है जहां पर फूलों से सुसज्जित वाहन में डोली को रखा जाता है । यहीं से डोली बस्तर दशहरा एवं मावली परघाव रस्म में शामिल के लिए निकलती है। दशहरा के विभिन्न रस्मों में शामिल होने के बाद परंपरानुसार डोली 9वें दिन वापस अपने धाम लौटती है।

बस्तर दशहरा का न्यौता देने पहुंचा राजपरिवार - बस्तर दशहरा के मावली परघाव रस्म में तथा बस्तर दशहरा के अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने हर वर्ष बस्तर राजपरिवार के सदस्य नवरात्र के पंचमी पर दंतेवाड़ा दंतेश्वरी मंदिर पहुंच मांईजी को न्यौता देने आते हैं। इसी क्रम में आज नवरात्र के पंचमी पर दोपहर 12 बजे जगदलपुर से राजपरिवार के सदस्य दंतेश्वरी मंदिर पहुंचा जहां सेवादारों द्वारा राजशाही पपंपरानुसार राजपरिवार का स्वागत किया गया जिसके बाद राज परिवार के कमलचंद भंजदेव समेत अन्य सदस्य दंतेश्वरी मंदिर पहुंचे जहां माता की पूजा अर्चना की। तत्पश्चात अपनी आराध्य देवी माता दंतेश्वरी को पितांबरी वस्त्र से तैयार की गई विनय पत्रिका मंदिर के मुख्य पुजारी जिया बाबा को भेंट कर मांईजी, भैरम बाबा एवं बस्तर की समस्त प्रजा को बस्तर दशहरा में आने का न्यौता दिया। तदोपरांत राजपरिवार मंदिर के बाहर आया जहां विधिवत उनका स्वागत कर उन्हें सलामी दी गई। इस दौरान राजपरिवार के सदस्यों को एक झलक देखने लोग ललायित रहे। इस दौरान भक्तों की भारी भीड़ राजपरिवार को देखने मंदिर परिसर में एकत्र हुई थी।

हाईस्कूल मैदान को बनाई गई पार्किंग -

श्रद्धालुओं की अपार भीड़ को देखते हुए

मंदिर कमेटी ने बाहर से दुपहिया एवं चार पहिया में आने वाले भक्तों के वाहन पार्किंग के लिए हाईस्कूल मैदान स्थल को पार्किंग स्थल बनाया है। बड़े वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था हाईस्कूल मैदान एवं बाईक की पार्किंग की व्यवस्था शनि मंदिर के बाजू वाली जगह एवं कोआपरेटिव बैंक के पीछे खाली पड़ी जगह एवं हॉटल देवभोग के साईड में खाली पडी भूमि पर की गई है। वहीं संपूर्ण नवरात्र के दौरान वाहनों का आवागमन नगर के मुख्य मार्ग से न होकर फारेस्ट नाका, जिला अस्पताल से होते हुए स्टेट बैंक चौक में डाईवर्ट किया गया है। बसों को बाईपास मार्ग से निकाला जा रहा है।

एक नजर

9 को नटवर स्कूल मैदान में खड्गधारिणी गरबा महोत्सव-2024 का आयोजन

रायगढ़, 7 अक्टूबर। शारदेय क्वांर नवरात्रि महापर्व के पावन अवसर पर तीन दिवसीय खड्ग धारिणी गरबा महोत्सव का भव्य आयोजन शहर के नटवर स्कूल मैदान में आगामी 9 अक्टूबर प्रांगण में होगा। वहीं इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए श्रीमती प्रियंका भट्ट प्रचार प्रमुख महिला समन्वयक ने बताया कि माता भवानी का यह गरबा आयोजन पुण्य श्लोका देवी अहिल्या बाई होल्कर की 300 वीं जन्म जयंती पर सनातन धर्म संस्कृति के अनुसार विधि विधान से तीन दिवसीय खड्ग धारिणी गरबा महोत्सव 2024 का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

यह होगा कार्यक्रम - उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अन्तर्गत आगामी 9 अक्टूबर को नटवर स्कूल मैदान में शाम 6 बजे माता माता अहिल्या जी की पालकी का आगमन होगा। इसके पश्चात सनातन धर्म संस्कृति परंपरानुसार विधि विधान से माता जगत - जननी की पूजा - अर्चना कर गरबा का आयोजन होगा। वहीं 10 अक्टूबर को नटवर स्कूल मैदान में यष्टी (कल्लरी) युद्ध का प्रदर्शन होगा। इसके पश्चात माता जगतजननी की पूजा - अर्चना कर गरबा का आयोजन होगा। इसी तरह आगामी 11 अक्टूबर को नटवर स्कूल मैदान में ही शाम 6 बजे से सहस्त्र दीपों से महाआरती होगी। इसके पश्चात गरबा नृत्य के साथ माता जगतजननी भवानी की आराधना खुशी व श्रद्धा से होगी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का प्रशिक्षण विगत 20 सितंबर से चल रहा जो आगामी 8 अक्टूबर तक चलेगा व प्रशिक्षण का समय 4.30 से 7 बजे तक नटवर स्कूल प्रांगण में होगा व प्रवेश गर्ल्स स्कूल के सामने से होगा। वहीं इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए मो.ः 99819 20001, 91652 02415, 94062 37399, 62636 56569 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। तीन दिवसीय इस धार्मिक आयोजन को भव्यता देने में खड्ग धारिणी गरबा महोत्सव आयोजन की सभी श्रद्धालु सदस्याएं जुटीं हैं।

खाद्यान्न वितरण में बड़ी अनियमितता, विक्रेता पर एफआईआर

रायगढ़, 7 अक्टूबर। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में जिले के शासकीय उचित मूल्य दुकानों में हो रहे खाद्यान्न वितरण में अनियमितता की शिकायत पर खाद्य विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में खाद्य विभाग द्वारा जिले के दो शासकीय उचित मूल्य दुकान पर 26 लाख 69 हजार 587 रूपए के खाद्यान्न गबन के मामले पर विक्रेता जगदीश प्रसाद रौतिया उर्फ महेंद्र कुमार सिदार पर धारा 409 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।खाद्य अधिकारी श्री खुमेश्वर सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा विकासखंड खरसिया के ग्राम पंचायत भैनापारा में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेता जगदीश प्रसाद रौतिया उर्फ महेंद्र कुमार सिदार के द्वारा राशन वितरण में अनियमितता एवं खाद्यान्न चावल 264.60 क्विंटल, शक्कर 7.35 क्विंटल नमक 4.44 क्विंटल, चना 17.63 क्विंटल एवं इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन 1 नग जिसकी कुल राशि 11 लाख 81 हजार 398.72 रुपए होती है, उसका अपयोजन किया गया है। इसी प्रकार शासकीय उचित मूल्य दुकान गीधा में खाद्यान्न वितरण में अनियमितता करते हुए चावल 342.56 क्विंटल, शक्कर 9.47 क्विंटल, नमक 15.68 क्विंटल, चना 16.81 क्विंटल जिसकी कुल राशि 14 लाख 88 हजार 189.12 रुपए है। जिसका अपयोजन शासकीय उचित मूल्य दुकान के विक्रेता श्री जगदीश प्रसाद रौतिया उर्फ महेंद्र कुमार सिदार ने किया है।

प्रयोगशाला तकनीशियन परीक्षा 4650 परीक्षार्थियों ने दी

रायगढ़, 7 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा 29 सितम्बर 2024 को आयोजित होने वाली प्रयोगशाला तकनीशियन भर्ती परीक्षा को निरस्त किया गया था। उक्त परीक्षा आज 6 अक्टूबर 2024 को एक पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक आयोजित की गई, जिसमें रायगढ़ जिले में 33 परीक्षा केंद्र बनाये गये थे। आज की परीक्षा में रायगढ़ जिले में निर्धारित 33 परीक्षा केंद्रों में कुल 9796 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 4650 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 5146 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा पूर्व से ही तैयारी पूर्ण कर ली गई थी। उपरोक्त परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर रायगढ़ द्वारा महेश शर्मा डिप्टी कलेक्टर, रायगढ़ को नोडल अधिकारी एवं भुवनेश्वर पटेल, एपीसीए समग्र शिक्षा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था। साथ ही सभी केंद्रों में सतत निगरानी के लिये सभी परीक्षा केंद्रों में जिला प्रशासन की ओर से एवं समन्वयक संस्था की ओर से एक.एक ऑब्ज़र्वर नियुक्ति की गई थी। परीक्षा केंद्रों में नकल रोकने एवं केंद्रों के सतत निरीक्षण के लिये नरेंद्र कुमार चौधरी, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा, दिनेश कुमार पटेल, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी पुसौर, देवेंद्र कुमार वर्मा परियोजना अधिकारी साक्षर भारत, लोमश मिरी तहसीलदार खरसिया के नेतृत्व में गठित 03 सदस्यीय उडनदस्ता दल द्वारा परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण किया गया। किसी भी केंद्र से कोई नकल प्रकरण की कोई सूचना प्राप्त नही हुई।

सड़क पर खड़ी ट्रक से बाइक की टक्कर,चालक घायल, ट्रक चालक गाड़ी छोड़ कर फरार

रायगढ़, 7 अक्टूबर। धरमजयगढ़ थाना क्षेत्र से एक सड़क हादसा की खबर सामने आ रही है, मिली जानकारी अनुसार रायगढ़ रोड में बीच सड़क पर ट्रक को खड़ाकर सीमेंट खाली कर रहे ट्रक से टकराकर एक युवक घायल हो गया है।

बताया जा रहा है कि ट्रक चालक किसी भी प्रकार कोई दुर्घटना ना हो इसके लिए किसी प्रकार का कोई लाईट व इंडिगेटर चालू नहीं रखा था, रात के समय होने के कारण मोटरसायकल चालक शुभम भद्र को खड़ी ट्रक नहीं दिखा और आकर सीधे ट्रक के साथ टक्कर हो गया, टक्कर इतना जोरदार था कि मोटरसायकल चालक बूरी तरह घायल हो गया है। घायल को किसी ने अस्पताल न ले जाकर उल्टा मोटरसायकल चालक को ही दोषी बता कर घायल हालत में घर भेज दिया। ट्रक क्रमांक सीजी 13 जेड 7077 का चालक दुर्घटना होते ही गाड़ी को भगाकर नीचेपारा पेट्रोल पंप के पास खड़कर फरार हो गया है।

मारवाड़ी ब्राम्हण महिला समिति ने किया शानदार गरबा का आयोजन,माता के मधुर भजन संग थिरकीं श्रद्धालु महिलाएं

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

रायगढ़, 7 अक्टूबर। शारदेय क्वांर नवरात्रि महापर्व की खुशी में विगत एक अक्टूबर से सर्वत्र सृष्टि की आदिशक्ति जगतजननी माता भवानी की पूजा - अर्चना विधि - विधान से सर्वत्र की जा रही है साथ ही नवरात्रि महापर्व के पावन अवसर पर माता के भक्तगण गरबा के साथ धार्मिक आयोजन भी कर रहे हैं। इसी पवित्र धार्मिक उत्सव के अंतर्गत शहर की मारवाड़ी ब्राम्हण महिला समिति की सभी श्रद्धालु सदस्यों ने अध्यक्ष श्रीमती रमा - दीपक शर्मा के विशेष मार्गदर्शन में विगत दिवस पावन नवरात्रि की तीसरी निशा को शहर के संतोषी माता मंदिर के प्रांगण में यादगार गरबा उत्सव का आयोजन किया।

माता की पूजा कर, सभी खुशी से थिरके

मारवाड़ी ब्राम्हण महिला समिति की सभी श्रद्धालु सदस्याएं सर्वप्रथम माता भवानी की पूजा - अर्चना विधि विधान से कीं। इसके पश्चात गरबा के पारंपरिक वेशभूषा में सजी - धजीं सभी श्रद्धालु सदस्याएँ माता भवानी के हर मधुर भजन कीर्तन गीत संग भाव विभोर होकर झूमीं। जिससे रात दस बजे तक मंदिर परिसर में आध्यात्मिक खुशी का परिवेश रहा। वहीं अध्यक्ष श्रीमती रमा - दीपक ने कहा कि हम समिति के सभी लोग मिलकर सामाजिक कार्य के अतिरिक्त धार्मिक व मनोरंजनात्मक कार्यक्रम को भी भव्यता देते हैं। नवरात्रि के पवित्र अवसर पर गरबा महोत्सव व पूजा - आराधना के इस कार्यक्रम को भी सफल बनाने में समिति की सभी सदस्यों का बेहद सकारात्मक सहयोग रहा।

जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बीजापुर 7 अक्टूबर। कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के दिशा-निर्देशन पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बीजापुर में 03 एवं 04 अक्टूबर 2024 को चौथा जिला स्तरीय खेल उत्सव 2024 का आयोजन हुआ। जिसमें जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय भैरमगढ, दुगईगुड़ा, रूद्रारम एवं बीजापुर के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उपस्थित आदरणीय डॉ0 आनंद सिंह सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, श्री डी सुबैय्या दुर्गम सहायक खेल अधिकारी उपस्थित थे।इस प्रतियोगिता का शुभारंभ ध्वजारोहण और दीप प्रज्वलन कर किया गया। खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलने और अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित किया।इस दो दिवसीय खेल महोत्सव में कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स और तीरंदाजी जैसी कई रोमांचक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न आयु वर्गों के छात्र-छात्राओं ने इन खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। खेल उत्सव के समापन समारोह में विजेताओं को सहायक आयुक्त डॉ0 आनंद सिंह आदिवासी विकास बीजापुर के द्वारा पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया जिसमे नोडल प्राचार्य श्री गोविंद राम जैन, प्राचार्य श्री नागेश्वर निषाद, प्राचार्य श्री मल्लैया दुर्गम, प्राचार्य नारायणन अम्मा एवं समस्त आयोजनकर्ता सदस्य भी सम्मिलित रहे।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त ने खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए कहा यह खेल महोत्सव न केवल छात्रों को खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक सिद्ध होता है एवं इस खेल प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए आयोजक, कलस्टर प्राचार्य श्री अनिल कुमार मिश्रा ने सभी खिलाड़ियों को और साथ ही आयोजक सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दी और उन्हें भविष्य में संभाग, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए प्रेरित किया ।

अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन में टिकाऊ कृषि कार्यों और जल उपयोगिता पर हुई चर्चा

धमतरी 7 अक्टूबर । जल जगार महोत्सव के दूसरे दिन आज टिकाऊ कृषि कार्यों और जल उपयोगिता पर चर्चा आयोजित की गई। इसके उद्घाटन सत्र में डॉ मनोज पी सेमुअल ने टिकाऊ जल प्रबंधन रणनीति और मौसम स्मार्ट कृषि पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने केरला राज्य मे जल प्रबंधन के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायत मे जल बजट मांग और पूर्ति के आधार पर बनाया जाता है। साथ ही इसका भूजल एप्प के माध्यम से आंकलन किया जाता है।

''नाम'' फाउंडेशन के सीईओ श्री गणेश थोराट ने अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन में किसानों को जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि के बारे में जानकारी देने प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन के वालिंटियर्स गांवों में किसानों को जल संरक्षण की जानकारी दे रहे हैं और फसल चक्र परिवर्तन के बारे में बता रहे हैं।

संभागायुक्त ने बागबाहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में, व्यवस्था का जायजा लिया

महासमुंद, 7 अक्टूबर । संभागायुक्त रायपुर श्री महादेव कावरे आज रविवार को बाग़बाहरा पहुँचे। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाग़बाहरा में स्वास्थ्य व्यवस्था का जायज़ा लिया। उन्होनें भर्ती मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल पूछा और उनके ईलाज की सुविधा, भोजन एवं नाश्ता आदि के संबंध में जानकारी ली। श्री कावरे ने उपस्थित चिकित्सकों को कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाए। ज़रूरी दवाइयां पर्याप्त मात्रा में हो, इसका शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को पौष्टिक भोजन एवं शुद्ध पेयजल मिले यह सुनिश्चित किया जाये। इस मौके पर कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत श्री एस.आलोक, अपर कलेक्टर श्री रवि कुमार साहू, ज़िला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री पी.कुदेशिया, एसडीएम बाग़बाहरा श्री उमेश साहू सहित अन्य विकासखंड स्तरीय अधिकारी साथ थे। संभागायुक्त ने इस दौरान ग्राम पंचायत टेमरी का भी दौरा किया और विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय, अमृत सरोवर तालाब, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामवासियों से इन योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके लाभ के बारे में जानकारी ली।

विधायक ने कई गांवों का किया दौरा

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भोपालपटनम, 7 अक्टूबर। क्षेत्र के विधायक विक्रम शाह मांडवी ने भोपालपटनम क्षेत्र के तूफानी दौरा के दूसरे दिन ग्राम गिलगिच्चा से यात्रा प्रारंभ कर विभिन्न ग्रामों से गुजरते हुए ग्राम पैद्दामाटूर मे समापन किया इस दौरान विधायक ने नवरात्र के अवसर पर बतुकम्मा पंडाल पहुंचकर (गौरी माता)बतुकम्मा का दर्शन कर क्षेत्र के खुशहाली की प्रार्थना करते हुए उत्सव में उपस्थित सभी माता बहनों को शुभकामनाएं दी विधायक विक्रम मंडावी ने भोपालपटनम मद्देड चेरपाल्ली के पंडाल में विराजमान दुर्गा माता का भी दर्शन करते हुए क्षेत्र में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की विधायक विक्रम मंडावी को अपने बीच पाकर लोगों ने काफी प्रसन्नता व्यक्त किया इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियाम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौड़ द्वैय जिला पंचायत सदस्य बसंत राव ताटी सरिता चापा अध्यक्ष जनपद पंचायत निर्मला मरपल्ली उपाध्यक्ष मिच्चा मुत्तैया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

केवड़ाबाड़ी बस स्टैण्ड स्थित भोजनालय में पुलिस की दबिश, 41 पाव देशी और अंग्रेजी शराब जब्त

रायगढ़, 7 अक्टूबर। कोतवाली पुलिस द्वारा कल दिनांक 05/10/2024 को अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री सुखनंदन पटेल को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि केवड़ाबाड़ी बस स्टैण्ड स्थित कन्हैया भोजनालय में संचालक संजय गुप्ता अवैध रूप से देशी एवं अंग्रेजी शराब की बिक्री कर रहा है। प्राप्त सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए कोतवाली पुलिस की टीम ने मौके पर छापा मारा।

पुलिस द्वारा मौके पर भोजनालय की तलाशी लेने पर, काउंटर के नीचे एक प्लास्टिक बोरी में रखी गई कुल 41 पाव शराब बरामद की गईं। इसमें 37 पाव सीलबंद रोमियो देशी मदिरा प्लेन, शोले मसाला देशी मदिरा और 4 पाव सीलबंद मेकडायल नंबर-1 व्हिस्की अंग्रेजी शराब शामिल थी। साथ ही आरोपी संजय गुप्ता से 220 रू्र. की शराब बिक्री की रकम भी बरामद की गई।आरोपी संजय गुप्ता, उम्र 47 वर्ष, निवासी रेलवे बंगला पारा, रायगढ़ के खिलाफ अवैध शराब की बिक्री करने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) एवं 59 (क) आबकारी एक्ट के तहत मामला पंजीकृत किया गया है। इस छापेमारी में उप निरीक्षक श्री ऐनु देवांगन, सहायक उप निरीक्षक श्री राकेश शर्मा, जयलाल जायसवाल और आरक्षक उत्तम सारथी, जगदेव सिंह शामिल रहे।

स्कूली बालिकाओं से अश्लील हरकत करने वाले प्रधान पाठक को मिली उसके दुष्कर्मों की सजा

रायगढ़, 7 अक्टूबर। कहते है बुरे कर्मो का बुरा नतीजा। स्कूली बच्चियों के साथ अश्लील हरकत करने और उनसे गंदी-गंदी बाते करने के दोषी प्रधान पाठक इंद्रमन साहू (56 वर्ष) को उसके बुरे कर्मो की सजा मिल गई है। आज से लगभाग 6 वर्ष पूर्व रायपुर जिले अभनपुर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत सुंदरकेरा के स्कूल में प्रधान पाठक के रूप में पदस्थापना के दौरान इंद्रमन साहू स्कूली बालिकाओं की लज्जा का आनादर करने के आशय से गंदी-गंदी बातें करने के साथ ही लैगिंक हमले का अपराध कारित करने के मामले में न्यायालय ने उसे दोषी माना है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, द्वितीय फास्टट्रैक विशेष न्यायाधीश (पाक्सो) रायपुर ने उसे धारा 354 के तहत तीन वर्ष के सश्रम कारावास सहित एक हजार रूपए के अर्थ दंड तथा धारा 509 के तहत तीन वर्ष के कारावास तथा एक हजार रूपए के अर्थ दंड की सजा सुनाई है।गौरतलब है कि गुरू शिष्य के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाले इंद्रमन साहू द्वारा स्कूली बच्चियों से गंदी - गंदी बातें ,अश्लील हरकतें लगातार की जा रही थी । वह बालिकाओं को डराता और धमकाता भी था। बालिकाओं ने इस बात की जानकारी अपने पालकों को दी, तो पालक आकोषित हो गए और उन्होंने इसकी शिकायत पंचायत पदाधिकारी से की, और फिर उसके के विरूद्ध 29 सितम्बर 2018 को गोबरा नवापारा थाने में अश्लील हरकत और छेड़खानी और पाक्सो एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया था। पुलिस ने उक्त मामले में उसी समय उसे गिफ्तार कर जेल भेज दिया था। बाद में वह जमानत मुचलके पर रिहा हुआ था।

शासकीय कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को न बुलाकर डीईओ नई परंपरा की शुरुआत कर रहे हैं:पुरुषोत्तम

बीजापुर,7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पालिका परिषद बीजापुर के उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर ने रविवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि बीजापुर जिले में लोकतांत्रिक रूप से जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधियों को शासकीय कार्यक्रमों से लगातार दरकिनार किया जा रहा है जो कि ग़लत है। नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर अपने विज्ञप्ति में कहा कि बीजापुर जिले के अंतर्गत जनता के द्वारा संवैधानिक रूप से चुने हुए सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य, नगर पालिका अध्यक्ष, नगर पालिका उपाध्यक्ष और पार्षद के होते हुए भी जिले के स्वामी आत्मानंद अंग्रेज़ी माध्यम स्कूल बीजापुर, पोटाकेबिन छात्रावास बीजापुर और कन्या हाई स्कूल नैमेड में प्रशासन द्वारा आयोजित सायकल वितरण कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी ने जिले के किसी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को बुलाना उचित नहीं समझा और निर्वाचित जनप्रतिनिधियों जो संवैधानिक पदों पर आसीन है उनकी उपेक्षा करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय कार्यक्रम में बीजापुर की प्रबुद्ध जनता द्वारा नकारे गए और चुनाव में हारे हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता, कार्यकर्ता और सदस्यों को बुला लिया और उनका महिमा मंडन करने लगे। इस तरह जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय कार्यक्रमों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को आमत्रण न कर एक नई परंपरा की शुरुआत करने में लगे हुए है जो कि लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है। नगर पालिका परिषद बीजापुर के उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर ने अपने जारी विज्ञप्ति में जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि जिले में निर्वाचित जनप्रनिधियों की शासकीय कार्यक्रमों से हो रही उपेक्षा की जांच किया जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो अन्यथा निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की हो रही उपेक्षा के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा।

आयुष्मान पखवाड़ा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाओं को किया गया सम्मानित

बीजापुर,7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार पुरे राज्य में आयुष्मान पखवाड़ा 20 से 30 सितंबर तक मनाया गया। इस दौरान कई गतिविधियां की गई जिसमें योजनान्तर्गत उच्च कार्य किए गए जिले के चिकित्सालयों को कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के द्वारा पुरस्कृत किया गया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आवापल्ली प्रथम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नेलसनार द्वितीय वहीं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मद्देड़ प्रथम एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र फरसेगढ़ ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उक्त पुरूस्कार वितरण समारोह में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी, सिविल सर्जन डॉ. रत्ना ठाकुर सहित डीपीएम एवं समस्त बीएमओ तथा बीपीएम सहित स्वास्थ्य अमला मौजूद थे।

शिशुरोग विशेषज्ञों की टीम जिला अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दे रहीं

बीजापुर,7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। माता कमला एवं पिता महेश कोरसा के नवजात शिशु का जन्म 25 अगस्त 2024 को जिला चिकित्सालय बीजापुर में हुआ था जिसका वजन सामान्य वजन से बहुत कम और समय से पूर्व 7 माह में पैदा हुआ था। समय से पहले पैदा होने के कारण बच्चे के फेफड़े कमजोर थे बच्चों को सांस लेने में परेशानी हो रही थी बच्चा सांस नही ले पा रहा था। बच्चे को तुरंत मशीन में रखा गया और साथ में बच्चे के फेफड़ों की वृद्धि के लिए बेहतर उपचार भी दिया गया जिसमें बच्चे की फेफड़े मजबुत व वृद्धि हुई फिर बच्चे को कुछ दिन सीपीएपी मशीन में रखा गया फिर 14 दिनों के लिए संक्रमण कम करने वाली एंटीबायोटिक्स की दवा भी दी गई। फिर धीरे-धीरे ऑक्सीजन की मात्रा को कम किया गया। धीर-धीरे बच्चे के उपचार के पश्चात वजन बढ़ाने के लिए दवाईयां भी दी गई जिससे बच्चे के वजन में बढ़ोतरी हुई। एसएनसीयू में अच्चे सुविधा एवं ईलाज के कारण बच्चे को नए जीवन मिला और बच्चा 40 दिनों के बाद स्वस्थ्य हो कर उनका वजन बढ़ाकर 1.5 किलो ग्राम तक बढ़ गया उसके बाद छुट्टी दिया गया। जिला अस्पताल के शिशुरोग विभाग में नवजात शिशु व बाकी बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल रहा है। नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र राय, डॉ. मंगेश मस्के, डॉ. अंजली ध्रुव व सभी मेडिकल ऑफिसर एवं नर्सिंग स्टॉप ने पूरे 40 दिन मेहनत कर नवजात को नया जीवन दिया। जिसमें बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के लिए जिले के कलेक्टर श्री संबित मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ जिला पंचायत श्री हेमंत रमेश नंदनवार, सीएमएचओ डॉ. बीआर पुजारी एवं सीएस डॉ. रत्ना ठाकुर का सहयोग एवं मार्गदर्शन मिला।

भंवरपुर बसना में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर 9 अक्टूबर तक

महासमुंद 7 अक्टूबर । कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के मार्गदर्शन में एवं महिला एवं बाल विकास विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा कूड़ो संघ महासमुंद के संयुक्त तत्वावधान में 5 से 9 अक्टूबर तक सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भंवरपुर बसना में राज्य स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण शिविर में महासमुंद, गरियाबंद, बलौदा बाजार, जांजगीर, रायगढ़, बिलाईगढ़, सारंगढ़ समेत अन्य जिलों के युवक एवं युवतियां शमिल।इस शिविर का उद्देश्य न केवल आत्मरक्षा कौशल का विकास करना है, बल्कि इसके माध्यम से युवाओं को नशामुक्ति, स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता और सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक करना भी है। शिविर के दौरान नशामुक्ति अभियान, खेलकूद प्रतियोगिताएँ, स्वच्छता अभियान और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

भैंसबोड़ में नवरात्रि की धूम, 151 देवी-देवताओं के साथ माता नौ दुर्गा है विराजित

■ सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति के बनाए राम दरबार की झांकी मोह रही है भक्तों का मन

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भखारा, 7 अक्टूबर। ग्राम भैसबोड़ में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्री धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी भैसबोड़ में माँ दुर्गा की प्रतिमा 4 अलग-अलग स्थानों में विराजित हुई है। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति पुराना बाजार चौक के द्वारा माँ दुर्गा की एक प्रतिमा विराजित किया गया है छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया दुर्गोत्सव समिति खंतीपारा के द्वारा कृत्रिम गुफा बनाकर 151 देवी-देवताओं एक भव्य पंडाल सजाकर विराजित किया गया है। कृत्रिम गुफा के मुख्य द्वार में भगवान भोलेनाथ विराजित किये गये है। तालाब में निर्मित झांकी में कालिया नाग के ऊपर भगवान कृष्ण नृत्य कर रहें है इसी प्रकार 12 ज्योतिर्लिंगो का दर्शन भी पंडाल में किया जा रहा जिसमें सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओम्कारेश्वर, घृष्णेश्वर, त्रयंबकेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, बैद्यनाथ, नागेश्वर, रामेश्वर, कांशी विश्वनाथ के दर्शन होंगे साथ सप्तऋषियों को कुटी बनाकर विराजित किये है जिसमें वशिष्ठ, कश्यप, अत्रि, जमदग्नि, गौतम, विश्वामित्र और भारद्वाज विराजित है साथ ही छत्तीसगढ़ के 36 देवियों के दर्शन भी इस पंडाल में हो रहें है। माता काली के झांकी एवं माँ काली विकराल रूप में, गौरा-गौरी विवाह, ज्योत-जंवारा का भी दर्शन इस पंडाल में किये जा रहें है इस जगह में माँ दुर्गा अपने नौ रूपों के साथ विराजित हुई है। शिवशक्ति दुर्गोत्सव समिति टिकरापारा एवं शिवशक्ति दुर्गोत्सव समिति नया बाजार चौक के द्वारा भी माता को भव्य पंडाल बनाकर विराजित किये गये है। इन पंडालो में सूरजभान धीवर, जागेश्वर तारक, गंगाराम, तोरण साहू, बिदेशी धीवर, रोहित साहू, महेश तारक, एवन साहू, रवि, दशरूयादव, नरसिंग यादव, मोहेंद्र साहू, केदार, दुलार, जिनेन्द्र साहू, तोरण नगारची, कोमल, दौलत राम, हिमांचल, एवं अश्वनी दुर्गा पंडालो में पंडा के रूप में माता की सेवा दे रहें है।

समाचार संक्षेप

आमजनों व 300 ट्रैक्टरचालकों को दी यातायात सुरक्षा संबंधी नियमों की विस्तृत जानकारी

बलौदाबाजार, 7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वर्तमान समय में बढ़ते सड़क दुर्घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, सड़क दुर्घटनों में कमी लाने के लिए जिला बलौदा बाजार पुलिस द्वारा यातायात जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है पुलिस अधीक्षक बलौदा बाजार द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जन मानस को शराब पीकर वाहन नही चलाने, तेज गति वाहन न चलाने, मो.सायकल में तीन सवारी नही चलाने, ट्रैक्टर वाहनों को कृषि कार्य में उपयोग करने, सवारी के रूप में उपयोग न करने, रात में चलते समय ट्रेक्टर का दोनो लाइट चालू रखने एवं यातायात सुरक्षा एवं नियमों का पालन करने के संबंध में जानकारी दी गई।

पुलिस अधीक्षक बलौदा बाजार द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगो को यातायात नियमों का जानकारी देते हुए 300 ट्रेक्टरों में रिफ्लेक्टर पट्टी लगाया गया।नेत्र शिविर का भी आयोजन कर वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण कराया गया? पुलिस बलौदा बाजार द्वारा यातायात जागरूकता अभियान के तहत आज दिनांक 05.10.2024 को ग्राम लाहौद यातायात जागरूकता अभियान 2024 का आयोजन किया गया जिसमें पुलिस अधीक्षक बलौदा बाजार द्वारा थाना ग्राम लाहोद क्षेत्र के ट्रेक्टर वाहन मालिकों एवं चालको को यातायात नियमों के संबंध में जानकारी दी गई, तथा कार्यक्रम के दौरान ट्रेक्टरों में रिफ्लेक्टर पट्टी लगाया गया। उपरोक्त यातायात जागरूकता कार्यक्रम में अमृत कुजूर उप पुलिस अधीक्षक यातायात बलौदा बाजार, एवम यातायात स्टाफकी उपस्थित रहे।

दिग्विजय बनाए गए प्रदेश साहू संघ आई.टी.प्रकोष्ठ महासचिव

भखारा, 6 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ आई.टी.प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक द्वारिका साहू की अनुशंसा एवं उनके कार्यकारिणी द्वारा सर्वसम्मति से दिग्विजय सिंह साहू को महासचिव, रायपुर संभाग आई.टी.प्रकोष्ठ प्रदेश साहू संघ के पद पर नियुक्त किया गया इस अवसर पर दिग्विजय सिंह ने बताया कि साहू समाज की नीतियों के अनुरुप संगठन को सशक्त बनाने में अपनी दायित्वों का सत्यनिष्ठा पूर्वक निर्वहन करुंगा एवं सामाजिक सेवा में हमेशा अग्रणी रहूंगा उनकी नियुक्ति पर परिक्षेत्र साहू समाज सेमरा अध्यक्ष होमेन्द्र साहू, भखारा नगर साहू समाज अध्यक्ष जितेंद्र तेलासी, परिक्षेत्र साहू समाज सेमरा सलाहकार कृष्णदयाल साहू, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष बुद्धेव साहू, पत्रकार भुनेश्वर साहू, युगल किशोर साहू, खिलेश साहू, थानेश्वर साहू, गोपीकिशन साहू, हितेंद्र साहू, यदुनंदन साहू, तेजराम साहू, दयालु राम, भास्कर साहू सहित क्षेत्र के समाजजनों ने बधाई दी है।

एक नजर

न्योता भोजन से छात्रों के चेहरे खिले

भखारा, 7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट खाना देने के साथ भोजन में उनकी रुचि बढ़ाने के लिए न्योता भोजन शुरू किया गया है। कोई भी अपनी स्वेच्छा से स्कूलों में भोजन का आयोजन कर सकता है। इसी के तहत आज 5 अक्टूबर को नगर पंचायत भखारा के नागरिक अभिषेक राव के द्वारा कन्या शाला भखारा मे छात्राओं को फल एवं मिष्ठान वितरित किया गया। उक्त अवसर पर शिक्षिका उषा साहू, खान सर, एवं स्टाफउपस्थित थे।

आत्मानंद स्कूल में हुआ बच्चों का बौद्धिक मूल्यांकन

भखारा, 7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। नगर पंचायत भखारा में स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल में 2 माह की पढ़ाई के बाद बच्चों का बौद्धिक मूल्यांकन किया गया बौद्धिक मूल्यांकन के अंतर्गत सभी विषयों से परीक्षा के माध्यम से सवाल दिए गए बनाने के लिए साथ ही पालकों को भी बच्चों के मूल्यांकन की जांच के लिए विद्यालय में बुलाया गया और बच्चों की कमियों के बारे में समझाया गया की बच्चों को मोबाइल से दूर रखें स्कूल के अतिरिक्त घर में भी अध्यापन कार्य जारी रखें । उक्त अवसर पर प्रिंसिपल राजकुमार गंजीर, हेमंत चौधरी, दिव्या मैडम, वैभव किरण, उर्मिला, अनीशा राय, रिया साहू, फाल्गुनी चंद्राकर, नूरजहां, अक्षय कुमार, मुस्कान बानो, धीरज ठाकुर, नियति पांडे स्टाफएवं हिना गोस्वामी, अलका जैन, पालकगण उपस्थित थे!

संतोष यदु सेना प्रदेश में चलाएगी सदयता अभियान : संतोष यदु

तिल्दा-नेवरा, 7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। संतोष यदु सेना के प्रमुख संतोष यदु ने विश्राम गृह में पत्रकारों से चर्चा में जानकारी देते हुए बताया की वे अपने राजनितिक जीवन के शुरुआत से है गरीब दबे कुचले असहाय लोगों कों उनका हक़ अधिकार दिलाने संघर्ष करते आ रहे हैं जो अब अपने खुद के संगठन संतोष यदु सेना एवं छत्रपति निर्माणी श्रमिक संघ के माध्यम से अपनी लड़ाई जारी रखेंगे उन्होंने बताया की यह एक गैरराजनितिक क्रन्तिकारी संगठन हैं जिसमे हर वर्ग के लोग जो गरीब मजदूर किसान एवं असहाय लोगों की सेवा करना चाहते हैं वे सरलता से जुड़ सकते हैं आज संगठन का पहला बैठक सम्पन्न हुआ जिसमे प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी जांजगीर चाम्पा निवासी फायर ब्रांड लीडर ओंकार सिंह ठाकुर कों संगठन का प्रदेश महासचिव, भाटापारा पूर्व विधानसभा प्रत्याशी भिखम यदु कों प्रदेश उप प्रमुख, ओमकार वर्मा, मुकेश साहू, मनोज यदु, रोहित देवांगन, मेलन यादव, प्रकाश पाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, वही बलौदाबाजार के जिलाध्यक्ष का पद खिलेन्द्र सेन, जिला उप प्रमुख संतोष नवरंगे, दीपक वर्मा कों बनाया, जितेंद्र साहू, गीता यादव, संतोषी टंडन, प्रदीप निर्मलकर, विशाल महिलांगे, मुकेश कुमार साहू, लोकेश्वरी चौहान, सरस्वती साहू कों जिला कार्यकारिणी सदस्य, लेखपाल देवांगन कों सिमगा ब्लॉक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तिलक यादव, शक्ति केन्द्र अध्यक्ष मनीष पांडे, भूपेंद्र वर्मा कों तिल्दा ब्लॉक अध्यक्ष, मनीष बारले ब्लॉक महासचिव, सनत कश्यप, पुनाराम वर्मा उप प्रमुख, विनोद बारले मिडिया प्रभारी, भारत यादव सचिव, नीरज यदु सक्ति केंद्र प्रमुख, बनाते हुए सभी नव नियुक्ति पदाधिकारियों कों नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बारूद गाड़ी में आग लगने की जांच ही न करना है चिंता की बात: मुश्ताक

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

दल्लीराजहरा, 7 अक्टूबर। खदान मजदूर संघ भिलाई संबद्ध भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने 29 फरवरी 2024 को अनुविभागीय दंडाधिकारी दल्ली राजहरा और नगर पुलिस अधीक्षक से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा था कि IOCL प्लांट राजहरा में 16.09.2023 की रात बारूद गाड़ी में लगी आग के बाबत शिकायत पत्र एवं सक्षम अधिकारी द्वारा जांच की मांग किया गया था किन्तु आजतक किसी प्रकार की कार्यवाही का न होना बहुत ही खेदजनक है?

संघ के अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने बताया कि IOCL प्लांट राजहरा के मौजूदा मैनेजर मार्केटिंग शिव सदन साहू द्वारा अपने कार्य पर लापरवाही बरती जा रही है और प्लांट में होने वाले दुर्घटना की जानकारी सक्षम अधिकारीयों से भी छुपाई जा रही है। इनके द्वारा बरती जा रही लापरवाही के वजह से विगत दिनों दल्ली राजहरा के नागरिकों की सुरक्षा भी दांव पर लग गयी थी। उक्त घटना की विस्तृत जानकारी इस प्रकार से है -

दिनांक 16.09.2023 को रात्रि लगभग 11.35 बजे BMD पंप ट्रक क्रमांक CG-1-S-5112, जिसमें लगभग 10 टन बारूद था, में आग लग गयी जिसे की बीएसपी के अग्निशमन विभाग द्वारा किसी तरह से काबू में किया गया। जिस समय यह घटना घटी उस समय प्लांट में इसी गाड़ी के पास दो और गाड़ियां खड़ी थीं जिनमें 10-10 टन बारूद भरा था। साथ ही प्लांट के साइलो स्टोरेज में भी भी 20 टन बारूद था। साथ ही तीनों गाड़ियों का डीजल टैंक पूरा भरा हुआ था। यह भी जानकारी मिली है कि इन सबके अलावा उस रात कोरबा से आई एक और गाड़ी भी वहीं खड़ी थी जिसमें 10 टन बारूद था और गौर करने की बात यह है कि घटना के समय प्लांट में 25 टन अमोनियम नाइट्रेट भी रखा हुआ था। पंप ट्रक में आग लगने की बात को शिव सदन साहू द्वारा न केवल छुपाया गया बल्कि इसकी जानकारी उनके द्वारा न तो चीफ एक्सप्लोसिव कंट्रोलर को दी गयी और न ही दल्ली राजहरा पुलिस थाने में दी गयी जो कि इंडियन एक्सप्लोसिव एक्ट 1884 के Section 8 का स्पष्ट उल्लंघन है। सोचिये अगर अग्निशमन विभाग द्वारा आग को समय पर बुझाया नहीं गया होता लगभग एक दो किलोमीटर के क्षेत्र को पूरी तरह से अपने चपेट में लिया होता और बड़े जान माल की हानि होती और ईसके लिए जिम्मेदार आई ओ सी एल के अधिकारी हैं मगर ईस घटना को छुपाकर आई ओ सी एल के मैनेजर ने बड़ी लापरवाही की है इसलिए लोगों के जान को जोखिम में डालने वाले आई ओ सी एल के मैनेजर को तत्काल निलंबित किया जावें साथ ही संघ द्वारा जांच करने पर और भी ऐसी बातों का खुलासा हुआ है जिससे यह स्पष्ट स्थापित होता है कि शिव सदन साहू द्वारा अपने कार्य में लगातार लापरवाही बरती जा रही है जिसके वजह से कभी भी किसी भी तरह की गंभीर दुर्घटना घटने की पूर्ण सम्भावना है। संघ द्वारा की गयी जांच में निम्न बातों की जानकारी प्राप्त हुई है।

जिस गाड़ी में प्लांट से खदान तक बारूद ले जाय जाता है उसी गाड़ी में 06 श्रमिकों को भी बैठाकर ले जाया जाता है जबकि उनके लिए अलग से गाड़ी दिया जाना चाहिए। BMD पंप ट्रक के लिए केवल ऑपरेटर की ही भर्ती की गयी है और किसी भी हेल्पर की भर्ती नहीं किया गया है। उक्त BMD पंप ट्रक में बारूद भरकर नंदिनी एवं हिर्री खदान भी भेजा जाता है और बारूद से लोडेड इसी पंप ट्रक में 06 श्रमिकों को भी बैठाकर भेजा जाता है जो कि किसी भी दृष्टिकोण से सुरक्षित और उचित नहीं है। शिव सदन साहू की लापरवाही का आलम यह है कि खदानों में बारूद चार्जिंग करने हेतु बिना गेट पास, बिना A-Form पंजीकरण और इस कार्य की जानकारी नहीं रखने वाले प्लांट में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्य करने वाले श्रमिकों को भी भेजा जाता है जो कि एक बहुत ही गंभीर जांच का विषय बनता है। साथ ही यह बात सोचनीय है कि राजहरा खदान समूह के अधिकारियों द्वारा ईस पूरे घटनाक्रम में किसी भी प्रकार की कार्यवाही का न करना जांच का विषय है और ईस बात को प्रमाणित करता है कि राजहरा खदान समूह के अधिकारी खदान कर्मचारियों और नगरवासियों की सुरक्षा के प्रति कितने ईमानदार है।

संघ की मांग- उपरोक्त तथ्यों के आधार पर संघ निम्नलिखित मांग करता है(सम्पूर्ण घटना की सूक्ष्म जांच प्रशासन द्वारा किया जावे एवं इस बात का खुलासा किया जावे कि IOCL प्लांट प्रबंधन द्वारा इंडियन एक्सप्लोसिव एक्ट 1884 के Section 8 का परिपालन किया गया है या नहीं? अगर किया गया है तो सम्बंधित प्रबंधन द्वारा उसके साक्ष्य प्रस्तुत किया जावे और अगर नहीं किया गया है तो उनकारणों का खुलासा सार्वजानिक किया जावे जिनके वजह से ऐसा नहीं किया गया? उक्त घटना के लिए केवल एक आंतरिक जांच करके उक्त BMD पंप ट्रक के ऑपरेटर को दोषी करार देकर उसे नौकरी से निलंबित करने का संघ न केवल विरोध करता है बल्कि यह मांग भी करता है कि उसे न केवल तत्काल नौकरी पर बहाल किया जावे बल्कि उसके निलंबित अवधि का वेतन एवं अन्य सभी सुविधा भी दिया जावे। इस घटना को दबाने वाले और कानून का परिपालन नहीं करने वाले IOCL प्लांट के मार्केटिंग मैनेजर शिव सदन साहू के विरुद्ध FIR दर्ज करते हुए समुचित वैधानिक कारवाई किया जावे। (4) उक्त घटना के बाद संघ को यह प्रतीत होता है कि उक्त IOCL प्लांट के वजह से राजहरा टाउनशिप में रहने वाले नगरवासियों की जान कभी भी खतरे में पड़ सकती है अतः उक्त प्लांट को तत्काल वहां से अन्यत्र स्थानांतरित किया जावे। और महीनों बीतने के बाद भी आजतक किसी प्रकार की कार्यवाही का न होना बहुत खेदजनक है ?

वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह में बारनवापारा में विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, 400 से अधिक बच्चों ने लिया हिस्सा

बलौदाबाजार, 7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। वनमण्डलाधिकारी बलौदाबाजार मयंक अग्रवाल के निर्देशानुसार एवं अधीक्षक बारनवापारा अभ्यारण्य आनंद कुदरया के मार्गदर्शन में बारनवापारा अभ्यारण्य में 02 से 08 अक्टूबर 2024 तक चलने वाले वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के अंतर्गत वन विभाग द्वारा विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किए जा रहे है। जिसमें 400 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया। साथ ही बारनवापारा क्षेत्र के स्कूली बच्चो द्वारा चित्रकला,निबंध लेखन एवं जन जागरूकता रैली के माध्यम से वन्यप्राणी संरक्षण का संदेश दिया। उक्त रैली 5 अक्टूबर को बारनवापारा अभ्यारण्य के मिडिल एवं हाई/हायर सेकण्डरी स्कूलों के विद्याथियों एवं वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा निकाली गई। जिसमें बारनवापारा से 300 विद्यार्थी, एलचरौदा से 102 विद्यार्थी रैली में सम्मिलित हुए। रैली के बाद स्थानीय वन कार्यालय बारनवापारा अभ्यारण्य के मीटिंग हॉल में नियत समय दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक चित्रकला और निबेध प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें मीडिल/हाई/हायर सेण्कडरी स्कूल बारनवापारा के 45 विद्यार्थी एवं मीडिल स्कूल चरौदा के 24 विद्यार्थी तथा मीडिल स्कूल चरौदा ढेबीखार के 30 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह के समापन पर प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को पुरूस्कार वितरण के साथ ही साथ जंगल सफारी नवा रायपुर का भी भ्रमण कराया जावेगा।

■ स्कूली बच्चों ने चित्रकला, निबंध लेखन एवं जन जागरूकता रैली के माध्यम से दिया वन्यप्राणी संरक्षण का संदेश

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का बिनैकावासियों ने उठाया लाभ

संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा ने ग्राम पंचायत बिनैका में आयोजित किया नि:शुल्क स्वास्थ जांच शिविर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

तिल्दा नेवरा, 7 अक्टूबर। संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा ने ग्राम पंचायत बिनैका में नि:शुल्क स्वास्थ्य शीविर का आयोजन मोर हॉस्पिटल रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं दल की उपस्थिति में शासकीय प्राथमिक शाला बिनैका में किया गया। नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में खून जाँच, इ सी जी, ब्लड प्रेसर, ब्लड शुगर, के साथ नि:शुल्क परामर्श भी दिया गया ग्रामीण क्षेत्र के सैकड़ों स्थानीय लोगों ने शिविर में भाग लिया। कई रोगियों ने अपनी बीमारियों का उपचार करवाया। कई लोग स्वस्थ और हृष्ट-पुष्ट पाए गए।

इस मौके पर संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा के एम डी विकास गोयल एवं भावेश खेतान ने कहा कि आम लोगों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर लोग भी हर तरह की जांच और इलाज करा सके और उन्हें फ्री में अच्छी सुविधा, मिल सके। लोगों का सेवा ही मेरा सबसे बड़ा धर्म है। हमारा मुख्य उद्देश्य है अच्छा इलाज के साथ साथ सभी तरह की सुविधा उपलब्ध कराना।

संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा की सी एस आर हेड शीतल गोयल ने कहा कि हमारा सदैव यह प्रयास रहता है कि समाज के वंचित और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों की सहायता हो सके। इसी प्रयास में इस शिविर का आयोजन किया गया।उन्होंने ग्राम पंचायत बिनैका के शासकीय प्राथमिक शाला के रंग मंच का नव निर्माण कर टाइल्स लगाने तथा ग्राम पंचायत के रंग मंच का पुनर निर्माण का घोषणा किया

ग्रामीणो ने कहा कि निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में बड़े ही सलीके से डॉक्टर ने बात की।इस तरह के स्वास्थ्य शिविर होते रहने चाहिए। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को काफी सहायता मिलती है।

स्वास्थ शिविर में ग्राम पंचायत बिनैका के सरपंच, उपसरपंच, पंचगण, सचिव, ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे कार्यक्रम को सफल बनाने में संभव स्टील ट्यूब लिमिटेड सरोरा के एम.जी.के. मूर्ति, सुचिता जैन, धर्मेश वैश्य, सुतनु गोस्वामी, चिरंजित रॉय, मनीष सिन्हा, जीतेन्द्र वर्मा , ने सहयोग दिया

अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में चोरी करने वाला गिरफ्तार

बलौदाबाजार, 7 अक्टूबर (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। 5 अकटूबर को अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट कुकुरदी-सेम्हराडीह के सिक्युरिटी अधिकारी अंगद द्विवेदी थाना सुहेला में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 1 अक्टूबर के शाम करीबन 05:00 बजे कंपनी में काम करने वाले आरोपी शोभित चतुर्वेदी, सीमेंट प्लांट के मेयर कपलिंग एल्कॉन ई.डी. कन्वेयर बेल्ट कीमती 17, 200 को चोरी कर ले गया है, जो सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है, कि रिपोर्ट पर थाना सुहेला में आरोपी के विरुध्द अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में त्वरित कार्यवाही कर थाना सुहेला से निरीक्षक लखेश केंवट आरक्षक दिनेश चन्द्रवंशी एवं बालेश्वर भगत की पुलिस टीम द्वारा आरोपी की पतासाजी करते हुए आरोपी को उसके ग्राम कुकुरदी से पकड़कर विस्तृत पूछताछ किया गया, जिस पर आरोपी द्वारा घटना 1 अक्टूबर को संयंत्र से कन्वेयर बेल्ट में लगे वाले लोहे गेयर कपलिंग एल्कान को चोरी करना एवं उसे सीमेंट प्लांट से थोड़ी दूर खेत के झूरगूट में छिपाकर रखना बताया गया। कि आरोपी से कन्वेयर बेल्ट में लगे वाले लोहे गेयर कपलिंग एल्कान बरामद किया गया है। कि प्रकरण में 5 अक्टूबर को आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

■ महादेव भवन में श्रीमद् देवी भागवत कथा के चौथे दिन अनेक प्रसंगों पर व्याख्यान

चारों धाम से बढ़कर है देवी कथा:रुचिता तिवारी

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 7 अक्टूबर। दुर्गा समिति गंजपारा बालोद के तत्वावधान में महादेव भवन बालोद में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत कथा के चौथे दिन कथाकार रुचिता तिवारी ने अनेक प्रसंगों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि जीवन का कल्याण करने वाली वाली मां भगवती है। इसलिए उसकी आराधना करो। आगे कहा कि चारों धाम से बढ़कर देवी कथा है। एक तरफअमृत रखा जाए एक तरफकथा अमृत रखा जाए तो सर्वश्रेष्ठ कथा अमृत होता है और जो अमृत होता है उसी को ग्रहण किया जाता है। उन्होंने कहा कि जो गलती करता है उसी को भोगना पड़ता है। कुछ लोग ज्ञान एवं जानकारी को एक ही समझते हैं, जबकि दोनों में बहुत अंतर होता है। ज्ञान जो भी हो सत्य होना चाहिए, ज्ञान भीतर से आना चाहिए। इसलिए जानकारी मत लो ज्ञान लो। ज्ञान जो जीवन में प्रशिक्षण से आता है।

ज्ञानी आत्म प्रशंसा नहीं करता

कथा के दौरान रुचिता तिवारी ने कहा कि ज्ञानी आत्म प्रशंसा नहीं करता और ना ही दूसरों की निंदा करता है। इसलिए ज्ञानी बनें। ज्ञान कहीं से मिल सकता है। आगे कहा कि जो दुखी हैं वे एक दूसरे से नहीं बोलते एक दूसरे के बारे में बोलते हैं। सबसे सर्वोच्च है भरोसा जिसे परमात्मा पर करो। किसी की प्राप्ति के लिए इंतजार करने की जरूरत है। कथा प्रसंग में उन्होंने कहा कि भगवान केवल भाव के भूखे हैं। भगवान मानव के रूप में बनकर सीखते हैं। भगवान हमें जीना सिखाते हैं। समय का उपयोग कैसे करें इसे बताते हुए उन्होंने कहा कि समस्त कार्य को छोड़कर आओ जो आपको बनाया है उसका ध्यान करो। समय भगवान के लिए निकालना चाहिए, जीवन में वफादारी ईमानदारी हो जाए तो कथा समझ जाओगे। उन्होंने कहा कि प्रेम की बस में सब हैं, किंतु प्रेम किसी के बस में नहीं है। भगवान के लिए स्वास्तिक यज्ञ करना चाहिए किसी जीव की बली नहीं करनी चाहिए। मदिरा नहीं चढ़ाना चाहिए, यज्ञ में जो वस्तु का उपयोग हो व शुद्ध हो।

भवानी मेरी पुकार भजन में खूब झूमे भक्त

रविवार को कथा प्रवचन के दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कथा प्रवचन के बीच-बीच में भजनों में हर रोज की तरह आज भी श्रोता झूम उठे। खास तौर पर भवानी मेरी पुकार भजन में श्रोतावअपनी जगह पर खड़े होकर झूमने लगे। इतने दिनों की तुलना में आज काफी भीड़ थी।पूरा पंडाल श्रोताओं से खचाखच भरा था। शाम 5 बजे आरती में भी काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

एक नजर

अजय शर्मा कृषक नगर जनविकास समिति के अध्यक्ष बने

रायपुर, 7 अक्टूबर। पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड अंतर्गत प्रोफेसर कॉलोनी जोरा के शिव मंदिर परिसर में आज कृषक नगर जन विकास समिति के आम सभा की बैठक संपन्न हुवी। बैठक में 3 वर्ष के लिए नयी कार्यकारिणी का गठन किया जिसमें सर्व सम्मति से अजय शर्मा को अध्यक्ष, इंदु वर्मा उपाध्यक्ष, प्रफुल्ल कटरे सचिव, आशीष चंद्राकर सहसचिव, अभिलाष पॉल कोषाध्यक्ष, हिरेंद्र अग्रवाल उप कोषाध्यक्ष, नरेंद्र अग्रवाल प्रचार सचिव, तथा राधाकांत पांडेय, गणेशी लाल शर्मा, नवनीत राणा, मोनिका पुरोहित, शीला तिवारी को कृषक नगर जनविकास समिति के कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय शर्मा ने सर्वप्रथम समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा की मैं आप सब के विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। उन्होंने बताया की आज हुवी आम सभा की बैठक में जोरा स्थित प्रोफेसर कॉलोनी एवम आसपास के क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ विकास के मुद्दों पर चर्चा हुवी जिसमे, सम्पूर्ण क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था के साथ साथ बिजली , पानी, सड़क, सफाई एवम ड्रेनेज की समस्या के लिए एकजुट होकर उसके निराकरण के लिए प्रमुखता से पहल करने की कार्य योजना बनाई गई। जन प्रतिनिधियों के माध्यम से क्षेत्र की छोटी बड़ी सभी समस्याओं से स्थानीय प्रशासन को अवगत कराने और उसके निराकरण के लिए उन्ही के माध्यम से लगातार प्रयास किया जाएगा जब तक की सभी समस्याओं का समुचित समाधान न हो जाए। विदित हो की शहर में विगत कई वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय अजय शर्मा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के भी अध्यक्ष हैं।

अपराधियों-माफियाओं में पुलिस का भय पैदा करने सुझाव दिए

रायपुर, 7 अक्टूबर। नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष पूर्व पार्षद रमेश आहूजा ने एस.एस.पी. संतोष सिंह से एक बयान में अपील की है कि आपने जिस प्रकार सादे वेश में एक रेस्टारेंट में बियर मंगाकर छापा मारा आपका यह कार्य प्रशंसनीय है। रायपुर के मैरीन ड्राइव में एक हफ्ते में दो मर्डर हो गये चाकूबाजी की घटनाएँ लगातार हो रही है इसका मुख्य कारण अपराधियों में व माफिआओं में पुलिस का भय नहीं है।

मेरा सुझाव है कि हर थाना क्षेत्र में उस थाने बल का थाना क्षेत्र की प्रमुख सड़कों में महीनों में एक बार फ्लेग मार्च (परेड) कराई जाये ताकि अपराधियों में भय बना रहे। तभी अपराधियों व माफिआओं में पुलिस का डर बना रहेगा।

लोहारीडीह घटना पर न्याय की मांग बैज ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

रायपुर, 7 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष दीपक बैज ने लोहारीडीह घटना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा है. इस पत्र में उन्होंने पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और घटना में संलिप्त पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है. दीपक बैज ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ सरकार इस घटना को डाइवर्ट करने और दबाने की कोशिश कर रही है. इसके साथ ही उन्होंने पीड़ित परिवारों को एक-एक करोड़ देने की भी मांग की है.

पीसीसी चीफ दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री साहू समाज से आने की बात करते है. छत्तीसगढ़ आकर सिर्फ वोट पाने के लिए साहू समाज को याद करते हैं. पीड़ित परिवारों की ओर से प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर घटना की जांच कराने का आग्रह किया है. बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ में साहू समाज संकट में है, घटना को सरकार डाइवर्ट करने और दबाने की कोशिश कर रही है. बैज ने कहा कि इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री को राज्य सरकार को निर्देशित करना चाहिए. उम्मीद करते हैं उन परिवारों को न्याय मिलेगा.

अंधविश्वास के कारण बलि की घटनाएं : दिनेश मिश्र

रायपुर, 7 अक्टूबर। अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के अध्यक्ष डॉ दिनेश मिश्र ने कहा आज धरसीवा के पास निनवा ग्राम में भुनेश्वर यादव एक व्यक्ति के द्वारा अपने घर के पूजाघर में स्वयं की बलि देने की खबर आई है. पिछले दिनों बलरामपुर जिले के एक व्यक्ति कमलेश नगेशिया ने अपने 4 वर्ष के बच्चे की बलि दे दी उसके कुछ दिनों पहले नवरात्रि में भी कोरिया जिले में एक धनेश्वर नामक बालक की बलि का मामला सामने आया था जिसके रिश्तेदारों ने ही, पिछले सप्ताह ही सरगुजा के शंकरगढ़ एक व्यक्ति ने एक झाड़ फूंक करने वाले बैगा की यह मानकर हत्या कर दी, कि वह झाड़ फूंक से उसको ठीक नहीं कर पा रहा है .अंधविश्वास के कारण यह हत्या की घटनाएं अत्यंत दुखद है ग्रामीणों को अंधविश्वास भरोसा नहीं करना चाहिए एवं कानून को हाथ में नहीं देना चाहिए। डॉ दिनेश मिश्र ने कहाअंधविश्वास में पड़ कर व्यक्ति मानसिक रुप में असंतुलित हो जाता है और वह मिथकों पर पूरी तरह भरोसा करने लगता है, कही सुनी किस्से कहानियां, भ्रामक खबरें अफवाहें उसे और भी भ्रमित कर देती हैं और वह अपराध कर बैठता है। डॉक्टर दिनेश मिश्र ने कहा लोगों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने की आवश्यकता है जिससे लोग सुनी सुनाई घटनाओं अफवाहें और भ्रामक खबरों पर भरोसा ना करें और अंधविश्वास में ना पड़े। डॉ दिनेश मिश्र ने कहा कुछ मामलों में व्यक्ति किसी इष्ट देवी, देवता, का सपना आने और सपने में बलि मांगने की बात भी कहते हैं और कहते हैं कि उन्होंने उनके आदेश पर किसी की बलि /कुर्बानी दे दी है जबकि लोगों को यह सोचने की आवश्यकता है कि किसी की जान लेकर कर कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता और उसे अपराध करने के करण अंततः जेल जाना पड़ता है.

दुर्गोत्सव

1. जय श्री राम दुर्गा उत्सव समिति, रामायण नगर, कुशालपुर- रायपुर, 2. नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति उत्कल नगर सिविल लाईन, 3. श्री सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति पारस नगर, 4. नवदुर्गा सेवा समिति त्रिमूर्ति चौक भाठागांव, 5. नव जागरण परिवार शीतला माता चौक टिकरापारा रोड।

राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

रायपुर, 7 अक्टूबर। रायपुर सांसद एवं पूर्व शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने रविवार को राजधानी रायपुर के जे.आर.दानी शास. कन्या उत्कृष्ट, हिन्दी माध्यम विद्यालय में 24 वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। 9 अक्टूबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में 5 संभाग के 1790 प्रतिभागी और 300 कोच तथा मैनेजर हिस्सा लेंगे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, पढ़ाई के साथ खेलकूद और अन्य अतिरिक्त पाठ्येतर गतिविधियाँ भी अत्यंत आवश्यक हैं। ये न केवल शारीरिक फिटनेस में मदद करती हैं, बल्कि बच्चों के मानसिक विकास, टीमवर्क, नेतृत्व कौशल और आत्मविश्वास को भी बढ़ाती हैं। इन गतिविधियों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और वे तनाव से मुक्त रहते हैं।

खेलकूद के माध्यम से अनुशासन, समर्पण और समय प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण जीवन कौशल भी सीखी जा सकती हैं, जो जीवन में सफलता पाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि, आज समय बदल चुका है, खेलों के माध्यम से भी करियर बनाया जा सकता है। साथ ही इससे हम अपना अपने स्कूल, शहर और प्रदेश का नाम देश दुनिया में रौशन कर सकते हैं।

हाल ही में हुए ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों में देश के खिलाड़ियों ने दुनिया को अपनी क्षमता दिखाई साथ ही विजेताओं को पुरुस्कार के रूप में करोड़ों रुपए भी मिले। आप सब भी खेलों के माध्यम से अपना भविष्य बना सकते हैं। इस अवसर पर खिलाड़ियों के मार्च पास्ट किया और मुख्य अतिथि बृजमोहन अग्रवाल को सलामी दी। अग्रवाल ने भी गुब्बारों को हवा में छोड़कर प्रतियोगिता के विधिवत शुभारंभ की घोषणा की। इस अवसर पर स्कूली छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में प्रतिभागियों के साथ ही पार्षद सीमा कंदोई, शिक्षा विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्रसेन महोत्सव में नन्हे हुनरबाजों ने दिखाया कमाल

रायपुर, 7 अक्टूबर। ज्ञात हो कि अग्रसेन महाराज के जयंती उपलक्ष पर छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज द्वारा संचालित पुरानी बस्ती स्थित जे के दानी स्कूल एवम अग्रसेन पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्शाले प्रतियोगिता नन्हे हुनरबाज अग्रवाल भवन पुरानी बस्ती में 4 अक्टूबर को आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में पुरानी बस्ती एरिया के 10 स्कूलों के लगभग 80 बच्चो ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज करवाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अजय दानी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, विभिन्न स्कूलों से आए बच्चो के बीच तत्काली। भाषण, मेहंदी, वाद विवाद और समूह गीत गान की प्रतियोगिता का आयोजन शानदार तरीके से हुआ जिसमे बच्चो की प्रतिभागिता देखते बनती थी। अग्रसेन पब्लिक स्कूल, पांचझन्य विद्यालय, छत्रपति शिवाजी स्कूल, गणपत सिंधी स्कूल, सर्वोदय विद्यालय, जे के दानी स्कूल, पटेल विद्या मंदिर, ने बच्चो ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता बन अपने स्कूल का नेम रोशन किया। छत्तीसगढ़ी अग्रवाल समाज के केंद्रीय पदाधिकारी गण एवं विभिन्न इकाइयों के सम्मति सदस्यों ने प्रतियोगिता में निर्णायक की महती भूमिका निभाई। समाज के केंद्रीय अध्यक्ष एवम मुख्य अतिथि अनुराग अग्रवाल के हाथो समस्त विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, मेडल, एवम शील्ड देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निलेश अग्रवाल ने किया।

बच्चों ने शांति कलश पूजन विधि सीखी

रायपुर, 7 अक्टूबर। आचार्य जिनमणि प्रभ सूरीश्वर की पावन प्रेरणा से सीमंधर स्वामी जैन मंदिर में सौ से ज्यादा बच्चों ने इस संडे को शान्ति कलश की विधि सिखी। सीमंधर स्वामी जैन मंदिर व दादाबाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष संतोष बैद व महासचिव महेन्द्र कोचर ने बताया कि इस भौतिक युग में बच्चों के जीवन को धर्म के मार्ग पर मोड़ना जरूरी है इसी उद्देश्य से गुरुदेव की प्रेरणा से प्रति संडे बच्चों को स्नात्र पूजा, चंदन पूजा व पूजा विधि के सुत्रों का अध्ययन कराया जाता है। इसी कड़ी में आज बच्चों को शान्ति कलश की विधि सिखाई गई। शांति कलश प्रत्येक दिन स्नात्र पूजा के अंत में किया जाता है। महेन्द्र कोचर ने आगे बताया कि शान्ति कलश में स्नात्र जल की अखण्ड धारा जीवन में अक्षय सुख समृद्धि, शान्ति बनाए रखती है। प्रत्येक पूजन, महापूजन विधान की पूर्णाहुति शान्ति कलश से होती है, जिसमें बड़ी शान्ति स्तोत्र का पाठ किया जाता है। भावे भावना भावीए, भावे दीजे दान, भावे जिनवर पूजिए, भावे केवल ज्ञान के पवित्र आत्म कल्याणकारी श्लोकों के साथ जब एक साथ सभी बच्चों ने सीमंधर स्वामी जिन मंदिर में प्रभु प्रतिमा के सामने सामूहिक स्वर में पाठ किया तो मंदिर में अलौकिक दृश्य उपस्थित हो गया। ट्रस्टी नीलेश गोलछा ने बताया कि आज सौ से ज्यादा बच्चों को तीर्थंकर परमात्मा के जन्मकल्याणक निमित्ते स्नात्र महोत्सव और शान्ति कलश विधान की जानकारी देकर स्नात्र महोत्सव पूर्ण कराया गया। जिनप्रतिमा के 9 अंगों के पूजन की विधि की जानकारी देकर नवांगी पूजा कराई गई, जैन धर्म में ही भगवान की प्रतिमा में भक्तों द्वारा सीधे पूजन का विधान है। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार के लाभार्थी गुमान चंद संतोष झाबक परिवार है। ट्रस्टी ड्रा योगेश बंगानी ने आगे बताया कि चारों दादागुरुदेव के सम्मुख विधिपूर्वक गुरुवंदन की प्रक्रिया सिखाई गई, बच्चों ने दादागुरुदेव का विधिपूर्वक खमासमना देकर वन्दन किया। अंत में दादागुरुदेव इक्तिसा का पाठ किया गया।

टाउन सेंटर में गरबा का आयोजन

रायपुर, 7 अक्टूबर। बहुप्रतीक्षित मॉम एंड मी गरबा कार्यक्रम का चौथे सफल आयोजन आज रायपुर टाउन सेंटर में धूमधाम से संपन्न हुआ, जिसमें 40 से अधिक जोश से भरी माताओं और उनके बच्चों ने भाग लिया। इस आयोजन में एक शाम जीवंत नृत्य, मनोरंजक गतिविधियों और खुशियों से भरे पलों का आनंद लिया गया। मिनी मार्वलस प्रीस्कूल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य एकता और संस्कृति की भावना का जश्न मनाना था। इसमें रायपुर भर से आए प्रतिभागियों ने पारंपरिक गरबा प्रस्तुतियों का आनंद लिया, रोमांचक खेलों जैसे हाउज़ी में भाग लिया और एक रंगीन और उत्सवपूर्ण वातावरण में कई मजेदार गतिविधियों का हिस्सा बने।

शाम का मुख्य आकर्षण गरबा प्रदर्शन था, जहां माताओं और बच्चों ने पारंपरिक और आधुनिक गरबा धुनों पर ताल से ताल मिलाई। इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए जजों के रूप में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आकृति अग्रवाल, ब्यूटी पेजेंट विजेता और शिक्षाविद सोनम श्रीवास्तव, और मुद्रा एकेडमी ऑफ डांस की संस्थापक और निदेशक स्वीटी पगारिया उपस्थित थीं। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में ग्लैमर और उत्साह का तड़का लगाया और उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम की सफलता पर बोलते हुए प्रीस्कूल की प्रिंसिपल अनुभूति श्रीवास्तव ने कहा, हर साल बढ़ते उत्साह को देखकर हम बेहद खुश हैं। यह कार्यक्रम मातृत्व, परंपरा और सामुदायिक बंधन का उत्सव है, और हमें इस साल मिली जबरदस्त भागीदारी के लिए बेहद आभार है। इस तरह के कार्यक्रम बच्चों और माताओं के बीच संबंध को मजबूत करते हैं।

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस

रायपुर, 7 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा के बाद कांग्रेस पार्टी एक बार फिर नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुट गई है। जल्द ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी सभी निकायों में प्रभारियों की घोषणा करने वाली है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज आज से बस्तर के दौरे पर जा रहे हैं। वे दशहरा तक अपने क्षेत्र में रहेंगे। बताया जा रहा है कि उनके लौटने के बाद ही प्रभारियों की सूची जारी की जाएगी। पीसीसी चीफने वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों से चर्चा के बाद प्रभारियों की सूची लगभग फाइनल कर ली है। हर निकाय में 2-2 प्रभारी नियुक्त करने की तैयारी है। इस बार संगठन ने वरिष्ठ नेताओं से लेकर पदाधिकारियों को निकायों की जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। सूची पर अंतिम विचार-विमर्श के बाद इसे सार्वजनिक किया जाएगा। पीसीसी की ओर से जल्द ही प्रभारियों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि ग्राउंड रिपोर्ट तैयार की जा सके। कांग्रेस संगठन ने सभी निकायों के लिए 2-2 प्रभारी नियुक्त करने की तैयारी कर ली है। प्रभारियों की घोषणा के तुरंत बाद उन्हें उनके प्रभार वाले शहरी क्षेत्रों में तैनात कर दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्याशियों की तलाश भी शुरू हो सकती है।

कालीबाड़ी से सिद्धार्थ चौक तक कहलाएगा स्वतंत्रता सेनानी हनुमान प्रसाद दुबे मार्ग

रायपुर, 7 अक्टूबर। राजधानी रायपुर के कालीबाड़ी चौक से सिद्धार्थ चौक तक सड़क का नामकरण आज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं रायपुर नगर पालिका के पूर्व पार्षद स्व. हनुमान प्रसाद दुबे के नाम पर हुआ। नामकरण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त एवं जाने-माने साहित्यकार सुशील त्रिवेदी थे एवं अध्यक्षता नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे ने की। विशेष अतिथि पूर्व विधायक विरेन्द्र पांडे एवं वरिष्ठ नेता राजेन्द्र तिवारी थे।

छत्तीसगढ़ सरयूपारीण ब्राह्मण महासभा व्दारा सिद्धार्थ चौक में आयोजित नामकरण समारोह में अतिथियों ने स्व. हनुमान प्रसाद दुबे की अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में भूमिका को याद किया। साथ ही टिकरापारा वार्ड के पार्षद के रूप में उनके योगदान का भी स्मरण किया। मंच पर सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुरेश शुक्ला, नगर निगम की मेयर इन कौंसिल के सदस्य आकाश तिवारी, वरिष्ठ पार्षद मृत्यूंजय दुबे, जैतूसाव मठ के संचालक अजय तिवारी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के अध्यक्ष मुरली मनोहर खंडेलवाल, सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के पूर्व अध्यक्ष रमाकांत शुक्ला, रामकृष्ण पाठक एवं सेनानी स्व. हनुमान प्रसाद दुबे के सुपुत्र अरुण दुबे मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन सरयूपारीण ब्राह्मण सभा के सह सचिव राजेश त्रिपाठी ने किया।

अतिथियों के उद्बोधन के बाद सिद्धार्थ चौक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित हनुमान प्रसाद दुबे मार्ग के नाम पर बने बोर्ड का लोकार्पण मंत्रोच्चारण के बीच अतिथियों ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार सनत चतुर्वेदी, बाबूलाल शर्मा, आशीष ठाकुर, ओ.पी. मिश्रा, प्रभात मिश्रा, वरिष्ठ नेता संजय पाठक, अनिल गुप्ता, अशोक बानी, रायपुर विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष शिव सिंह ठाकुर, सुरेन्द्र वर्मा, सरयूपारीण ब्राम्हण सभा के कोषाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र दुबे, दुर्गाशंकर परौहा, हरगोविंद जोशी, कृष्णकांत पाठक अशोक मिश्रा ऋषभ चंद्राकर, सोशल एक्टिविस्ट कुणाल शुक्ला, प्रीति शुक्ला, हेमंत तिवारी, छत्तीसगढ़ी फ़िल्मों के निर्देशक सतीश जैन, अनुमोद राजवैद्य एवं अनुपम वर्मा, तेजपाल सिंह हंसपाल, नरेन्द्र पाठक, सुरेन्द्र पाठक, मिलिन्द खेर, कमल पाठक, सतीश गुप्ता, अजीत पाठक, सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के महासचिव सुनील बाजारी, अनिल पाठक, अवनीश पाठक, अशोक तिवारी, गोविन्द तिवारी समेत बड़ी संख्या में सेनानी परिवार एवं सरयूपारीण ब्रामह्ण सभा से जुड़े

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26